सुप्रभात

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित TATA IPL 2025 सबकी बात सबके साथ

नगर संस्करण। पेज : 12

khabarmantra.net | ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, नवमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 319 । रांची, बुधवार । 04.06.2025

18 साल का सपना पूरा, आइपीएल खिताब जीतते ही रो पड़े विराट

एजेंसी

अहमदाबाद। खचाखच भरे नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को 18 साल का इंतजार खत्म हुआ और 18 नंबर की जर्सी वाले विराट कोहली का सपना आखिरकार पूरा हुआ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हरा कर अपने करोड़ों चाहने वालों बड़ा गिफ्ट दे दिया। खिताबी मुकाबले में विराट कोहली की टीम ने 190 रन बनाये थे। जवाब में पंजाब की टीम अच्छी शुरूआत के बावजूद लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। वह जीत से सिर्फ 6 रन दूर रह गयी। फाइनल में उस समय विराट का आक्रामक जश्न पूरी कहानी बयां कर रहा था, जब आखिरी ओवर में लगा कि अब जीत से कोई रोक नहीं सकता तो कोहली की आंखों में आंसू थे। वह रो पड़े थे। भावनाओं का गुबार रोकते नहीं रुक रहा था। दूसरी ओर, पंजाब के चाहने वाले निराशा में डूब चुके थे।

पंजाब को रौंद कर आरसीबी बना नया चैंपियन

विराट रहे बेस्ट स्कोरर : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 190 रन बनाये। एक समय मजबूत स्थिति में होने के बावजूद अंतिम ओवरों में उनकी पारी लड़खड़ा गयी। आखिरी के 19 रन बनाने में टीम ने 4 विकेट गंवाये। विराट कोहली ने 35 गेंदों में 43 रन बनाये।

सर्वाधिक सिक्स का रिकार्ड

कोहली ने इस मैच में आइपीएल इतिहास में सबसे अधिक चौके लगाने का रिकॉर्ड भीअपने नाम किया। शिखर धवन के 768 चौकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 769 चौके पूरे किये।

पंजाब किंग्स की पारी का रोमांच : 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम को अनकैप्ड प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरूआत दी। 5 ओवरों में 43 रन के स्कोर पर प्रियांश को जोश हेजलवुड ने अपनी रणनीति के अनुसार की गयी गेंद पर शिकार बनाया। फिल साल्ट ने कमाल का कैच लपका।

श्रेयस का बल्ला दे गया धोखा : प्रभसिमरन सिंह के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर मैदान में उतरे, पर आज उनके बल्ला धोखा दे गया। कप्तान को रोमारियो शेफर्ड ने जितेश शर्मा के हाथों सिर्फ एक रन पर कैच कराया। पूरे स्टेडियम में फैले आरसीबी के चाहने वाले खुशी में झूम उठे। विराट कोहली का आक्रामक जश्न देखते बन रहा था। अय्यर मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 के हीरो थे। इसके बाद बल्लेबाज आते रहे और अपना विकेट गंवाकर जाते रहे। हालांकि, शशांक सिंह ने जरूर हाफ सेंचुरी जड़ी, लेकिन टीम को जिता नहीं सके। (पेज 10 भी देखें)

न्यूज डायरी

राज्य मंत्रिमंडल की कैबिनेट की बैठक आज

रांची। झारखंड कैबिनेट की बैठक 4 जून को होगी। बैठक में कई अहम फैसले लिये जाने की उम्मीद है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने कहा है कि कैबिनेट की बैठक 4 जून को अपराह्न 4:00 बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसकी अध्यक्षता करेंगे।

एनसीसी के विस्तार की घोषणा की संजय सेठ ने

भोपाल। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का योजनाबद्ध तरीके से विस्तार करने के साथ ही देश में तीन लाख कैडेट्स को जोड़ा जाएगा। श्री सेठ ने कहा कि देशभर में तीन लाख कैडेटों को जोड़ा जायेगा और एनसीसी का योजनाबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा।

नदी में नहाने गये छात्र की डूबने से मौत

बेरमो। बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के गोमिया में मंगलवार को खम्हरा स्थित नदी में डूबने से छात्र रोबिनसन कुमार की मौत हो गयी। वह पिट्स मॉडर्न स्कूल का छात्र था और अपने दोस्तों के साथ खम्हरा स्थित कोनार नदी में बने चेक डैम सह कथित देसी वाटरपार्क में नहाने गया था। सभी युवक पानी में गेंद को दूर फेंककर उसे वापस लाने का खेल खेल रहे थे। दूर फेंकी गयी गेंद को लाने के दौरान वह गहरी पानी में डूब गया।

तुर्किये में फिर तेज भूकंप से कई हताहत

नयी दिल्ली। तुर्किये के तटीय शहर मारमारिस में सोमवार देर रात 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के कारण कम से कम 5 की मौत हो गयी। कई लोग घायल हैं। तुर्किये टेलीविजन' ने बताया कि रोड्स के ग्रीक द्वीप सहित आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किये गये।

पाकिस्तान में भूकंप, जेल तोड़कर भागे 200 कैदी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सोमवार की रात आये भूकंप से मची अफरा-तफरी में कराची के एक जेल से 216 कैदी जेल से भाग गये। जेलब्रेक की इस घटना में कई लोगों को चोटें लगी हैं और एक कैदी की मौत हुई है। गोलीबारी में कई गार्ड भी घायल हैं। कराची में हाई अलर्ट जारी है।

ग्रामसभा में बाहरी लोगों के आने की खबर पर गये थे पुलिस के जवान

लापुंग में पुलिस दल पर हमला थाना प्रभारी समेत तीन घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिले के लापुंग थाना क्षेत्र के कोइनारा गांव में जमीन विवाद के मामले को लेकर मंगलवार को चल रही ग्रामसभा में लापुंग थाना के पुलिसकर्मियों पर उग्र ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। हमले में लापुंग थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गये। थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव का प्रारंभिक इलाज कर उन्हें रांची लाया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में रैफ की कंपनी और जिला पुलिस के जवानों के साथ भारी संख्या में पुलिस की टीम लापुंग के कोइनारा

गांव में छापामारी अभियान चला रही है। इस मामले में पूर्व नक्सली पुनिया उरांव पर एफआईआर की जा रही है।

इधर डीआइजी सह रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने अस्पताल जाकर घायल थाना प्रभारी से भेंट की। उन्होंने चिकित्सक से थानेदार का बेहतर इलाज करने का अनुरोध किया।

भड़का रहे बाहरी लोग : डीएसपी

बेड़ो डीएसपी अशोक राम ने बताया कि लापुंग में जमीन के विवाद को लेकर चल रही ग्रामसभा में कुछ असामाजिक तत्वों की मौजूदगी की सूचना पर थाना प्रभारी ग्रामसभा में पहुचे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस को देखकर हरवे हथियार से लैस ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिस अफसरों ने ग्रामीणों को यह समझाने की कोशिश की कि बाहरी और नक्सल आंदोलन से जुड़े लोग गलत राह पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, पर ग्रामीण उत्तेजित हो गये। इसी सप्ताह रांची के बेड़ो थाना पर भी हमला किया गया था। उस मामले की जांच में बाहरी लोगों का ही हाथ सामने आया था। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से लोग भी बेड़ो पहुंचे थे। उन्होंने ग्रामीणों को उकसा कर थाना में हमला कराने की घटना को अंजाम दिया था। तनाव को देखते हुए अतिरिक्त बल की तैनाती की गयी है।

पूर्व नक्सली का भी नाम आ रहा

पुलिस पर हमले के बाद लापुंग में माहौल गर्म है। घटना के पीछे जो बात निकल कर आयी, वो हैरान कर देने वाली है। बताया जा रहा है कि जिस जमीन पर ग्रामीण खेती कर रहे हैं वो जमीन किसी और की है। अब बाहर से आये कुछ असामाजिक तत्व और कुछ पूर्व नक्सली वहां के ग्रामीणों को भड़का रहे हैं। पहड़ा समाज के लोग ग्रामीणों को उस जमीन का मालिक बनने की राय दे रहे हैं ताकि उस जमीन पर कब्जा किया जा सके। बेड़ो थाना पर हमले के बाद अब लापुंग में भी राज्य के बाहर से आकर वे साजिश रच रहे हैं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पूर्व नक्सली पुनिया उरांव का भी नाम सामने आया है। जिस जमीन को लेकर ग्राम सभा बुलायी गयी थी उसमें भी पुनिया शामिल था। उसी ने पुलिस पर हमले के लिए ग्रामीणों को उकसाया भी था। ग्रामीण एसपी ने बताया की पुनिया पर भी एफआईआर दर्ज की जा रही है।

डर से पाकिस्तान ने भारत को किया था कॉल

भारत को हराने की प्लानिंग 8 घंटे में ही हो गयी थी फेल

ऑपरेशन सिंदूर

एजेंसी

पुणे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर बात की। वे मंगलवार को पूणे में एक यूनिवर्सिटी में 'फ्यूचर वार एंड वारफेयर' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि भारत ने 7 मई को सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि 10 मई को रात एक बजे पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गयी थी। इसके बाद बड़े नुकसान के डर से सीजफायर के लिए कॉल किया। जनरल चौहान ने कहा कि जब पाकिस्तान की ओर से बातचीत

और तनाव कम करने का अनुरोध आया, तो हमने भी इसे स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी ठिकानों पर बहुत सोच-समझकर सटीक हमले किए। श्री चौहान ने कहा कि पाकिस्तान को भारत को आतंकी गतिविधियों का बंधक नहीं बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मिलिट्री फोर्स पर असफलताओं और नुकसान का असर नहीं पड़ता। नुकसान महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि परिणाम महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह घोर क्रूरता थी। ऑपरेशन सिंदूर के पीछे सोच यह थी कि पाकिस्तान से राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना है।

कोल इंडिया ने आइपीओ के लिए पेपर सौंपे

बीसीसीएल का आयेगा आइपीओ 46.57 करोड़ इक्विटी शेयर बिकेंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 'भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल)' के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसइबीआई-सेबी), एनएसई और बीएसई को सौंप दिया है।

यह आइपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, जिसमें कोल इंडिया बीसीसीएल के 46.57 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेगी। इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा, इसलिए इस आइपीओ से होने वाली पूरी राशि कोल इंडिया को ही जाएगी।

इस आईपीओ से जुड़े प्राइस बैंड, लॉट साइज जैसी महत्वपूर्ण जानकारी बाद में बुक रनिंग लीड मैनेजर्स से परामर्श कर घोषित की जाएगी। इस आईपीओ में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लीड मैनेजर्स की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि बीसीसीएल से ठीक एक हफ्ते पहले ही कोल इंडिया की एक और सहायक कंपनी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट (सीएमपीडीआई) ने भी 7.14 करोड़ शेयरों की बिक्री वाले ओएफएस आधारित आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया था। दोनों कंपनियां एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होने की योजना बना रही हैं, जिससे उन्हें बाजार में ज्यादा दृश्यता और परिचालनिक लचीलापन मिल सकेगा।

विनय कुमार चौबे की हिरासत अवधि 9 जून तक बढ़ी

रांची। शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार आईएएस विनय चौबे, तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह सहित पांच आरोपियों की पेशी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसीबी कोर्ट में हुई। कोर्ट ने इन सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत की अवधि 9 जून तक के लिए बढ़ा दी। मंगलवार को विनय चौबे की ओर से उनके वकील ने रिम्स में उनसे मिलने की अनुमति एसीबी कोर्ट से मांगी थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अनुमति प्रदान की। दरअसल, बीते दिनों एसीबी की टीम ने दो दिनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया था। हालांकि बीमार रहने के कारण विनय चौबे रिम्स में भर्ती हैं। मालूम हो कि 20 मई को विनय चौबे और तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को शराब घोटाला मामले में एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया था।

पीएम कल दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल 'चिनाब ब्रिज' का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय अंतरिक्ष विभाग के मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 जून को दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल-चिनाब ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यह पुल जम्मू और कश्मीर में उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक परियोजना का हिस्सा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि चिनाब ब्रिज नए भारत की ताकत और दूरदर्शिता का गौरवशाली प्रतीक है। यह पुल प्रकृति की सबसे कठिन परीक्षाओं का सामना करने में सक्षम है। इसकी ऊंचाई 359 मीटर है जो पेरिस के एफिल टॉवर से भी अधिक है। यह ब्रिज है 250 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से चलने वाली हवाओं को झेलने में सक्षम है। इसके निर्माण में लगभग 30,000 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है।

यह इतिहास में पहली बार आधिकारिक तौर पर कश्मीर घाटी को रेल के माध्यम से शेष भारत से जोड़ेगा।

पोड़ैयाहाट में कांग्रेस नेता महेंद्र टुडू की गोली मारकर हत्या

गोड्डा। पोड़ैयाहाट प्रखंड में कांग्रेस के पंचायत अध्यक्ष महेंद्र टुडू की अपराधियों ने सोमवार की शाम गोली मारकर हत्या दी। पूरे मामले पर स्थानीय विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि यह घटना दुखद है और पुलिस अपराधियों के विरुद्ध त्वरित करवाई कर उन्हें सजा दे। महेंद्र टुडू पूर्व मुखिया और सीएसपी संचालक भी थे। अज्ञात अपराधियों की गोली से घायल टुडू का स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिर उन्हें देवघर और बाद में हालत में सुधार न होने पर दुगार्पुर रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। मरने से पहले उनके दिए बयान के अनुसार चार की संख्या में अपराधी आये थे। संभवतः उनकी लूटपाट की मंशा थी। घटना की सूचना मिलने के बाद गोड्डा एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी और पोड़ैयाहाट थाना प्रभारी दल-बल के साथ वहां पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

कार्टून कोना

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) ने नींद की कमी पर अध्ययन रिपोर्ट जारी की

स्कूल जाने वाले एक-चौथाई बच्चों की पूरी नहीं हो रही नींद, स्क्रीन टाइम बन रही बाधा : वीके पॉल

स्वास्थ्य सलाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. (प्रो.) वी.के. पॉल ने सोमवार को नींद की कमी पर एक अध्ययन जारी करते हुए कहा कि आज एक-चौथाई स्कूली बच्चे पर्याप्त नींद से वंचित हैं, जिससे उनमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र (एनएचएसआरसी)

और सर गंगा राम अस्पताल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए अध्ययन में 12-18 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले किशोरों में नींद की कमी की व्यापकता और यह किस प्रकार संज्ञानात्मक कार्यों को प्रभावित करती है, इस पर फोकस किया गया था। श्री पॉल ने कहा कि पर्याप्त नींद, मस्तिष्क के कामकाज, मजबूत प्रतिरक्षा, श्रेष्ठ प्रदर्शन और स्मृति के लिए महत्वपूर्ण है। यह एक मौलिक जैविक आवश्यकता है। उन्होंने कम से कम सात-आठ घंटे की नींद लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों में नींद की कमी का स्वास्थ्य पर प्रभाव आज के शैक्षणिक माहौल में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। वीके. पॉल ने स्क्रीन टाइम का जिक्र किया, जो नींद में बड़ी बाधा है।

उन्होंने बच्चों को अधिक बुद्धिमान, सक्षम और कुशल बनाने के लिए सकारात्मक नींद को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेषज्ञ ने स्वास्थ्य पेशेवरों और नीति निमार्ताओं से देश में बच्चों और युवाओं की नींद की स्थिति में सुधार लाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

अध्ययन के निष्कर्ष

22.5 प्रतिशत किशोर नींद से वंचित हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय।

60 प्रतिशत प्रतिभागियों में अवसाद के लक्षण दिखे, जबकि 65.7 प्रतिशत किशोरों में कम से मध्यम स्तर की संज्ञानात्मक कमजोरी दिखी।

स्क्रीन टाइम के अतिरिक्त, स्कूल की दिनचर्या और पारिवारिक आदतें भी नींद की गुणवत्ता को करती हैं प्रभावित, दिन में कमजोरी और अस्वस्थता महसूस करने के आते हैं लक्षण।

आठ घंटे नींद लेने लेना आवश्यक

बीएसएल प्लांट में हॉट मेटल गिरने से पांच मजदूर झुलसे

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट में के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में हॉट मेटल गिरने से पांच मजदूर झुलस गए। सभी घायल मजदूरों को बोकारो जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। एक मजदूर की हालत गंभीर बतायी जा रही है। इस घटना के बाद सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठ रहे हैं। प्लांट में झुलसे मजदूरों की पहचान नंदकिशोर, रुपलाल गोराई, आनंद मंडल, समर कुमार और छोटेलाल मांझी के रूप में हुई है। सुरक्षा इंतजामों की लापरवाही पर प्लांट के कर्मचारियों सहित श्रमिक नेताओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं लगातार हो रही हैं, लेकिन

बीएसएल प्रबंधन सुरक्षा की ओर से अनदेखी कर रहा है। कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए अस्पताल के डॉक्टरों को बेहतर इलाज का निर्देश दिया। प्लांट प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन आंतरिक जांच शुरू होने की जानकारी मिली है।

गरीबों के आयुष्मान कार्ड को एटीएम समझने की भूल न करें : डॉ इरफान अंसारी

- राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का अस्पतालों को सख्त संदेश, कहा एक दिन में करें लंबित बिलों का भुगतान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रेडिसन ब्लू होटल में मंगलवार को आयोजित एएचपीआई कॉन्क्लेव में राज्यभर के निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि, प्रबंधक एवं चिकित्सक शामिल हुए। यह कॉन्क्लेव आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के अंतर्गत सरकारी देय बिलों के लंबित भुगतान से संबंधित मुद्दों को लेकर बुलाया गया था। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सभी अस्पताल प्रबंधकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और इस पर सख्त रुख अपनाते हुए विभाग को एक दिन के भीतर लंबित बकाया बिलों के भुगतान का निर्देश जारी किया।

मंत्री ने कहा कि वह, स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि गरीबों के आयुष्मान कार्ड को एटीएम समझने की भूल न करें। कुछ अस्पताल कार्ड को स्वाइप कर पूरा पैसा निकाल लेते हैं और मरीज को रिम्स रांची रेफर कर देते हैं, यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। गरीबों को उनके हक का इलाज मिलना चाहिए और योजना का पूरा लाभ भी। ऐसा कोई भी व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री ने दोहराया कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार गरीबों की सरकार है। उनकी उम्मीदों को टूटने नहीं दिया जाएगा। हम सरकार की छवि को धूमिल नहीं होने देंगे, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि 11 फरवरी 2025 से अब तक करीब 192 करोड़ का भुगतान लंबित है, जिसे शीघ्र निपटाया जाएगा। पिछले 7 वर्षों में 2284 करोड़ का कुल भुगतान किया जा चुका है। 7.3 लाख सरकारी अस्पताल मरीजों के लिए 485 करोड़ तथा 14 लाख निजी अस्पताल मरीजों के लिए 2000 करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया है। मंत्री ने कहा कि नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट द्वारा चिन्हित 212 अस्पतालों की जांच के चलते कुछ भुगतान में देरी हुई है। अन्य 350 अस्पतालों के भुगतान में नई पोर्टल प्रणाली के कारण तकनीकी अड़चनें सामने आई हैं, जिन्हें दूर करने के लिए विभाग की टीम लगातार एनएचए से संपर्क में है। समाधान जल्द सुनिश्चित किया जाएगा।

आईएचपीआई कॉन्क्लेव में संस्थापक अध्यक्ष योगेश गंभीर ने कहा कि सरकार और निजी अस्पतालों के बीच कम्युनिकेशन गैप को भरने के लिए ऐसे कार्यक्रम बेहद अहम हैं। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि राज्य की नवजात और मातृ मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से थोड़ी कम है और हम कई राज्यों से बेहतर हैं। एनआरएचएम के एमडी अबू इमरान ने कहा कि मातृ और शिशु मृत्यु दर को लेकर सरकार गंभीर है। बैठक में विभागीय सचिव अजय कुमार सिंह, अभियान निदेशक आबू इमरान, डॉ गिरधर ज्ञानी, डॉ योगेश गंभीर, डॉ राजेश कुमार, सैयद अहमद अंसारी, डॉ सतीश ठाकुर, डॉ अनंत सिन्हा, डॉ अजय सिंह, डॉ शंभू, डॉ प्रदीप सिंह, मंजूर अंसारी, अनवर अहमद अंसारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं चिकित्सकगण मौजूद थे।

जल्द बनेगा रिम्स-2, स्वास्थ्य व्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान

डॉ अंसारी ने राज्य के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को लेकर बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि रिम्स-2 का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। अगले दो वर्षों में यह सपना साकार होगा। राज्य के लोगों को आधुनिक और व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं देने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं पहले एक डॉक्टर हूं, फिर मंत्री। हमारा पहला कर्तव्य है, सेवा। स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यवसाय बनने नहीं दूंगा। जो भी सही दिशा में कार्य करेगा, उसे सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा। परंतु किसी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीजीपी अनुराग गुप्ता को नहीं मिला मई माह का वेतन

- एजी ऑफिस ने विभाग को दी जीरो पे-स्लिप की जानकारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता को कर्तव्य पालन के बावजूद मई माह का वेतन नहीं मिला है। क्योंकि उनके कार्यालय के अकाउंटेंट द्वारा मई माह के वेतन भुगतान से जुड़ा बिल ट्रेजरी को भेजा ही नहीं गया है।

इस संबंध में रांची के प्रधान महालेखाकार कार्यालय ने बताया कि उनके रिकॉर्ड में डीजीपी अनुराग गुप्ता 30 अप्रैल 2025 को ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसलिए संबंधित विभाग को उनके जीरो पे-स्लिप की जानकारी दे गई थी।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 22 अप्रैल को ही राज्य की मुख्य सचिव को पत्र के जरिए सूचित कर दिया था कि 30 अप्रैल को आईपीएस अनुराग गुप्ता सेवानिवृत्त हो जाएंगे, लेकिन राज्य सरकार के स्तर पर कहा गया कि उनका सेवा विस्तार हो चुका है, जबकि केंद्र सरकार यह मानने को तैयार नहीं है।

राज्य में आईएएस-आईपीएस की कैसे बनती है सैलरी

किसी भी आईएएस या आईपीएस की पोस्टिंग होने पर उनकी सेवा की जानकारी राज्य के प्रधान महालेखाकार ऑफिस को दी जाती है। उसी आधार पर एजी ऑफिस से संबंधित अफसर का पे-स्लिप बनता है। इसकी एक कॉपी संबंधित अधिकारी और दूसरी कॉपी संबंधित कार्यालय को प्रेषित की जाती है, बाद में कार्यालय का अकाउंटेंट सभी अफसरों के पे-स्लिप का डाटा तैयार कर ट्रेजरी को मुहैया कराता है। इसी आधार पर बैंक खाता में सैलरी आती है।

झारखंड में तैनात आईएएस और आईपीएस अफसरों की मई माह की सैलरी 1 जून को उनके खाते में आ चुकी है, लेकिन डीजीपी अनुराग गुप्ता की सैलरी इसलिए नहीं बनी, क्योंकि एजी ऑफिस के खाते में उनको 30 अप्रैल को ही सेवानिवृत्त माना जा चुका है। इसमें खास बात है कि पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव रहे अलपन बंदोपाध्याय की सेवा अवधि बची हुई थी, लेकिन वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं जाना चाह रहे थे। इस वजह से उनको पद और सेवा से इस्तीफा देना पड़ा था।

एजी ऑफिस का कहना है कि राज्य सरकार के स्तर से अनुराग गुप्ता के सेवानिवृत्ति की भी जानकारी नहीं दी गई है। इस वजह से उनके पेंशन और बकाया भुगतान की प्रक्रिया भी अटकी पड़ी है।

बाबूलाल के बेटे की शहादत हुई, उनके आरोपों को मजाकिया लहजे में उड़ाना शर्मनाक : प्रतुल शाहदेव

- भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा- पूरी सरकार बाबूलाल फोबिया से ग्रसित, राजधर्म भूल गए हैं मुख्यमंत्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मंगलवार को झामुमो और कांग्रेस की गठबंधन सरकार पर बड़ा हमला किया। उन्होंने कहा कि पूरी सरकार बाबूलाल फोबिया से ग्रसित है। उग्रवाद के खिलाफ जंग के दौरान बाबूलाल मरांडी के बेटे की शहादत हो गई थी। फिर भी उन्होंने अपने नीति और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। 2013 में जब हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री थे उसी काल खंड में शिकारीपड़ा में उनके खिलाफ उग्रवादियों ने बड़ी साजिश की। समय पर षड्यंत्र बेनकाब हुआ। ऐसे व्यक्ति के लगाये आरोपों पर सरकार को गंभीरता से संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर बेहद गंभीरआरोप लगा लगाया था कि उनके परिजन और उनके करीबियों के खिलाफ सरकार बड़े लेवल पर षड्यंत्र कर रही है। सरकार इस मुद्दे पर संज्ञान लेने की जगह विभिन्न दलों के प्रवक्ताओं से घटिया बयानबाजी करा रही है। ये स्पष्ट दिख रहा है कि पूरी की पूरी सरकार बाबूलाल फोबिया से ग्रसित है। बाबूलाल मरांडी ने सर्वप्रथम नगड़ी में आदिवासियों को बेदखल करने का मुद्दा उठाया। कई बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया। कई सफेदपोश जेल भी गये। इससे पूरी सरकार को मिर्ची लग गई है।

बाबूलाल के पास कोई ठोस सबूत है तो कानून की मदद लें, बेचारा न बनें : झामुमो

- भाजपा के आरोपों पर झामुमो महासचिव विनोद पांडेय का जवाब

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगाए गए आरोप न केवल तथ्यहीन हैं बल्कि यह उनके राजनीतिक दिवालियापन का प्रमाण भी हैं। बाबूलाल मरांडी जी के प्रति हम सभी सम्मान का भाव रखते हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे अब भाजपा के एजेंडे का हिस्सा बनकर झूठ और भ्रम फैलाने का कार्य कर रहे हैं। उनकी निजी पीड़ा का हम सम्मान करते हैं, लेकिन इससे उन्हें यह अधिकार नहीं मिल जाता कि वे निराधार आरोपों से एक संवैधानिक सरकार की छवि को धूमिल करने की साजिश रचते रहें।

झारखंड मुक्ति मोर्चा आंदोलन से निकली एक पार्टी है जिसने जनसरोकारों के लिए दशकों तक संघर्ष किया है। त्याग का पाठ हमें किसी से सीखने की जरूरत नहीं। आदिवासी हितों की रक्षा हमारा मूल मंत्र है। बाबूलाल मरांडी जी ने नगड़ी या किसी अन्य स्थान पर आदिवासियों के हित में क्या कार्य किया, यह सबके सामने है। हम पूछना चाहते हैं कि भाजपा की सरकारों ने उनके कार्यकाल में कितनी बार नगड़ी जैसे संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता दी? भाजपा की ओर से यह कहना कि सरकार बाबूलाल फोबिया से ग्रस्त है, हास्यास्पद है। हकीकत यह है कि भाजपा को यह स्वीकार नहीं हो रहा कि राज्य की जनता ने उन्हें बार-बार नकारा है। इनका जो हाल है उससे साफ है कि 2029 में भी हेमंत सरकार झारखंड की सत्ता संभालेगी। माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हर सेक्टर सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर में बेमिसाल काम किया है और पहली बार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य का सही दिशा में विकास हो रहा है। हर वर्ग के चेहरे पर खुशहाली है। यही भाजपा और बाबूलाल मरांडी की बेचैनी का कारण है। बाबूलाल मरांडी अब भाजपा के मुखौटे के तौर पर उपयोग हो रहे हैं। उनकी छवि और उनके पुराने संघर्षों को भाजपा के दुष्प्रचार में मोहरा बनाया जा रहा है।

अगर बाबूलाल मरांडी के पास कोई ठोस सबूत है कि उनके और उनके करीबियों के खिलाफ षड्यंत्र हो रहा है, तो उन्हें कानून की मदद लेनी चाहिए। आखिर वह कब तक राजनीतिक बेचारा बन कर सियासत करते रहेंगे। लेकिन, वे एक जिम्मेदार नेता होते हुए भी मीडिया के माध्यम से केवल सनसनी फैलाने का कार्य कर रहे हैं। यह उनके राजनीतिक उद्देश्य और इसके गिरते स्तर को ही उजागर करता है।

राजधर्म की दुहाई देने वालों को पहले खुद आत्मावलोकन करना चाहिए। भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि जब वे सत्ता में होते हैं, तब प्रशासनिक तंत्र का किस तरह दुरुपयोग करते हैं। झारखंड की जनता अब समझ चुकी है कि भाजपा केवल भ्रम और विभाजन की राजनीति करती है, जबकि हेमंत सरकार विकास, सामाजिक न्याय और शांति की राजनीति करती है।

मोदी सरकार के 11 साल पर कार्यक्रम आयोजित करेगी भाजपा

- भाजपा करेगी 24 जून को राज्य सरकार की विफलताओं को उजागर
- 5 जून से लेकर 30 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष गण, सभी जिलों की आयोजन समिति सहित विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, सोशल मीडिया के प्रमुख शामिल थे। मंच संचालन सरोज सिंह और धन्यवाद ज्ञापन सुनील सोरेन ने किया।

इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनता ने विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये तीसरी बार मोदी सरकार के संकल्प को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों पर मोदी सरकार लगातार 11वें वर्ष भी खरा उतर रही है। भारत आज विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था का देश बन गया है। मोदी सरकार विकास और विरासत दोनो को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। वहीं, हेमंत सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में भी लूट, भ्रष्टाचार, अपराध से ऊपर नहीं उठ रही है। राज्य सरकार पूरी तरह विकास विरोधी साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर जायेगी तो दूसरी ओर हेमंत सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नाकामियों को उजागर करेगी।

पार्टी के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि 5 जून से लेकर 30 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा 5 जून को पर्यावरण दिवस पर लाखों कार्यकर्ता वृक्षारोपण अभियान को शुरू करेंगे, जो 15 अगस्त तक चलेगा। इसमें एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम चलेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 11 साल पर प्रेसवार्ता आयोजित होगी। 10 एवं 11 जून को जिला केंद्रों पर प्रेसवार्ता प्रोफेशनल मीट आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि 12 से 14 जून तक मंडल स्तर पर संकल्प सभा आयोजित होंगे। 15 से 17 जून तक पंचायत स्तर पर चौपाल, आयुष्मान भारत योजना का पंजीकरण, 17 से 20 जून योग प्रशिक्षण और 21 जून को योगदिवस कार्यक्रम मंडल स्तर पर आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि 23 जून को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम और 24 जून को सभी 264 प्रखंड में पार्टी राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। 25 जून को लोकतंत्र हत्या दिवस, 29 जून को मन की बात कार्यक्रम और 30 जून को हूल दिवस के कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने सभी कार्यक्रम को संपर्क और संवाद के माध्यम से प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के निर्देश दिये। प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने कहा कि मोदी सरकार प्रतिवर्ष देश की जनता को अपने कार्यक्रमों का लेखा जोखा प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में सांसद डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा, आरती कुजूर, गणेश मिश्र, दुर्गा मरांडी, सीमा पासवान, सुनीता सिंह,शिवपूजन पाठक, योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाइक, प्रतुल शाहदेव, जेबी तुबिद, अजय साह, विजय चौरसिया, राफिया नाज, अविनेश कुमार सिंह, राहुल अवस्थी आदि उपस्थित थे।

पलामू डीसी सहित कई आईएएस सीएम से मिले

रांची। पलामू की डीसी समीरा एस ने मंगलवार को कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय पहुंचकर सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने कई जिले के डीसी पहुंचे थे। सभी ने एक-एक कर मुलाकात की। यह शिष्टाचार भेंट थी। मालूम हो कि कुछ दिन पहले झारखंड सरकार ने कई जिलों के डीसी का तबादला करते हुये नये डीसी की पदस्थापना की थी। सभी नये डीसी ने पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके बाद सभी ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की।

बिना आरक्षण रोस्टर क्लीयर किए हो रही होमगार्ड की बहाली : डॉ लंबोदर महतो

- मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किया होमगार्ड नियुक्ति नियमावली में संशोधन के बाद ही नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने आरक्षण रोस्टर क्लियर किए बगैर होमगार्ड बहाली पर आपत्ति दर्ज की है। उन्होंने सबसे पहले झारखंड होमगार्ड नियमावली, 2014 में संशोधन करने के बाद बहाली की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया अपनाई जा रही है उससे झारखंड के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़ा वर्ग के लोग बहाली से बाहर रह जाएंगे। उन्होंने इसको लेकर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र भी लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा है कि होमगार्ड बहाली में जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है वह राज्यहित में बिल्कुल नहीं है, इसको देखते नियमावली में संशोधन करने के बाद ही बहाली की प्रक्रिया शुरू किया जाना श्रेयस्कर रहेगा। डॉ लंबोदर महतो ने मुख्यमंत्री को इस बात से अवगत कराया है कि पूरे झारखंड राज्य में अलग-अलग जिलों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में होमगार्ड के रिक्त करीब 36 हजार पदों पर बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है।

यह बहाली प्रक्रिया होम गार्ड नियमावली 2014, जो बिहार होमगार्ड एक्ट 1953 के आधार पर बनाई नियमावली के आधार पर की जा रही है। जिससे राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। जिसके कारण पूरे राज्य में बिना रोस्टर क्लियर कराए हुर होमगार्ड की बहाली की जा रही है। जिससे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को बहाली में लाभ लेने से वंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा यही नहीं कोटिवार चयन नहीं किए जाने से एक ही कोटि के लोगों का चयन की संभावना बढ़ जाती है और आरक्षित श्रेणी के लोग होमगार्ड की नियुक्ति में वंचित हो जा रहे हैं।

आउटसोर्सिंग कर्मियों के लिए झारखंड सरकार ने जारी की नियमावली

निजी क्षेत्रों में स्थानीय उम्मीदवारों के नियोजन एक्ट का अनुपालन जरूरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने आउटसोर्सिंग कर्मियों के लिए नियमावली जारी की है। वित्त विभाग की ओर से झारखंड मैनपावर प्रोक्योरमेंट (आउटसोर्सिंग) मैनुअल 2025 जारी करते हुए कहा गया है कि विभिन्न विभागों और कार्यालयों में मानव बल की जरूरतों के लिए आउटसोर्सिंग से समय समय पर मदद ली जाती है। इनमें कंप्यूटर ऑपरेटर, डाटा एनालिस्ट, प्रोग्रामर, सहायक प्रोग्रामर और ग्रुप डी के विभिन्न पदों (आदेशपाल, चालक, सफाई कर्मी व अन्य) की सेवा शामिल है। जेम और एनआईसीएस के माध्यम से मैनपावर की सेवा प्राप्त करने का प्रावधान राज्य सरकार में पूर्व से प्रभावी है। अब नये मैनुअल के प्रभावी होने से जेम और झारखंड प्रोक्योरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज मैनुअल के प्रावधान पूर्ववत प्रभावी रहेंगे।

वित्त विभाग द्वारा अधिसूचित झारखंड प्रोक्योरमेंट ऑफ गुड्स सर्विसेज मैनुअल के अधीन ओपन कंपटीटिव बिड प्रोसेस मैनेजमेंट के प्रावधानों के आलोक में तैयार किया गया है। आइटी और ई-गवर्नेंस विभाग की पूर्व में जारी अधिसूचना द्वारा सरकारी विभागों, संस्थाओं में मैनपावर की सेवा लेने को नीति, एसओपी के निर्धारण का फैसला लिया गया था। इसके लिए वित्त विभाग के सचिव की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समिति गठित की गयी। समिति ने अनुशंसा की है कि सरकारी विभागों, संस्थानों में मैनपावर की सेवा लेने को नीतिगत निर्णय लिए जाने की जरूरत है। इसी आधार पर झारखंड

मैनपावर प्रोक्योरमेंट मैनुअल 2025 को गठित करने का निर्णय लिया गया जिसे मंत्रिपरिषद की स्वीकृति पिछले माह (22 मई, 2025) की बैठक में दी जा चुकी है।

झारखंड मैनपावर प्रोक्योरमेंट मैनुअल का हुआ गठन

अलग-अलग विभागों, कार्यालयों में आवश्यकतानुसार आउटसोर्स के आधार पर ग्रुप डी के पदों पर सेवा ली जा रही है। पर सरकार की स्पष्ट नीति और नियम के अभाव में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई विभागों में जैप-आईटी द्वारा इनपैनल्ड एजेंसी के माध्यम से आउटसोर्स के आधार पर मैनपावर की सेवा ली जा रही है। इसके अलावा कई विभागों द्वारा स्वयं की प्रक्रिया अपनाकर आउटसोर्स के आधार पर सेवा प्राप्त की जा रही है। समय-समय पर आउटसोर्स कर्मियों को ससमय मानदेय का भुगतान नहीं किये जाने की सूचना आती है। अनियमित भुगतान, श्रम कानूनों का लाभ नहीं मिलना, आउटसोर्स के आधार पर सेवा उपलब्ध कराने हेतु नियमविरुद्ध राशि की वसूली आदि शिकायतें भी मिलती हैं। ऐसे में इसके निदान के लिए स्पष्ट नियम की जरूरत है। झारखंड हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में आउटसोर्स के आधार पर कार्यरत कर्मियों की सेवा नियमितीकरण संबंधी आदेश पारित किया गया है। ऐसे में राजकोष पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को देखते एक मैनुअल की जरूरत है। इस तरह से स्पष्ट नीति और नियम की आवश्यकता राज्य सरकार के स्तर से जरूरी है। वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंधन के दृष्टिकोण से सेंट्रलाइज्ड पोर्टल द्वारा मैनपावर की सेवा प्राप्त करने की आवश्यकता महसूस की गयी है। भारत सरकार के जेनरल फाइनेंशियल रूल के दृष्टिकोण से राज्य सरकार में सीमित अवधि के कार्यों के संपादन के निमित्त आउटसोर्स के आधार पर मैनपावर की सेवा प्राप्त किया जाना आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

इसका रखना है ध्यान

वित्त विभाग के मुताबिक, झारखंड सरकार के अधिन विभिन्न विभागों और अधीनस्थ कार्यालयों में आउटसोर्स के आधार पर मैनपावर की सेवा लेते समय राज्य में प्रभावी आरक्षण नीति का अनुपालन किया जायेगा। आउटसोर्स के आधार पर सेवा उपलब्ध कराने के निमित्त सर्विस प्रोवाइडर को इनपैनल्ड करने को जैप- आईटी द्वारा अपनाई जाने वाली निविदा प्रक्रिया में झारखंड राज्य के निजी क्षेत्रों में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 का अनिवार्य रूप से अनुपालन किया जायेगा। बिडिंग के समय सर्विस प्रोवाइडर को इससे संबंधित शपथ-पत्र समर्पित करना होगा।

बदले की भावना से कार्य न करे राज्य सरकार : प्रवीण प्रभाकर

- बाबूलाल मरांडी के आरोप पर आजसू का सरकार पर निशाना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा अपनी जान पर खतरा होने के आरोप को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय किए जाने चाहिए। साथ ही श्री मरांडी ने राज्य के जिन अधिकारियों पर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है उनकी पहचान की जानी चाहिए। श्री प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार बदले की भावना से कोई कार्य न करे।

श्री प्रभाकर ने कहा कि बाबूलाल मरांडी विपक्ष के नेता हैं, जो संसदीय लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण घटक होता है। बाबूलाल मरांडी राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री रह चुके हैं और उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ झूठे तथा मनगढ़ंत मुकदमे दर्ज करने की साजिश की जा रही है। श्री प्रभाकर ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को नहीं भूलना चाहिए कि राज्य में जनमुद्दों से जुड़ी गड़बड़ियों को उजागर करने और जनता के हक के लिए आवाज उठाने की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी विपक्ष की होती है। श्री प्रभाकर ने कहा कि सत्ता आनी-जानी है। अगर लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदले की भावना से कार्य किया जाएगा तो लोकतंत्र की गरिमा गिरेगी।

मॉनसून में पावर कट रोकने की तैयारी में जुटा बिजली विभाग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मॉनसून आते ही राजधानी रांची में बिजली कटौती की समस्या बढ़ जाती है। बिजली विभाग ने इससे निपटने के लिए कमर कस ली है। विभाग ने डिविजनों को विशेष सतर्कता बरतने और जून से शुरू होने वाली बारिश की तैयारियों को लेकर जारी गाइडलाइन का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसमें उपकरणों की जांच और मरम्मत से लेकर पेड़ों की टहनियों की छंटाई तक के कार्य शामिल हैं। पिछले तीन दिनों में कचहरी, रेडियम रोड, मोरहाबादी और टैगोर हिल रोड जैसे इलाकों में पेड़ों की छंटाई के साथ-साथ तार और अन्य बिजली उपकरणों का मेंटनेंस किया गया। विभाग का लक्ष्य है कि इन प्रयासों से मॉनसून में

निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। पिछले दिनों चूना भट्ठा, कोकर के इंडस्ट्रियल एरिया, सुंदर विहार, शांति विहार, तिरिल बैंक कॉलोनी व भाभा नगर इलाके में हाई वोल्टेज तारों की आपूर्ति बंद रखकर तारों के संपर्क में आने वाले पेड़ों की टहनियों की छंटाई की गयी। इस दौरान करीब दो घंटे तक इलाके में आपूर्ति बंद रही।

मई माह में इस बार बारिश ज्यादा हुई। इस कारण कई इलाकों में पेड़ों की डालियां फिर से बढ़ गयीं। इस कारण फिर से छंटाई करनी पड़ रही है।

राजेश मंडल
कार्यपालक अभियंता, रांची पूर्वी डिविजन

वज्रपात से बचाव की तैयारी

आकाशीय बिजली गिरने के कारण हर साल करोड़ों रुपए का नुकसान झेलने वाला झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने इससे बचाव के लिए इस बार भी तैयारी की है। बड़े और उंचे बिजली के ट्रांसमिशन लाइन को थंडरिंग से होनेवाले नुकसान से बचाने की तैयारी है। विद्युत सब स्टेशन से लेकर पावर ग्रीड तक में लाइटनिंग स्टोर लगाए गए हैं, जिससे बिजली उपकरण को बचाया जा सके। बारिश से उतनी क्षति नहीं होती है, जितनी तेज हवा के साथ थंडरिंग से होती है।

वज्रपात के दौरान काट दी जाती है बिजली

झारखंड वज्रपात के लिहाज से काफी संवेदनशील है। जून से सितंबर तक वज्रपात की घटना काफी होती है। इससे आम लोगों को क्षति पहुंचती है। बिजली विभाग के लिए मानसून का समय किसी सरदर्द से कम नहीं है। आकाशीय बिजली से बचने के बिजली विभाग की सारी तैयारी धरी रह जाती है। भौगोलिक कारणों से झारखंड में वज्रपात की घटनाएं समतल इलाकों की तुलना में अधिक होती है। बादल के वाष्प कण के आपस में टकराने के कारण अत्यधिक ऊर्जा का सृजन होता है, जो आसमान से धरातल की ओर आकर्षित होकर वज्रपात का रूप धारण कर लेती है, जिसकी चपेट में ऊंचे बिजली के पोल और मोबाइल टावर, बड़ी इमारतों के साथ-साथ बिजली के ट्रांसफर्मर और ट्रांसमिशन लाइन आ जाता है। आकाशीय बिजली लाखों वोल्ट के साथ धरती पर गिरती है। इस दौरान यदि पावर लाइन चपेट में आया तो काफी डैमेज हो जाता है। ट्रांसमिशन लाइन पर वज्रपात होता है, तो इसे दुरुस्त करने में काफी वक्त लग जाता है।

रांची में विद्युत विभाग की तैयारी : शहर के आठ सब स्टेशनों की क्षमता बढ़ा दी गई है। आरएमसीएच, पॉलेटेक्निक, नामकुम, हरमू, अशोक नगर, तुपुदाना, सिदरौल और टाटीसिलवे के सब स्टेशनों में पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई गई है। इससे पीक आवर में लोड बढ़ने पर भी बिजली आपूर्ति सुचारू रहेगी और लोड शेडिंग से बचा जा सकेगा। आठ सब स्टेशन में मौजूद पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता को मांग के अनुसार बढ़ा दिया गया है, जिसका फायदा गर्मी के पीक आवर में लोगों को मिलेगा।

क्या है गाइडलाइन और दिशा-निर्देश

- 33 और 11 केवीए लाइन की नियमित पेट्रोलिंग हो।
- तारों के संपर्क में आने वाले पेड़ों की टहनियों की छंटाई सुनिश्चित हो।
- फ्यूज कॉल आने पर 15 से 20 मिनट का ही शटडाउन करें।
- सभी 63, 100, 200 केवीए ट्रांसफॉर्मरों की ऑयल जांच करें।
- कार्यपालक और सहायक अभियंता की अनुमति के बाद ही लें शटडाउन।
- मेंटनेंस का काम पूरा करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की जाये।
- शिकायतों का निबटारे के लिए ज्वाइंटिंग किट, इंसुलेटर आदि की उपलब्धता रहे।

किस सब स्टेशन में कितनी बढ़ाई गई क्षमता : शहर के आरएचसीएच सब स्टेशन में 10 एमबीए बढ़ा दी गई है। पॉलिटेक्निक सब स्टेशन में 5 एमबीए, नामकुम में 5 एमबीए, हरमू में 5 एमबीए, अशोक नगर में 5 एमबीए, तुपुदाना में 10 एमबीए, सिदरौल में 5 एमबीए और टाटीसिलवे में 5 एमबीए क्षमता बढ़ा दी गई है। यह क्षमता डिमांड के अनुसार पीक आवर को देखते हुए बढ़ाया गया है।

लो-वोल्टेज की समस्या से मिलेगा निजात : शहर में बिजली विभाग की ओर से जिले के 8 सब स्टेशन की क्षमता बढ़ा दी गई है। इसका फायदा गर्मी के मौसम में मिलेगा। वहीं क्षमता बढ़ा दिए जाने से लोड शेडिंग, लो-वोल्टेज, बिजली फ्लेकच्युएट, जंफर उड़ने, ट्रांसफर्मार का फ्यूज उड़ने जैसी समस्या से निजात मिलेगा। इसका सीधा लाभ क्षमता बढ़ाए गए सब स्टेशन से बिजली प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को मिलेगा।

सिरमटोली सरना स्थल विवाद

आशा लकड़ा ने किया निरीक्षण, सचिव की अनुपस्थिति पर जतायी नाराजगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य डॉ आशा लकड़ा ने मंगलवार को सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल के समीप सिरमटोली मेकान फ्लाईओवर के रैंप का निरीक्षण किया। उन्होंने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आयोग के दिशा-निर्देशों की अवहेलना करना ठीक नहीं है। बैठक में पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव की अनुपस्थिति के कारण कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया। डॉ आशा लकड़ा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोग की ओर से भेजे गये नोटिस का जवाब दें, ताकि सिरमटोली सरना स्थल के समीप कराये गये रैंप निर्माण व केंद्रीय सरना स्थल को संरक्षित करने की दिशा में उचित निर्णय लिया जा सके। इस दौरान डॉ आशा लकड़ा ने मुख्य सचिव अलका तिवारी से मिल कर सरकार की ओर से त्वरित कार्रवाई की मांग की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नयी तकनीक का उपयोग कर रैंप के समीप ऊंचाई बढ़ायें। रैंप को हटाकर पिलर का निर्माण करायें और सरना स्थल के समीप ऊंचाई बढ़ायें, ताकि सरहुल शोभायात्रा में शामिल आदिवासी समाज के लोगों को केंद्रीय सरना स्थल के प्रांगण तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने आश्वस्त किया कि आयोग की ओर से दिये गये दिशा पर अमल होगा।

आदिवासी संगठनों का आज झारखंड बंद मशाल जुलूस निकाल किया शक्ति प्रदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में एक बार फिर आदिवासी अस्मिता, धार्मिक पहचान और अधिकारों की रक्षा को लेकर आवाज बुलंद हो गई है। विभिन्न आदिवासी संगठनों ने 'आदिवासी बचाओ मोर्चा' के बैनर तले 4 जून को झारखंड बंद का आह्वान किया है। यह बंद न सिर्फ धार्मिक स्थलों की रक्षा की मांग को लेकर बुलाया गया है, बल्कि इसे वर्तमान राज्य सरकार की कथित आदिवासी विरोधी नीतियों के विरुद्ध एक निर्णायक कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। बंद को सफल बनाने के लिए संगठनों ने बंद की पूर्व संध्या पर राजधानी रांची सहित विभिन्न जिलों में मशाल जुलूस निकालकर जनसमर्थन की अपील की। इस जुलूस में सैकड़ों महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। जुलूस में शामिल लोग हाथों में जलती मशाल के साथ चल रहे थे।

धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता

बंद का मुख्य उद्देश्य झारखंड में स्थित कई पारंपरिक और पवित्र आदिवासी स्थलों को बचाना है, जो विकास कार्यों या सरकारी परियोजनाओं के कारण खतरे में बताए जा रहे हैं। इनमें मरांग बुरू (दुमका), पारसनाथ हिल्स (गिरिडीह), लुगु बुरू (बोकारो), मुधर हिल्स (पिठोरिया), दिउरी दिरी (तमाड़) और बेड़ो महदानी सरना स्थल प्रमुख हैं। इन स्थलों को आदिवासी समुदाय न सिर्फ धार्मिक रूप से पूज्य मानता है, बल्कि इन्हें उनकी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का केंद्र भी माना जाता है। आदिवासी संगठनों का कहना है कि सरकार द्वारा इन स्थलों पर विकास के नाम पर जो गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, वे सीधे तौर पर उनकी धार्मिक भावनाओं और परंपराओं पर आघात कर रही हैं।

सिरमटोली फ्लाईओवर विवाद बन गया आंदोलन का प्रतीक

रांची के डोरंडा-सिरमटोली फ्लाईओवर का रैंप निर्माण विवाद इस आंदोलन का प्रतीक बनकर उभरा है। स्थानीय आदिवासी समुदाय का कहना है कि इस फ्लाईओवर के रैंप से न सिर्फ उनकी बस्ती प्रभावित हो रही है, बल्कि उनके पारंपरिक पूजा स्थल भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। इसके विरोध में पहले भी प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई संतोषजनक समाधान न मिलने पर अब इसे राज्यव्यापी आंदोलन का हिस्सा बना दिया गया है।

राज्य की हेमंत सरकार को बताया 'आदिवासी और मूलवासी विरोधी'

आदिवासी बचाओ मोर्चा की एक बैठक में राज्य सरकार पर तीखे आरोप लगाए गए। वक्ताओं ने हेमंत सोरेन सरकार को 'आदिवासी और मूलवासी विरोधी' करार दिया और कहा कि इस सरकार ने आदिवासी हितों के संरक्षण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यह भी निर्णय लिया गया कि जब तक सरकार आदिवासी समुदाय की मांगों को नहीं मानती और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए ठोस नीति नहीं लाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सहयोग की अपील, आंदोलन को सर्वजन बनाने की कोशिश

बंद को सफल बनाने के लिए आदिवासी संगठनों ने न सिर्फ अपने समुदाय से, बल्कि राज्य के अन्य सामाजिक, धार्मिक और स्वदेशी संगठनों से भी समर्थन की अपील की है। मशाल जुलूस के दौरान जारी बयानों में कहा गया कि यह लड़ाई केवल आदिवासियों की नहीं, बल्कि पूरे झारखंड की अस्मिता से जुड़ी है। मोर्चा की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि बुधवार को होने वाला झारखंड बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन इसका उद्देश्य सरकार तक एक सशक्त और संगठित संदेश पहुंचाना है। बंद के दौरान आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियों को ठप रखने की अपील की गई है। आंदोलन की अगली रणनीति को लेकर नेताओं ने संकेत दिया कि अगर सरकार मांगें नहीं मानती, तो राज्यभर में धरना-प्रदर्शन, पदयात्रा और सामाजिक बहिष्कार होगा। इसके साथ ही वे न्यायालय की शरण में जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। आदिवासी नेता गीता श्री उरांव और फूलचंद तिर्की ने कहा कि बंद ऐतिहासिक होगा और अब आर पार की लड़ाई होगी।

नक्सलियों द्वारा लूटा गया 2.5 टन विस्फोटक बरामद

सारंडा जंगल पहुंचाने का था प्लान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और ओड़िशा पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत 2.5 टन विस्फोटक बरामद किया है। बरामद विस्फोटक को नक्सलियों ने घात लगाकर लूट लिया था। जिसके बाद झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और ओड़िशा पुलिस विस्फोटक बरामदगी के लिए लगातार अभियान चला रहे थे।

आपको बता दें कि 27 मई को ओड़िशा के केबलांग थाना क्षेत्र के रेलाहातु यांको एरिया से नक्सलियों ने दो सौ पैकेट (करीब पांच टन) विस्फोटक लूटा था। इसके बाद से ही ओड़िशा और झारखंड पुलिस संयुक्त रूप से सारंडा जंगल और ओड़िशा के सुंदरगढ़ में अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान सारंडा से भी बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया था। **संयुक्त कार्रवाई में 2.5 टन विस्फोटक सामग्री बरामद** : वहीं, अब ओड़िशा के सुंदरगढ़ जिले के कोइडा जंगल क्षेत्र से सुरक्षाबलों ने 2.5 टन विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह सफलता सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की संयुक्त कार्रवाई में मिली है। ऑपरेशन में झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ के अलावा ओडिशा पुलिस जवान शामिल थे। **घने जंगलों में घंटों चला सर्च ऑपरेशन** : ओड़िशा पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक लूटे गए विस्फोटकों के संबंध में मिली पुख्ता जानकारी के बाद यह अभियान चलाया गया है। सुरक्षाबलों ने घंटों तक घने जंगल और पहाड़ी इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें मेटल डिटेक्टर और स्निफर डॉग की मदद से जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए विस्फोटकों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है।

सारंडा तक नहीं पहुंच पाया विस्फोटक : सुरक्षाबलों के बड़े अभियानों की वजह से सारंडा और उसके आसपास नक्सली एक विशेष क्षेत्र में ही घिरे हुए हैं। उनके पास हथियार और गोला बारूद की भारी कमी हो गई है, इसी कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने 27 मई को झारखंड-ओड़िशा बॉर्डर पर विस्फोटक से भरा ट्रक लूटा था।

सभी विस्फोटकों को सारंडा के घनघोर जंगलों तक पहुंचाया जाना था, लेकिन उससे पहले ही लगभग सभी विस्फोटक बरामद कर लिये गए हैं। राउरकेला के एसपी ने ट्वीट कर 2.5 टन विस्फोटक बरामद होने की जानकारी दी है। साथ ही यह भी जानकारी दी है कि सर्च अभियान अभी भी जारी है।

आवारा कुत्तों से निपटने के लिए शुरू होगी नयी पहल

सरकार झारखंड में चलायेगी एनिमल बर्थ कंट्रोल प्रोग्राम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पशुपालन विभाग ने एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम से आवारा कुत्तों की जनसंख्या को नियंत्रित करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए हर जिले में एक एनजीओ का चयन किया जाएगा, जो एबीसी अभियान चलाएगा। पशुपालन विभाग ने इच्छुक एनजीओ से निर्धारित फॉर्मेट में 14 जून तक आवेदन मंगाया है। आवारा कुत्तों की जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए एबीसी कार्यक्रम एक प्रभावी तरीका होगा। राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड और जिला पशु क्रूरता निवारण समिति इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हाईकोर्ट ने एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर दी जमानत

सुभाष मुंडा हत्याकांड: छोटू खलखो की पिस्तौल से नहीं चली थी गोली

खुलासा

पुलिस ने आरोपी के पास से बरामद की थी दो पिस्तौल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। माकपा नेता सह सुभाष मुंडा हत्याकांड में जिस आग्नेयास्त्र को पुलिस ने अपराधियों के पास से बरामद किया था। एफएसएल रिपोर्ट में उस आग्नेयास्त्र के संबंध में बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुभाष मुंडा हत्याकांड में छोटू खलखो के कब्जे से बरामद पिस्तौल से गोली नहीं चली थी। यह सही है कि सुभाष मुंडा की हत्या में 7.65 कैलिबर की पिस्तौल से गोली चली थी, लेकिन, छोटू खलखो के कब्जे से बरामद दो पिस्तौल से नहीं चलाई गई थी। इतना ही नहीं पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर अपराधी पिंटू कुमार के पास से बंदूक बरामद

की थी। लेकिन, इस बंदूक को फोरेंसिक जांच के लिए नहीं भेजा गया, जबकि, मृतक की हत्या में बंदूक का इस्तेमाल नहीं किया गया था। मृतक के शरीर से पांच गोली 7.65 कैलिबर की निकाली गई थी। उक्त सवाल झारखंड हाईकोर्ट में दोनों की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने बहस के दौरान उठाई थी। इसी आधार पर दोनों को हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान की है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या हत्याकांड का मुख्य सरगना पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस ने भीड़ को शांत करने के लिए जल्दीबाजी में सात आरोपियों को उठाकर जेल भेज दिया था।

संदेह के आधार पर हुई थी गिरफ्तारी

सुभाष मुंडा की हत्या 26 जुलाई 2023 को भूमि विवाद के कारण नगड़ी थाना क्षेत्र के दलादली चौक स्थित उनके कार्यालय में अज्ञान व्यक्तियों द्वारा गोली मारकर कर दी गई थी। पुलिस ने संदेह के आधार पर छोटू खलखो को एक वाहन पर जाते समय पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 7.65 कैलिबर की पिस्तौल सहित कई आग्नेयास्त्र बरामद हुआ था। उसके पास एक और 7.65 कैलिबर की पिस्तौल बरामद की गई। कहा गया कि वह हत्या में इस्तेमाल हथियार था। बरामद हथियार की जांच एफएसएल में कराई गई। सूचक के अधिवक्ता की ओर से दलील दी गई कि छोटू खलखो घटनास्थल पर मौजूद नहीं था। उस पर मृतक सुभाष मुंडा की हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

अरुणाचल प्रदेश के स्पीकर संग स्थानीय नीति पर चर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्पीकर रवींद्रनाथ महतो के निर्देश पर खाद्य आपूर्ति समिति अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। समिति के चेयरमैन झामुमो विधायक विकास मुंडा हैं। इसमें झामुमो विधायक लुईस मरांडी और विधायक जयराम महतो भी हैं। जयराम महतो ने इस दौरे की जानकारी देते बताया कि वे सभी अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। मंगलवार को सभी के साथ अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा भ्रमण का मौका मिला।

अरुणाचल विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा स्वागत और सम्मानित किया गया। इस दौरान राज्य की स्थानीय नीति, नियोजन नीति एवं आर्थिक स्रोतों पर विस्तार से चर्चा हुई। जयराम के मुताबिकए उन्होंने स्पीकर से चर्चा के दौरान 80-20 नियोजन नीति, अन्य प्रदेशों के लोगों द्वारा यहां जमीन नहीं खरीदे जाने सहित अन्य कानूनों पर जानकारी दी गई। वैसे अरुणाचल प्रदेश विधानसभा स्पीकर से मिलने के दौरान जयराम का खाली पांव दिखना भी उल्लेखनीय रहा। गौरतलब है कि पहली बार विधायक बनने के बाद से जयराम झारखंड विधानसभा में भी नंगे पांव ही प्रवेश करते रहे हैं। अब अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा में भी वे इसी रूप में दिखे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कई आइपीएस अधिकारियों ने की शिष्टाचार मुलाकात

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को काके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में कई आइपीएस अधिकारियों ने मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब राज्य सरकार ने कुल 45 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया था और तीन अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा था। इस व्यापक फेरबदल के बाद अधिकारियों का मुख्यमंत्री से मिलना सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। इसमें नयी जिम्मेदारियों और आगामी योजनाओं पर चर्चा संभावित है। इससे पहले दो जून को भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवासीय कार्यालय में आईपीएस अधिकारियों ने मुलाकात की थी। इन आईपीएस अधिकारियों में आईजी प्रोविजन पटेल मयूर कन्हैया लाल, आईजी मानवाधिकार नरेंद्र कुमार सिंह, डीआइजी अनुरंजन किस्पोट्टा, एसपी राकेश रंजन, अंजनी अंजन, मुकेश कुमार, सादिक अनवर रिजवी, मो. अर्शी, मनीष टोप्पो शामिल थे।

किसी हद तक जा सकते हैं भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले लोग : राजेन्द्र प्रसाद

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि प्रतिपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी जान को खतरा बताया है। यह मामला पक्ष और विपक्ष का नहीं है। इसे गंभीरता से लेते हुए सरकार को जांच करानी चाहिये। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले और भ्रष्टाचार करने वाले लोग किसी भी हद तक जा सकते हैं। वे लंबे समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते रहे हैं। इस कारण उन्हें भी कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि प्रतिपक्ष के नेता अपनी हत्या का संदेह जता रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिये।

प्रखंड कांग्रेस कमेटियों का किया गया पुनर्गठन

- **रांची जिला कांग्रेस कमेटी ने पुनर्गठित प्रखंड कमेटियों में सभी वर्ग-समुदाय के पदाधिकारियों का किया है समावेश**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी प्रखंड कमेटियों को पुनर्गठित किया गया है। भविष्य की राजनैतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा झारखंड में संगठन सृजन अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके तहत रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो द्वारा जिला के सभी 18 प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्षों से प्रखंड कमेटी के पुनर्गठन का प्रस्ताव प्राप्त कर सम्यक जांचोपरांत अनुमोदन किया गया है। अब प्रखंड कमेटियों का स्वरूप बहुत ही छोटा है, जिसमें सिर्फ 12 पदाधिकारियों को ही प्रखंड के संगठन का जिम्मा दिया जा रहा है। पुनर्गठित प्रखंड कमेटियों में सभी वर्ग-समुदाय के पदाधिकारियों का समावेश किया गया है। महिला एवं युवाओं को भी

प्रखंड कमेटी में खास तरजीह दी गई है। इसका निर्णय बीते 02 जून को जिला कमिटी की मासिक बैठक में सभी प्रखंड कमेटियों की मासिक बैठक के आयोजन की तिथियां तय कर दी गई हैं, जिसमें सभी नवनियुक्त प्रखंड पदाधिकारियों को नियुक्ति-पत्र सौंपा जाएगा तथा उन्हें उनकी जिम्मेदारियों की शपथ दिलाई जाएगी। जल्द ही, नवनियुक्त प्रखंड पदाधिकारियों का प्रशिक्षण भी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किया जाएगा।

रांची जिला कांग्रेस कमेटी अपने संगठन को जिला से लेकर बूथ स्तर तक सशक्त और धारदार बनाने की दिशा में अग्रसर है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी और कनेक्ट सेंटर जिला एवं प्रखंड के पदाधिकारियों के संगठनात्मक कार्यों की निगरानी कर रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा- निर्देश पर ही सभी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संगठन सृजन और संविधान बचाओ अभियान को भी बेहतर तरीके से अनुपालन करने का प्रयास जिला कांग्रेस कमेटी लगातार कर रही है। जिला कमेटी अपनी क्षमता एवं प्रदर्शन में बेहतरी करने के लिए लगातार प्रयासरत है। पिछले दिनों प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली में सभी प्रखंडों से बड़ी तादाद में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर रैली को सफल बनाया था। उक्त कार्यक्रम की सफलता से सभी कांग्रेसजन उत्साहित हैं। विधानसभा स्तर पर संविधान बचाओ रैलियों का आयोजन शीघ्र ही किया जाना है, जिसमें पंचायत एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके आयोजन की तिथियां भी जल्द ही जारी की जायेंगी।

खबर एक नजर में

कौशल विकास की दिशा में निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी: अरवा राजकमल

रांची। झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम टाटीसिल्वे में मंगलवार को प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 80 छात्रों ने बेसिक कंप्यूटर एंड इंटरनेट विद फोटोशॉप कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रमाण पत्र प्राप्त किया। समारोह के मुख्य अतिथि उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने युवाओं को कौशल विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ-साथ अनुशासन और मेहनत ही सफलता की कुंजी है। प्राचार्य महेश कुमार गुप्ता ने संस्थान में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और छात्रों की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन टूल रूम के ट्रेनिंग इंचार्ज मंगल टोप्पो ने किया

सीआईपी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रांची। कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ पोलिटेक्निक (सीआईपी) बहाया में मंगलवार को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों व कर्मचारियों को नशीली दवाओं व नशे से सम्बंधित पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावे नशे से मुक्ति के उपाय, पूनर्वास केंद्रों की भूमिका और समाज की भागीदारी आदि विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने नशा नहीं करने व समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली। मौके पर संस्थान के शिक्षक व कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

डीएवी हेहल के छात्रों को जेईई एडवांस्ड में मिली सफलता

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल के छात्रों ने जेईई एडवांस्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष लगभग दस विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इनमें से चार विशेष सफल छात्रों में आयुष कुमार, अर्नब कुमार बनर्जी, किशलय दुबे एवं अनिकेत पॉल शामिल हैं। विद्यालय परिवार इन छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई देता है।यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, आत्मअनुशासन और संकल्प का परिणाम है। विद्यालय के प्राचार्य बिपिन राय ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने जिस प्रकार आत्मविश्वास और समर्पण के साथ यह मुकाम हासिल किया है, वह अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

पूरी किस्त का भुगतान 12 तक करने का लाभुकों को निर्देश

रांची। धुर्वा के आनी में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी भागीदारी में तैयार किफायती लाइट हाउस प्रोजेक्ट के 308 लाभुकों को 12 जून तक पूरी किस्त का भुगतान करने का समय दिया गया है। रांची नगर निगम के सहायक प्रशासक की ओर से ऐसे लाभुकों के लिए मंगलवार को अंतिम नोटिस जारी किया गया है। लाभुकों को निर्देश दिया गया है कि वे डीडी या फिर बैंक ऋण के माध्यम से पूरी किस्त का भुगतान तय समय सीमा में कर दें। इसके बाद उनके द्वारा सहूलियत दिए जाने संबंधी किसी भी आवेदन या अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

रिम्स कॉटेज के अब देने होंगे रोजाना 500 रुपये

रांची। रिम्स में कॉटेज के किराए में दोगुनी वृद्धि की गई है। अब 250 रुपए की जगह अब 500 रुपए चुनाने होंगे। रिम्स प्रबंधन ने कॉटेज के जीर्णोद्धार की योजना भी बनाई है। स्वास्थ्य विभाग के आदेश का इंतजार किया जा रहा है। **क्या है रिम्स के कॉटेज की स्थिति** : रिम्स के ग्राउंड फ्लोर में 7 और प्रथम तल्ला पर 7 कमरे हैं। इसमें दो कमरे वीआईपी के रूप में चि?त हैं। प्रथम तल्ला के 7 कमरे इमरजेंसी वार्ड के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। वहीं, ग्राउंड फ्लोर के 7 कमरे पेइंग वार्ड के रूप में आवंटित किए जा रहे हैं।

मांउट कार्मेट की छात्रा कंचन कावेरी ने जेईई एडवांस परीक्षा पास कर ग्रामीण बच्चों के लिए बनी प्रेरणा

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र की कुच्चू की बीटिया कंचन कावेरी ने जेईई एडवांस परीक्षा में पास कर ओरमांझी प्रखंड का नाम रोशन किया है। कंचन कावेरी रैंक 8971 (ओबीसी) के साथ जेईई एडवांस परीक्षा में सफलता हासिल की है। वह माउंट कार्मेल स्कूल ओरमांझी की पूर्व छात्रा है, और आईसीआईसी 10 बोर्ड परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक के साथ पास कर प्रखंड टॉपर भी हुई थी। वहीं 12वीं में 94 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण होने वाली छात्रा कावेरी कंचन विशेष सुविधा व कोचिंग के बिना जेईई एडवांस में सफल हुई। यह ओरमांझी प्रखंड से किसी भी छात्र का पहली उपलब्धि है। उसके पिता नागेंद्र प्रसाद पीडीएस दुकानदार हैं, वहीं मां रीना देवी गृहिणी हैं। अपनी बेटी की सफलता पर माता-पिता व स्वजन काफी खुश हैं। वहीं विद्यालय मांउट कार्मेल ओरमांझी के निदेशक फादर दीपक व प्राचार्या सिस्टर केसी ने भी छात्रा को बधाई देते हुए कहा कंचन कावेरी की जेईई एडवांस में सफलता ग्रामीण क्षेत्र के अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा होगी। इसके अलावे राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, पूर्व सांसद रामटहल चैधरी, जिप सदस्य सरिता देवी, पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, शौंडिक संघ के अध्यक्ष अमित राज, सचिव राजधाम साहू, कोषाध्यक्ष अजय साहू, उपाध्यक्ष कुंदन साहू, दीपक साहू सहित क्षेत्र के कई लोगों द्वारा खुषी जताते हुए बधाई दी है, और सभी ने ओरमांझी प्रखंड के लिए उपलब्धि बताया।

11 हजार विद्युत तार की चपेट में आने से युवक की मौत

कोडरमा। थाना क्षेत्र अंतर्गत छतरबर गांव में बीती रात एक व्यक्ति के 11 हजार विद्युत तार की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। मृतक की पहचान छतरबर गांव निवासी 41 वर्षीय शंकर गुप्ता पिता स्व. बिनोद साव के रूप में की गई है। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के भतीजे अक्षय कुमार गुप्ता ने बताया कि शंकर साव की जान बिजली विभाग की लापरवाही से गई है। उक्त हाई टेंशन तार उनके घर के छत के ऊपर से ही गया हुआ है, जो छत से काफी कम ऊंचाई पर है।

राजभवन के समक्ष जेएलकेएम का महाधरना कल : देवेन्द्र नाथ महतो

- **बूटी मोड़ से राजभवन तक निकाली जायेगी खतियानी पदयात्रा**
- **रैंप विवाद को लेकर झारखंड बंद को जेएलकेएम का नैतिक समर्थन**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष आंदोलनकारी देवेन्द्र नाथ महतो ने सामूहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आदिवासी बचाओ मोर्चा द्वारा आहूत 4 जून के झारखंड बंद को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा नैतिक समर्थन करता है। साथ ही उनकी सभी मांगों को पूरा करने का झारखंड सरकार से मांग करता है। झारखंड अलग राज्य आंदोलन में बड़ी संख्या में आदिवासियों की शहादत हुई है। वर्तमान में आदिवासी मुख्यमंत्री हैं, उनकी सभी मांगों को पूरा करें। महतो ने बताया कि विगत 15 मई को दुमका से खतियानी पदयात्रा की शुरुआत की गयी है, जो विभिन्न क्षेत्र होते हुए 570 किमी दूरी तय करते हुए 5 जून को रांची राजभवन पहुंचेगी। अंतिम दिन 5 जून को राजभवन के समक्ष खतियानी महाधरना का आयोजन किया जाएगा।

मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो ने महाधारना में सम्पूर्ण झारखंड विशेषकर रांची जिला और रांची लोकसभा क्षेत्र से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि झारखंडियों की पहचान खतियान आधारित स्थानीय नीति, झारखंडियों के अधिकार खतियान आधारित नियोजन नीति, उद्योग नीति, विस्थापन नीति, पुनर्वास नीति लागू कर अबुआ राज स्थापित होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

मई 2025 में कोयला उत्पादन में वृद्धि दर्ज

- **कोयला उत्पादन में यह वृद्धि देश के कुल कोयला उत्पादन में कैप्टिव/कमर्शियल खनन के बढ़ते योगदान को दर्शाती है।**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। देश के कोयला उत्पादन और प्रेषण में मई 2025 में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगातार वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि कोयला मंत्रालय के इस क्षेत्र में निरंतर आपूर्ति और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

मई 2025 के दौरान देश में कुल कोयला उत्पादन 86.24 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में उत्पादित 83.96 मीट्रिक टन से अधिक है। मई 2025 के दौरान कैप्टिव/ वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन 16.93 मीट्रिक टन (अनंतिम) रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 13.83 मीट्रिक टन से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। कोयला उत्पादन में यह वृद्धि देश के कुल कोयला उत्पादन में कैप्टिव/कमर्शियल खनन के बढ़ते योगदान को दर्शाती है।

31 मई 2025 तक कोयला कंपनियों के मौजूदा कोयला भंडार में 29.18 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 94.98 मीट्रिक टन की तुलना में 122.69 मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह वृद्धि देश भर में कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रमाण है।

कोयला मंत्रालय सतत विकास, कोयले की उपलब्धता में सुधार लाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोयला क्षेत्र सकारात्मक गति के साथ देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

156वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 156वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। शंकर सुवन केसरी नंदन तेज प्रताप महा जग वंदन के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। शिवेंद्र प्रताप सिंह ने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया । शिवेंद्र प्रताप सिंह ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपमंत्री अनिल नारनौली शिवेंद्र प्रताप सिंह वंदना धवल श्वेता देवीशा सिंह अंकित सिंह कृष्णा अग्रवाल हर्ष कुमार सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

159वां श्री श्याम भंडारा : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 159 वा श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया । अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी ने सभी धर्म प्रेमीयो को आर्मंत्रित किया है।

उपरुक्त जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

प्रदेशव्यापी कलमबंद हड़ताल जारी : प्रदेश अध्यक्ष

- **कृषक मित्रों ने मानदेय की मांग को लेकर पूरे राज्य में सौंपा ज्ञापन**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश भर में कृषक मित्रों ने अपनी वर्षों पुरानी मांगों को लेकर मंगलवार को उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा। यह अभियान प्रदेश कमेटी के निर्देशानुसार राज्यपाल, कृषि मंत्री और संबंधित जिला उपायुक्तों को संबोधित ज्ञापन के माध्यम से चलाया गया। राजधानी रांची समेत सभी जिलों में यह ज्ञापन कार्यक्रम एक साथ आयोजित हुआ। इस मौके पर कृषक मित्र महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार भगत ने बताया कि राज्य के हजारों कृषक मित्र बीते 15 वर्षों से आत्मा परियोजना के तहत कृषि विभाग के अलावा सहकारिता, पशुपालन, उद्यान, गव्य विकास, मत्स्य, आपदा प्रबंधन, मनरेगा, स्वास्थ्य, योजना बनाओ अभियान, ई-केवाईसी, केसीसी, मिप्ती जांच और चुनाव कार्य जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में लगातार योगदान दे रहे हैं। इतने वर्षों की सेवा के बावजूद आज तक हमारे लिए कोई समुचित और सम्मानजनक मानदेय निर्धारित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यभर में कृषक मित्र पिछले आठ दिनों से कलमबंद हड़ताल पर हैं, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह लड़ाई अब आर-पार की होगी। सरकार केवल आश्वासन देकर हमें बहला नहीं सकती। अगर जल्द वार्ता कर समाधान नहीं निकाला गया, तो आंदोलन और भी उग्र किया जाएगा।

उन्होंने आगाह किया कि यदि यह हड़ताल जारी रही, तो खरीफ मौसम में किसानों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। बीज वितरण, मिट्टी जांच, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी आवश्यक सेवाएं पूर्णतः बाधित हो चुकी हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव से पूर्व तत्कालीन कृषि मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने यह वादा किया था कि सरकार बनते ही कृषक मित्रों को मानदेय देना उनकी प्राथमिकता होगी, लेकिन सरकार बनने के बाद भी यह वादा अब तक केवल आश्वासन बनकर रह गया है। श्री भगत ने सरकार से जल्द से जल्द वार्ता कर इस मुद्दे का समाधान निकालने की मांग की और कहा कि कृषक मित्र अब और अधिक इंतजार के मूड में नहीं हैं।

नेशनल ताइकांडो चैंपियनशिप में झारखंड की कहकशा आफरिन ने जीता गोल्ड

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। उड़ीसा के जवाहर लाल नेहरू इनडोर स्टेडियम कटक में 30 मई से 01 जून तक आयोजित 9वां नेशनल ताइकांडो (ओपन क्यूरूगी एवं पूमसे) चैंपियनशिप में झारखंड की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए ओरमांझी की बेटियों ने शानदर प्रदर्शन किया है। प्रखंड के इरबा गांव की रहने वाली हाई स्कूल ओरमांझी की कहकशा आफरिन ने गोल्ड जीत कर झारखंड व ओरमांझी प्रखंड का नाम रोशन किया है। इसके अलावे उसी स्कूल की छात्रा व सुदूरवर्ती गांव गगारी की काजल कुमारी रजत, शिवानी कुमारी व डीएवी चैतन्या ओरमांझी की छात्रा कुसुम प्रिया को कांस्य पदक मिला है। इसकी जानाकरी देते हुए टीम के कोच सकील अंसारी ने बताया यह चैंपियनशिप ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कराया गया था। इस चैंपियनशिप में झारखंड से चार खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया था और चारों ओरमांझी के स्कूलों की 9वीं व 10वीं कक्षा की छात्राएं हैं। चारों पदक जीतने में सफल रहे। सभी को कोच सकील अंसारी द्वारा ही ताइक्वांडो का प्रक्षिण दिया गया है। इन छात्राओं को झारखंड युनाइटेड ताइकांडो के अध्यक्ष जमील अंसारी, कोच शाहनवाज अंसारी, अबु अब्बास अली, जयपाल महतो, इबरार कुरैशी, मनीषा मुंडा, विकास तिर्की, खुशी तिर्की, खुशबू कुमारी, मोहित मुंडा सहित ओरमांझी प्रखंड के कई लोगों द्वारा बधाई दी गई है।

रिम्स के ए ब्लॉक की तरफ जाने वाली लिफ्ट में फंसे बच्चे, दो घंटे की मशक्कत के बाद निकले

रांची। रिम्स की पुरानी बिल्डिंग में ए ब्लॉक की तरफ जाने वाली लिफ्ट में दो बच्चे करीब दो घंटे तक फंसे रहे। बच्चों में एक मरीज और दूसरा उसका भाई था, जो इलाज के लिए लिफ्ट से ऊपर जा रहे थे। लिफ्ट फंसने की सूचना रिम्स प्रबंधन को दी गई, लेकिन किसी भी स्तर पर तत्काल सहायता नहीं मिली। परिजनों और मौजूद लोगों ने कई बार लिफ्ट ऑपरेटर, टेक्नीशियन और इमरजेंसी नंबरों पर कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। करीब दो घंटे की मशक्कत और अफरा-तफरी के बाद बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना ने रिम्स की सुरक्षा और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रांची जिले के 2.14 लाख वृद्ध-असहाय लाभुकों को मिल रहा पेंशन का लाभ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सामाजिक सुरक्षा के तहत दिये जानेवाले पेंशन से असहायों को बहुत बड़ी राहत मिल रही है। इस योजना का लाभ सिर्फ बुजुर्गों और निराश्रित महिलाओं को नहीं, बल्कि समाज के दूसरे उपेक्षित वर्ग थर्ड जेंडर और एचआईवी/एड्स पीड़ितों को भी इसका लाभ मिल रहा है। रांची जिला प्रशासन ने मई 2025 तक की पेंशन राशि लाभुकों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से भेज दी है। यह पहल न सिर्फ सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि प्रशासनिक व्यवस्था किस तरह समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की दिशा में काम कर रही है। आंकड़ों की मानें तो 2 लाख 14 हजार 350 लाभुकों को इस योजना का लाभ मिला है। प्रत्येक लाभुक को 1,000 रुपए की मासिक सहायता दी जा रही है, जो उनके जीवन यापन में महत्वपूर्ण सहारा बन रही है।

झारखंड सरकार द्वारा संचालित यह योजना समाज के कमजोर, बेसहारा और वृद्धजनों को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। इसके तहत लाभुकों को हर महीने 1,000 रुपए की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हो जाती है और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

रांची जिला प्रशासन का कहना है कि इस योजना से जुड़ी प्रक्रिया को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है, ताकि कोई पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रह जाए। इन योजनाओं का लाभ महिलाओं, बुजुर्गों, जनजातीय समुदायों, एचआईवी/एड्स पीड़ितों और थर्ड जेंडर समुदाय तक पहुंचाने के लिए विभाग सक्रियता से काम कर रहा है। रांची जिले में लाभ पाने वालों में सबसे ज्यादा संख्या वृद्धजनों की है।

थर्ड जेंडर और एड्स पीड़ितों को भी मिल रहा लाभ

वृद्धावस्था पेंशन 1,66,180 लाभुक, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना- 47,424 महिलाएं, मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना- 335 लाभुक, एचआईवी/एड्स पीड़ित सहायतार्थ पेंशन योजना- 404 लाभुक और मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा योजना (थर्ड जेंडर) के 7 लाभुक

श्रेणियों के अनुसार आंकड़े इस प्रकार हैं- मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना- 1,66,180 लाभुक, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना- 47,424 महिलाएं, मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना- 335 लाभुक, एचआईवी/एड्स पीड़ित सहायतार्थ पेंशन योजना- 404 लाभुक और मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा योजना (थर्ड जेंडर) के 7 लाभुक शामिल हैं।

यह पहली बार है जब प्रशासन ने थर्ड जेंडर समुदाय को भी इस योजना में सक्रिय रूप से शामिल किया है। हालांकि संख्या फिलहाल कम है लेकिन यह एक प्रगतिशील कदम माना जा रहा है। यह दर्शाता है कि सरकार अब हर उस वर्ग की पहचान कर रही है जिसे अब तक योजनाओं के दायरे से बाहर रखा गया था।

पारदर्शिता और समयबद्धता बनी प्राथमिकता

पेंशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए जिला प्रशासन विशेष तौर पर फोकस कर रहा है। डीबीटी प्रणाली के जरिये भुगतान सीधे लाभुकों के बैंक खातों में किया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म हो गई है।

समाज सामाजिक सुरक्षा शाखा के सहायक निदेशक रवि मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य योजना के तहत मई 2025 तक का भुगतान पूरा कर लिया गया है। वहीं केंद्र प्रायोजित योजनाओं में से एक योजना में फरवरी और दूसरी योजना में मार्च तक का भुगतान किया गया है। मार्च के बाद की राशि अब तक राज्य को आवंटित नहीं हुई है, जिस कारण अगली किस्त लंबित है।

ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में समान फोकस

रांची जिला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि योजना का लाभ केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहे। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले वृद्ध, महिलाएं और अन्य पात्र लाभुकों को भी योजना से जोड़ने के लिए आधार सत्यापन, बैंक खाता लिंकिंग और ग्राम स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया है। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण पेंशनधारी योजना से जुड़े हैं।

अधिक से अधिक पात्रों को जोड़ने की योजना

प्रशासन की योजना है कि आगे और भी अधिक पात्र लाभुकों को चिन्हित कर उन्हें योजना से जोड़ा जाए। साथ ही थर्ड जेंडर समुदाय की भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में भी विशेष प्रयास किए जाएंगे। सरकार की मंशा है कि कोई भी ऐसा व्यक्ति जो वास्तव में पात्र है, वह इस सहायता से वंचित न रहे।

खाद्य सुरक्षा टीम के अधिकारियों की कमड़े में छापेमारी

भारी मात्रा में नकली सॉस जब्त, मालिक फरार

- बगैर लाइसेंस चल रहा फैक्ट्री
- आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी

खबर मन्त्र संवाददाता

नकली सॉस की जांच करते सुधीर रंजन।

रातू। सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा की टीम के अधिकारियों ने मंगलवार की शाम कमड़े ऊपरटोला में छापेमारी कर नकली सॉस फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुये कार्टून में बंद पांच हजार सॉस जब्त किया है। टीम के आने की भनक लगते ही मालिक रबींद्र साहू फरार हो गया। विभाग के जिला अधिकारी सुधीर रंजन ने बताया कि फैक्ट्री का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है। यहां सेवन स्टार समेत अन्य नामी-गिरामी कंपनी के ब्रांड रैपर का चोरी-छिपे इस्तेमाल कर टमाटर, चिल्ली व सोया सॉस आदि बना उसकी पैकेजिंग कर बाजार में बेचे जाते हैं। इसकी क्वालिटी भी घटिया किस्म की है। इसके सेवन से बच्चे-बच्चियां व महिलायें गंभीर बीमारी के शिकार हो सकते हैं। श्री रंजन ने बताया कि फैक्ट्री का कोई लाइसेंस नहीं है और न ही बोर्ड लगा है। उन्होंने जानकारी दी कि फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। पकड़े गये नकली सॉस की जब्ती सूची बना आरोपी के खिलाफ रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। मौके पर विभाग के सहायक जिला अधिकारी शिवनंदन यादव, पुलिस पदाधिकारी नाजरा खातून, मंटू सिंह व सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे।

मजदूरों में मचा हड़कंप

छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में काम कर रही सात महिला मजदूरों में हड़कंप मच गया। जैमिनी देवी, लाली देवी, रानी देवी, मंजू देवी, रीना देवी, मीना देवी, सरिता देवी काफी भयभीत दिखीं। उन्होंने अधिकारियों के समक्ष मुंह खोलने से बचती नजर आयी। वह मालिक का नाम बताने को भी तैयार नहीं थी। उनका कहना था कि वह पंडरा से आते हैं। इसके अलावा उन्हें उनके बारे कोई जानकारी नहीं है। सभी महिलाएं अलग-अलग जगह की हैं।

झारखंड बंद समर्थन में मशाल जुलूस

ओरमांझी में निकाली मशाल जुलूस में शामिल लोग।

ओरमांझी। झारखंड बंद का समर्थन में मंगलवार को आदिवासी संगठनों द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया। आदिवासी सरना समिति व आदिवासी युवा मोचा द्वारा निकली मशाल जुलूस में शामिल आदिवासी समाज लोग सरना झंडा व मशाल लिए झारखंड सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थें। बताया सिरमटोली रैंप निर्माण को लेकर बुधवार को आदिवासी संगठनो द्वारा आहूत झारखंड बंद से पूर्व, आज समर्थन में मशाल जुलूस निकाली गई है। सुरेष मुंडा व दुबेश्वर बेदिया ने कहा झारखंड सरकार द्वारा आदिवासियों का मुख्य सरना स्थल सिरम टोली में जबरन रैंप उतारने का प्रयास की जा रही है। झारखंड सरकार के इस कार्य से आदिवासी समाज काफी आहत हैं। वर्तमान समय में झारखंड के आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है। आदिवासियों समाज पड़ताड़ित हो रहे हैं, और राज्य सरकार व प्रशासन चुप है। जिसे देखते हुए आदिवासी सरना समाज झारखंड बंदी का समर्थन करने का निर्णय लिया है। मशाल जुलूस में अशोक मुंडा, सुरेष मुंडा, सिकंदर मुंडा, भीम मुंडा, समुद्र पहान, कामश्वर बेदिया, बालकिशोर मुंडा, उदित मुंडा दीपक मुंडा दुबेशवर बेदिया सहित कई लोग शामिल थें।

नाली निर्माण को लेकर क्रमबद्ध होगा आंदोलन

राहे। प्रखंड के धोबी मुहल्ला राहे में अत्यधिक जल जमाव से ग्रामीणों को हो रही परेशानी की जानकारी पर जेएलकेएम के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो मुहल्ले के लोगों से बैठक कर रण नीति बनाई है। मुहल्ले में जल जमाव और पानी निकासी की मांग को लेकर प्रखंड,अंचल ओर डीसी के समक्ष मांगपत्र देने की बात हुई। मांग पूरी नहीं होने की स्थिति में प्रखंड कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। मुहल्ले में जल जमाव होने के साथ बारिश में पूरे मुहल्ले को डूबने का खतरा मंडरा रहा है। समय रहते समाधान करने पर राहत मिलेगी।

सड़क दुर्घटना में एक बृद्ध जख्मी

मांडर। रांची मेदिनीनगर मुख्य पथ पर मांडर बाजार टांड़ के निकट सड़क हादसे में हाजी अख्तर अंसारी 65 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गये। बताया जाता है कि मांडर बाजार टांड़ के डेला निवासी अख्तर अंसारी मांडर जाने के लिए पैदल ही सड़क पार कर रहे थे, इसी दौरान रांची की ओर जा रहे बाइक सवार युवकों ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

CCL Fuelling Sustainable Growth
सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
"एक मिनीरत्न कंपनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी)

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/ संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, www.centralcoalfields.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध हैं । इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती हैं ।

Office of Civil Surgeon Cum Chief Medical Officer,Ranchi
(Department of Health and Family Welfare)
Letter No 2174 Date – 02-06-25

EXPRESSION OF INTEREST (E.O.I)

Sadar Hospital, Ranchi is one of the premier govt. hospital in the state and India. The institute provides free medical services under AB-MMJAY and other govt. schemes. Expression of Interest (E.O.I) is invited for Specialist Medical officer's for providing specialized services at Sadar Hospital Ranchi.

Sl.No	Name of Post	Min Qualification	No. of Posts	Emoluments
1	Anasesthiologist	1. MD /Diploma/DNB in Anesthesia 2. Minimum experience of 1 year in a 50 beded hospital.	2	Negotiable/ (case basis)
2	Nuero Physician	1. DM/DNB in Neurology 2. Minimum experience of 1 year in a 50 beded hospital.	1	Negotiable/ (case basis)
3	Nephrologist	1. DM /DNB in Nephrology 2. Minimum experience of 1 year in a 50 beded hospital.	2	Negotiable/ (case basis)
4	Radiologist	1. MD/ DNB/ DMRD in Radiology 2. Minimum experience of 1 year.	2	Negotiable/ (case basis)
5	General Surgeon	1. M.S/DNB in General Surgery 1. Minimum 1 year in a 50 beded hospital	2	Negotiable/ (case basis)
6	Orthopedic Surgeon	1. M.S/DNB/Diploma in Orthopedics 1. Minimum 1 year in a 50 beded hospital	3	Negotiable/ (case basis)
7	Nuero Surgeon	1. M ch. / DNB in Neuro Surgery 2. Minimum 1 year in a 50 beded hospital	2	Negotiable/ (case basis)
8	Pulmonologist	1. DM /DNB in Pulmonary Medicine 3. Minimum 1 year in a 50 beded hospital	1	Negotiable/ (case basis)
9	Plastic Surgeon	1. M ch. / DNB in Plastic Surgery 2. Minimum 1 year in a 50 beded hospital	1	Negotiable/ (case basis)
10	Maxillofacial Surgeon	1. MDS 2. Minimum experience of 1 year. 3. Candidate with higher qualification will be given preference for the post.	1	Negotiable/ (case basis)
11	Hepatologist	1. DM in Hepatology 2. Minimum 1 year in a 50 beded hospital	1	Negotiable/ (case basis)
12	General Duty Medical officer (GDMO)	1. MBBS 2. Minimum experience of 1 year. 3. Candidate with higher qualification will be given preference for the post.	2	63,000/-

Terms and Conditions
Relevant documents and information can be seen and downloaded from www.sadarhospital.com
- The desirous candidates having requisite qualifications and fulfilling other eligibility conditions may come for appearing in **walk-in-interview** along with filled application on prescribed format and all the certificates in original in support of their qualification, experience in **Civil Surgeon Conference Hall, Sadar Hospital Campus, Puruliya Road Ranchi – 834 001 at 10.30 AM on June 12th 2025.**
- No TA/DA will be paid to candidates attending the interview.
- Chairman, Hospital Management Society,Sadar Hospital Ranchi will have the sole authority to accept or reject any application, if he is satisfied with the cause to do so, without assigning any reason thereof.
- Maximum age of applicant will be not more than 50 yrs as on 31-05-2025 .
- Candidate with higher qualification will be given preference for the post.
- The above meintioned post can be increased or decreased.
- This is a contractual position under Ayuhman Bharat - Hospital Management Society, Sadar Hospital Ranchi initially for the period of 1 year. Extension post expiry of initial period will be the sole discretion of the Ayuhman Bharat - Hospital Management Society, Sadar Hospital, Ranchi.

Deputy Supritendent, Sadar Hospital, Ranchi
Civil Surgeon Cum Chief Medical Officer, Ranchi
PR 354151 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)D

चलती ट्रेन से उतरने के क्रम में रेल यात्री घायल

सिल्ली। सोनाहातू थाना क्षेत्र अंतर्गत उल्लीडीह गांव निवासी जीतमोहन कोईरी(55) सोमवार के दिन संध्या लगभग 6 बजे सिल्ली स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरने के क्रम में घायल हो गए। घायल व्यक्ति ने बताया कि वह बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर ट्रेन से रांची से सिल्ली आ रहा था और वह मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा था एवं सिल्ली स्टेशन में ट्रेन रुकी और वह उतरने से चूक गया। इसी क्रम में ट्रेन चल पड़ी और वह जल्दबाजी में उतरने की कोशिश किया परंतु उसका संतुलन बिगड़ जाने के कारण वह गिरकर घायल हो गया।

चान्हो में दिव्यांग शिविर का आयोजन किया

चान्हो। प्रखंड परिसर में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। उपायुक्त के निर्देश पर जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में जांच के लिए 223 लोग पहुंचे थे, जांचोपरांत 198 लोगों का दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत हेतु फॉर्म ऑनलाइन कर अग्रेत्तर कार्रवाई के लिए अग्रसारित किया गया। बीपीएम श्यामेंद्र कुमार अभिषेक ने बताया कि सदर अस्पताल से आई टीम में शामिल डॉ विजय बाखला, डा अंशु टोप्पो और डॉ प्रिया ने आंख, नाक, कान तथा शरीर के अन्य हिस्से से दिव्यांग और मानसिक रूप से कमजोर लोगों की जांच की और उन्हें उपयुक्त प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए अनुमोदित किया।

जमीन अधिग्रहण को लेकर आम सभा आयोजित

राहे। प्रखंड सभागार में गुरुवार को जिला भू अर्जन पदाधिकारी के निर्देश पर सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रण हेतु आम सभा का आयोजन किया गया। आमसभा में जिला भू अर्जन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारी पंकज सिंहा, दुबराज केरकेट्टा, मनोज सिंहा और आशीष कुमार मौजूद रहे। इन्होंने बताया कि कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल रांची ग्रामीण के पत्राचार के आलोक में बुंडू-राहे-बंता पथ परियोजना में बाईपास सड़क निर्माण कार्य किया जाना है। जिसमें बुरूडीह, डोमनडीह, खाटंगा, महेशपुर, पुरानानगर, कुबाडीह, होटलो मौजा में जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। उसी के आलोक में ग्रामीणों को जमीन अधिग्रहण से संबंधित जमीन का खाता नंबर बताया गया। जमीन के रैयतों के सहमति पत्र पर ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

पिठोरिया में अवैध बालु की ढुलाई खुलेआम जारी

पिठोरिया। पिठोरिया थाना क्षेत्र में बालू माफियाओं द्वारा खुलेआम अवैध बालु की ढुलाई जारी है। माफियाओं का आतंक इतना है कि इन लोगों को ना ही पुलिस महकने की कोई डर है और ना ही किसी पत्रकार बंधु का। सूत्रों की माने तो ये माफियाओं को पुलिस प्रशासन से लेकर उपर तक सेटिंग की बात कही जाती है। इन बालू माफियाओं का आतंक का अजब नजारा तब देखने को मिला जब एक पत्रकार द्वारा बालू की अवैध धुलाई का खबर कवरेज करने पहुंचने पर पिठोरिया चौक में पुलिस के सामने बालू माफियाओं ने पत्रकार विजय गोप पर जानलेवा हमला कर दिया फिर पुलिस प्रशासन और बालू माफियाओं के पहल पर पिठोरिया चौक में ही मामले की सुलह के लिए पंचनामा होने लगी पर घायल पत्रकार विजय गोप ने इस जानलेवा हमले की घटना को थाने में मामला दर्ज कराकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई। इस मामले की सूचना मिलते ही पत्रकारों की टीम भी पिठोरिया पुलिस प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई साथ ही क्षेत्रीय पत्रकार संघ ने इस घटना की घोर निंदा की।

बुद्धा नर्सिंग कॉलेज के 92.3 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

रातू। रांची विश्वविद्यालय की ओर से बेसिक बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर (2022-2026) परीक्षा 2023 का परीक्षा परिणाम सोमवार को जारी किया गया। इसमें जैनेन्द्र ग्रुप ऑफ कॉलेज द्वारा संचालित बुद्धा नर्सिंग कॉलेज, बिजुलिया के 92.3 प्रतिशत छात्रों ने बाजी मारी। बताते चलें कि जैनेन्द्र ग्रुप ऑफ कॉलेज की ओर से नर्सिंग, पारामेडिकल, फामेर्सी व आईटीआई कोर्स पिछले नौ वर्षों से संचालित की जा रही है। इधर, बेहत्तर रिजल्ट आने से कॉलेज के छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित हैं। मिठाई बांट खुशी का इजहार किया गया। छात्रों ने एक दूसरे को बधाई दी। प्रबंध निदेशक जैनेंद्र कुमार तथागत तथा प्रबंधन की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

ठाकुरगांव। दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद व आत्मा रांची के तत्वाधान में मंगलवार को बुढ़मू प्रखंड के छह गांवों में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ रविंद्र कुमार सिंह, डॉ नेहा राजन ने धान के उन्नत किस्मों, मूंग की खेती, प्राकृतिक तरीके से सब्जी खेती करने की जानकारी दिया। वहीं डॉ प्रियंका साकरे व शुक्ला सरकार ने किसानों से लाह की खेती, नर्सरी में बागवानी उत्पादन के प्राकृतिक खेती व इससे लाभ की विस्तृत जानकारी दिया। मौके पर प्रखंड के खखरा, बरौदी, भाटबोडेया, मक्का, उलातु, सिरम में 800 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही किसानों के बीच मृदा कार्ड का भी वितरण किया गया।

आकर्षक छऊ नृत्य के साथ सुसारी पर्व संपन्न

राहे। प्रखंड का प्रसिद्ध सुसारी पर्व राहे गांव में मंगलवार सुबह फूलखुदी अनुष्ठान के साथ संपन्न हुआ। इसके पूर्व सोमवार की रात सुसारी को माता काली के भेष में श्मशान से शिव मंदिर तक लाया गया। उसके बाद बंगाल के प्रसिद्ध छऊ नृत्य दल के द्वारा रात भर नृत्य का आयोजन किया गया। छऊ नृत्य कलाकारों ने धार्मिक ग्रन्थो पर आधारित कहानी का नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। छऊ नृत्य आयोजन में लोगों की काफी भीड़ रही। पर्व का आयोजन राहे सोलह आना समिति के द्वारा वर्षो से किया जाता रहा है। आयोजन में समिति के मनोज चटर्जी, सुरेंद्र प्रजापति, कमलाकांत सिंह, सुशांत सिंह, सुधीर दास, सहित समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मनरेगा कमिश्नर ने किया योजनाओं का निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी में योजनाओं का निरीक्षण करते मनरेगा कमिश्नर।

ओरमांझी। मनरेगा कमिश्नर मृत्युंजय कुमार बरनवाल मंगलवार को ओरमांझी प्रखंड में चल रहे मनरेगा योजनाओं को निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होने प्रखंड के चाडु पंचायत में चल रहे विभिन्न मनरेगा योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। इसके अलावे उन्होने जोबला के मनरेगा पार्क, आम बागवानी, सिंचाई कूप, नाडेप योजना व अबूवा आवास योजना को भी देखने पहुंचें। उन्होने आपपास के ग्रामीण किसानों से बात कर योजनाओं के संबंध में जानाकरी ली, कहा सरकार द्वारा पंचायती राज्य व्यस्था को सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया गया है। जॉब कार्ड के माध्यम से गांव के लोग मनरेगा योजना में काम मांग सकते हैं। कर एक वर्ष में 100 दिन काम अपने पंचायत में ही कर सकतें हैं। कहा आम जनता आत्मनिर्भर, स्वालंबन, स्वरोजगार से जुड़े योजनाओं का लाभ लेकर अपना जीविका उपार्जन कर सकता है। मुख्यमंत्री पशुधन योजना, दुधारू पशु शेड, मुर्गी शेड, सुकर शेड, बकरी शेड, नाडेप निर्माण, बिरसा हरित योजना, बिरसा मिश्रित बागवानी, बिरसा सिंचाई कूप निर्माण जैसे सरकार द्वारा विभिन्न तरह के योजनाएं आम जनता के लिए चालू कर रखा है। इन योजनाओं का लाभ उठा लोग रोजगार से जुड सकतें है। वहीं अपना आर्थिक स्थित भी सुधार सकतें है। मौके पर बीडीओ कामेश्वर बेदिया, जिला परियोजना पदाधिकारी मनरेगा ऋतु राज, सहायक अभियंता प्रदीप कुमार दास, कनिया अभियंता रणजीत कुमार वर्मा, रविरंजन कुमार, ओमप्रकाश उरांव, पंचायत सचिव राहुल कुमार, रोजगार सेवक रमन कुमार बीपीओ दीप माला तिर्की आदि उपस्थित थें।

केंद्रीय टीम पहुंची चटकपुर, नल-जल योजना की धीमी गति पर जतायी नाराजगी

नल-जल योजना की जानकारी लेती केंद्रीय टीम।

रातू। केंद्रीय जल जीवन मिशन के तहत जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक मंगलवार को चटकपुर पंचायत में हुयी। इसमें योजना की समीक्षा की गयी। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित केन्द्रीय जल जीवन मिशन की नोडल पदाधिकारी ऋचा पांडेय ने नल जल योजना की धीमी गति पर नाराजगी जतायी। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को इसके लिये जरूरी निर्देश दिये। वहीं, ग्रामीणों ने टीम के सदस्यों को योजना क्रियान्वयन के लचर स्थिति से अवगत कराया। टीम ने योजना की भौतिक जांच भी किया। मौके पर मिशन के नोडल पदाधिकारी राकेश बंसल, कार्यपालक अभियंता आनंद कुमार, एसडीओ प्रेमकुमार महतो, कनीय अभियंता विजय कुमार सिंह, भरत शर्मा, रोहित राज, मुखिया विक्की लोहरा, लीला तिर्की, पंचायत समिति सदस्य राकेश कुमार व ग्राम प्रधान नवल किशोर कश्यप समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

विधायक ने सुनी जनता की समस्या

राहे। प्रखंड परिसर में मंगलवार को विधायक अमित कुमार महतो द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष अपनी समस्या रखीं। सड़क, पानी, बिजली, राशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पेंशन तथा मनरेगा से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से विधायक के समक्ष रखी गई। विधायक ने समस्याएं गंभीरता से सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। भूमि विवाद से जुड़े मामले को अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुखिया और वार्ड सदस्यों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी प्रखंड सभागार में मंगलवार को मुखिया और वार्ड सदस्यों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रखंड प्रशासन और आशा संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड के पांच पंचायत के मुखिया और वार्ड सदस्यों ने भाग लिया। मौके पर अजीम प्रेमजी के मुख्य प्रशिक्षक गुरजीत सिंह ने कहा कि मुखिया व वार्ड सदस्यों का प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण पहल है जो उन्हें उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करता है। साथ ही उन्हें 73वाँ संशोधन और जेपीआरए, पेसा, जीपीईसी, जीपीसीसी और अन्य प्रावधानों से अवगत कराया गया। वहीं आशा संस्था के सचिव अजय जायसवाल ने कहा कि ग्राम पंचायत जनता को लाभ पहुंचाने का एक सेंटर प्वाइंट है जहां आम जनता को सभी तरह के लाभ सरल ढंग से प्राप्त हो सकता है, साथ ही कहा कि जागरूकता से ही बढ़ेगी विकास कार्यों में भागीदारी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अजीम प्रेमजी के कैलाश कांडपाल, प्रखंड समन्वयक सनी बाखला, पंचायती राज विभाग, आशा संस्था के अधिकारी, पंचायत समन्वयक सहित अन्य मौजूद थे।

बेड़ो व बारीडीह में पड़हा जतरा का आयोजन

पड़हा जतरा हमारी सामाजिक सांस्कृतिक धरोहर है: शिल्पी

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। पड़हा जतरा हमारी सामाजिक व सांस्कृतिक धरोहर है। इसे अक्षुण्ण बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। यह बातें कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहीं। वे चाला जनजातीय विकास संस्था जरिया बेड़ो के तत्वावधान व सांस्कृतिक कार्य निदेशालय झारखंड सरकार के प्रायोजन में मंगलवार को बेड़ो बाजार टांड़ में आयोजित 59 वां वार्षिक पड़हा जतरा महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि पड़हा व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने में महोत्सव के संस्थापक स्व करमचंद भगत के योगदानों को भूलाया नहीं जा सकता। उन्होंने पड़हा प्रेमियों से पड़हा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुख्य संरक्षक सह पूर्व कुलपति डॉ रवीन्द्र नाथ भगत ने कहा कि पड़हा जतरा महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदाय के बीच सामाजिक समरसता,मेल प्रेम, भाईचारा व आपसी सहयोग को अक्षुण्ण बनाए रखना है। शिक्षा के बगैर समाज का विकास नहीं हो सकता। पड़हा जतरा हमारी सामाजिक समरसता, शांति, सामाजिक सदभावना व सांस्कृतिक मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखने का अनमोल संदेश देती है। इसका विकास कार्निवाल के रूप में किया जाएगा। यह महोत्सव के संस्थापक स्व करमचंद भगत के लंबे सामाजिक व राजनीतिक जीवन का मूलमंत्र था। वहीं समारोह में पद्मश्री मुकुंद नायक, मधु मंसूरी, महावीर नायक, समेत दर्जनों कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर जनमानस को बांधे रखा। इसके पूर्व मुख्य संरक्षक डॉ रवीन्द्र नाथ भगत के नेतृत्व में पड़हा राजाओं ने पड़हा निशान हाथी, घोड़ा, बाघ, रंपा चंपा, मगरमच्छ, तेंगरा छाता, ढोल, ढाक, मांदर, नगाड़ा, दर्जनों खोड़हा टीम व परंपरागत नाच गान के साथ एक शोभायात्रा निकाली गई। जो तेतरटोली से शुरू होकर बेड़ो बाजार टांड़ व महावीर चौक बेड़ो की परिक्रमा करते हुए सीधे रंगमंच पर पहुंच कर एक समारोह में बदल गया।

Affidavit

The Notary Public Lohardaga
Affidavit Ref. No.17400
I, Durga Kumar son of Chhuna Mahto, village-Bhitha, Post-Bhitha, P.S. Bhandra, District- Lohardaga (Jharkhand) do hereby affirm and declare as under:-
1. That I am the permanent resident of above mentioned address.
2. That I have obtained my UID Card No. 8630 9221 2851 in which my name is written as Durga Kumar which is correct.
3. That I am D/L holder vide D/L No. JH08 20090002324 in which my name is written as Durga Mahto which is wrong.
4. That my correct name Durga Kumar as per my UID Card be recorded in my issued Driving license, hence this affidavit.
5. That Durga Kumar and Durga Mahto both name stands one and same person.
6. That the statements made above is true and correct.
Sworn and signed this affidavit Lohardaga. on 03.06.2025.

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं॰ 09/2025–26
Head :- Urban Transport

Sl. No.	Particulars	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period for construction
1.	Construction of New P.C.C. Road from H/o Alam Asrafi to H/o Azad Khan and from H/o Sahazad Alam to H/o Kaisur in Millat Colony in ward no 02 (Two) Under Municipal Corporation Hazaribag	9,94,100.00	20,000.00	5,900.00	60 Days
2.	Laying of Paver Block from H/o Vijay Mehta to H/o Vivek Soni opposite of Dipugarha Sich ai Colony in ward no. 05 Under Municipal Corporation Hazaribag	3,01,300.00	7,000.00	1180.00	60 Days
3.	Laying of Paver Block in front of Child Help line (Old HMC Campus) and Repair of P.C.C Road under Municipal Corporation, Hazaribag	7,98,200.00	16,000.00	5,900.00	60 Days
4.	Laying of Paver Block in Town Hall Campus and Construction of New gate leading to Ananda College under Municipal Corporation, Hazaribag	8,06,300.00	17,000.00	5,900.00	60 Days
5.	Construction of New P.C.C. Road from H/o Lalli Verma to H/O B ablu rana in Hanuman Nagar (Mandai Kala) in ward no 01 (One) Under Municipal Corporation Hazaribag.	7,43,400.00	15,000.00	5,900.00	60 Days
6.	Repair of P.C.C Road from H/o Riyaz Khan to H/o Warsi in ward no. 02 (Two) under Municipal Corporation, Hazaribag	8,98,000.00	18,000.00	5,900.00	60 Days
7.	Laying of Paver Block in bar association campus and Construction of New P.C.C. Road under Municipal Corporation, Hazaribag	6,36,800.00	13,000.00	5,900.00	60 Days
8.	Construction of P.C.C Road from H/o Ganesh Ji to H/o Pawan Ji via H/o Sandeep Kumar yadav in Bhagat Singh Colony Dipugarha in Ward No. 05 (Five) under Municipal Corporation, Hazaribag	7,98,500.00	16,000.00	5,900.00	60 Days
9.	Construction of New P.C.C Road from H/o Sunita Devi to H/o Deepak Kumar in Ward N o. 05 (Five) (Dipugarha Co -operative Colony) under Municipal Corporation	9,98,000.00	20,000.00	5,900.00	60 Days
10.	Construction of New P.C.C. Road from Devi Mandap to Jabra Cement Shop in ward no 08 (Eight) Under Municipal Corporation Hazaribag	7,86,100.00	16,000.00	5,900.00	60 Days
11.	Construction of New P.C.C. Road from H/o Jaynath Mahto to H/o Rohan Mahto in ward no 08 (Eight) Under Municipal Corporation Hazaribag	6,77,600.00	14,000.00	5,900.00	60 Days
12.	Repair of P.C.C Road from H/o Baban Prajapati to Madhya Vidhyalaya Govt. School in ward no. 08 (Eight) near Emli Chowk under Municipal Corporation, Hazaribag	6,07,900.00	13,000.00	5,900.00	60 Days
13.	Construction of P.C.C. Road from H/o Rajendar Prasad to H/o Bulaki Prasad in ward no 08 Under Municipal Corporation Hazaribag	9,71,400.00	20,000.00	5,900.00	60 Days
14.	Repair of P.C.C Road from H/o Rajesh Verma to H/o Pritam Kumar in Kusum Nagar Gali No. 03 in Ward No. 09 (Nine) under Municipal Corporation, Hazaribag	3,10,800.00	7,000.00	1,180.00	30 days
15.	Construction of New P .C.C Road from H/o Arjun Prasad to H/o Narayan Shaw and Repair of P.C.C Road from H/o Rajesh Dubey to H/o Anil Kumar in Kusum Nagar in ward no. 09 (Nine) under Municipal Corporation, Hazaribag	6,19,700.00	13,000.00	5,900.00	60 Days
16.	Construction of new P.C.C Road from Swamwar palace to h/o Shekhar Singh and from H/o Shambhu Singh to NH -33 in ward no. 11 (Eleven) under Municipal Corporation, Hazaribag	9,60,900.00	20,000.00	5,900.00	60 Days
17.	Repair of P.C.C Road from H/o Teacher Ram Kusum Mahto to H/o Nirmala Devi in Ompuri in Ward No. 12 (Twelve) under Municipal Corporation, Hazaribag	5,67,700.00	12,000.00	5,900.00	60 Days
18.	Repair of P.C.C Road from H/o Shakti Singh to H/o Bhikhan Ram and Construction of Cross Drain in Ward No. 13 (Thirtee n) under Municipal Corporation, Hazaribag	8,50,000.00	18,000.00	5,900.00	60 Days
19.	Construction of New PCC Road From H/o Pritpal to H/o Girja Singh And Repair of PCC Road from H/o Vinod Singh to H/o Monu agarwal in ward no 13 (Thirteen) Under Municipal Corporation Hazaribag	6,12,600.00	14,000.00	5,900.00	60 Days
20.	Construction of R.C.C. Drain and Repair of PCC Road From H/o Murtuja Qureshi to H/o Mujahid Qureshi in ward no : - 16 (Sixteen) Under Municipal Corporation,Hazaribag	9,99,800.00	20,000.00	5,900.00	60 Days
21.	Construction of R.C.C. Drain and Repair of PCC Road From H/o Uday ji to H/o Md. Hussain in Dhanbad Gali in ward no : - 16 (Sixteen) Under Municipal Corporation,Hazaribag	9,99,800.00	20,000.00	5,900.00	60 Days
22.	Construction of Paver Block Road from the H/o Pappu Kumar to the H/o Anil Agarwal in ward no 28 (Twenty Eight) Under Municipal Corporation Hazaribag.	9,98,000.00	20,000.00	5,900.00	60 Days

1. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
तिथि एवं समय दिनांक 18.06.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
2. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
तिथि एवं समय दिनांक 19.06.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा खोलने का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
तिथि एवं समय दिनांक 20.06.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न
4. विज्ञापन दाता का पदनाम : नगर आयुक्त सह प्रशासक, नगर निगम, हजारीबाग।

नोट :–निविदा से संबंधित शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालय अवधि में नगर निगम कार्यालय में देखा जा सकता है।
नगर आयुक्त सह प्रशासक
नगर निगम, हजारीबाग।
PR 354179 Urban Development and Housing(25-26)D

शारीरिक असंतुलन

दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलतः कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुई। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यतः हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल,यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर-संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली-भुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट-शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसैसिटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं। देश में लगभग 20 लाख लोगों की मौत इस बजह से हो रही है। जिसे लगातार देने से जान बचाने की कोशिश की जा सकती है। जिसको लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है, क्योंकि रोगी की जान बचाने में सहायक साबित हो सकता है। जिसके बाद आपातकालीन चिकित्सा सुविधा किसी हद तक मददगार साबित हो सकती है।

आज का राशिफल

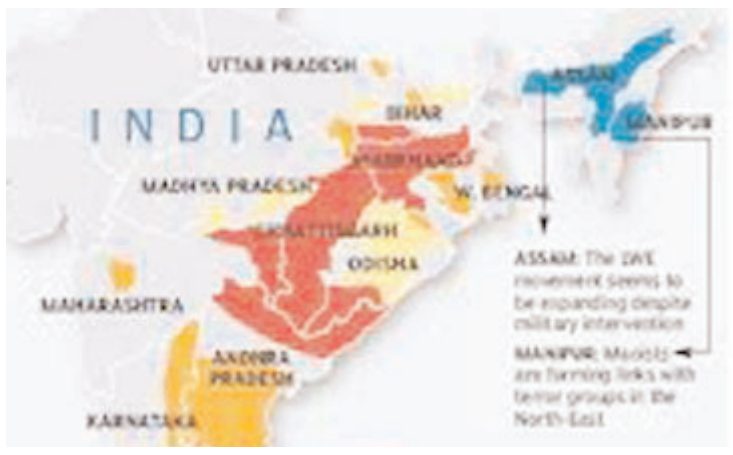

मेष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यो की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यो को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या : पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ : शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है, अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह

संपादक
अविनाश ठाकुर*

फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

आतंक के लालगढ़ में अब लहराने लगा तिरंगा

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल नरेन्द्र मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं। शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर में अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरूआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

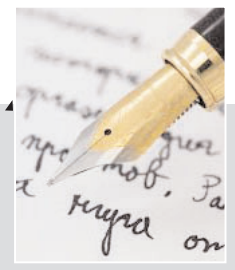

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने आठ सूत्री समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय

सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरौली शामिल है।

वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया। वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में चार हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला ह्यऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्टह्ण भी सुर्खियों में है।

- डॉ आशीष

> पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाईं, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है। वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है।वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं। नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानी कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं। पर पिछले कुछ साल से इन घटनाओं मे कमी आई है। 2010 में हमले की ऐसे 365 मामले थे, जो 2024 में घटकर 25 रह गए।

पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाईं, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वहीं, 'रोशनी योजना' ने आदिवासी युवाओं को कौशल विकास और रोजगार प्राप्त करने में मदद की है। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दबाव में नहीं आयेगी।

लेटर टू एडिटर

अनियंत्रित गति

सड़कों पर होने वाले हादसों का एक मुख्य कारण ओवर स्पीडिंग है। जगह-जगह स्पीड ब्रेकर लगाए जाते हैं ताकि वाहनों की स्पीड कम रहे पर वाहन चालक इन्हें भी अनदेखा करते हैं। ओवर स्पीडिंग न केवल दूसरे वाहनों के लिए खतरा है बल्कि पैदल चलने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने वालों के लिए भी। क्या सारी जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही है? इसके साथ, ट्रैफिक व सामान्य पुलिस को सतर्क करने तथा यात्रियों को जागरूक करने की भी जरूरत है।

-अभिलाषा गुप्ता, रांची

समाज का नुकसान

अधिक पैसे कमाने की चाहत में कई कारोबारी अपनी नैतिक जिम्मेदारी भूल रहे हैं। दवाइयां, खाद्य पदार्थ, घी, तेल, दूध, मिठाइयां, मसाले आदि में मिलावट कर वे लोगों को चुपके-चुपके अस्वस्थ बना रहे हैं। यह कोई छोटा अपराध नहीं है, लेकिन लचर सरकारी व्यवस्था, भ्रष्टाचार और कठोर सजा मिले।

-दिनेश, जमशेदपुर

ट्वीट

प्रदूषण से युक्त और पथ बाधित गंगा मनुष्यत्व के लिए अभिशाप है। गंगा की अविरलता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयत्न करें क्योंकि गंगा सबकी है। वह अपने उदर में अनेकों जैव प्रजातियों, वनस्पतियों एवं संस्कृतियों को युग -युगांतर से पोषित करती आई है। गंगा के विलीन होने से मानवता की एक गौरवशाली सांस्कृतिक परम्परा का अंत हो जाएगा।माँ गंगा त्रय-योग सिद्धि कारक है, वह ब्रह्मा के कमंडल से निकलकर कर्म योग ,भगवान विष्णु के चरणों से निकलती है इसलिए भक्ति योग और शिव की जटाओं से धरा धाम पर अवतरित होती है, इसलिए ज्ञान योग सिद्ध करती है। मृत्युलोक में उनका अवतरण सभी के उद्धार के लिए हुआ है।

– स्वामी अवधेशानंद गिरी

जेइइ एडवांस्ड 2025 परिणाम घोषितः आगे की राह और चॉइस फिलिंग का महत्व

प्रशांत झा

करियर

जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा के परिणाम कल, 2 जून 2025 को घोषित कर दिए गए हैं। आईआईटी कानपुर द्वारा परिणामों जारी किया गया है।

कितने छात्र हुए शामिल और कितने सफल?

इस वर्ष जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए कुल 1,87,223 (लगभग) छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1,80,422 (लगभग) छात्र दोनों पेपरों में उपस्थित हुए। इन में से कुल 54,378 (लगभग) उम्मीदवारों ने जेईई एडवांस्ड 2025 की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। सफल उम्मीदवारों में 44,974 (लगभग) पुरुष और 9,404 (लगभग) महिला उम्मीदवार शामिल हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में योग्य उम्मीदवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दशार्ता है, जो 2024 में 48,248 (लगभग) थी।

कटऑफ क्या रहा?

जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए विभिन्न श्रेणियों के लिए न्यूनतम योग्यता अंक (कटऑफ) जारी कर दिए गए हैं। इस वर्ष, कटऑफ में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे अधिक छात्रों को रैंक सूची में शामिल होने का अवसर मिला है।

* कॉमन रैंक लिस्ट : प्रत्येक विषय में न्यूनतम 7 अंक और कुल 360 अंकों में से न्यूनतम 74 अंक। (प्रतिशत के रूप में: प्रत्येक विषय में 5.83%, कुल 20.56%)

* जनरल-ईडब्ल्यूएस रैंक लिस्टः प्रत्येक विषय में न्यूनतम 6 अंक और कुल 360 अंकों में से न्यूनतम 66 अंक। (प्रतिशत के रूप मेंः प्रत्येक विषय में 5.25%, कुल 18.50%)

* अन्य पिछड़ा वर्ग-एनसीएल रैंक लिस्टः प्रत्येक विषय में न्यूनतम 6 अंक और कुल 360 अंकों में से न्यूनतम 66 अंक। (प्रतिशत के रूप मेंः प्रत्येक विषय में 5.25%, कुल 18.50%)

* एससी/एसटी/दिव्यांग रैंक लिस्टः प्रत्येक विषय में न्यूनतम 3 अंक और कुल 360 अंकों में से न्यूनतम 37 अंक। (प्रतिशत के रूप मेंः प्रत्येक विषय में 2.92%, कुल 10.28%)

अब आगे क्या करें छात्र?

जेईई एडवांस्ड का परिणाम आने के बाद, सफल उम्मीदवारों के लिए अगला महत्वपूर्ण कदम जोसा (संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण) काउंसलिंग प्रक्रिया है। जोसा के माध्यम से ही आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईआईआईटी और अन्य सरकारी वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों में सीटों का आवंटन किया जाता है।

चॉइस फिलिंग क्या है?

चॉइस फिलिंग जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। इसमें सफल उम्मीदवार अपनी रैंक, श्रेणी और वरीयता के अनुसार आईआईटी और अन्य संस्थानों में उपलब्ध विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों और संस्थानों का चयन करते हैं। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जहाँ छात्र अपनी पसंद के कॉलेज और ब्रांच को प्राथमिकता के क्रम में भरते हैं।

चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया (स्टेप बाय स्टेप):जोसा 2025 काउंसलिंग के लिए पंजीकरण और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 3 जून 2025 से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों में संपन्न होगीः * जोसा पोर्टल पर लॉग इन करेंः जोसा की आधिकारिक वेबसाइट ङ्घ.ल्लू.ल्ल पर जाकर अपने जेईई मेन/जेईई एडवांस्ड एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड से लॉग इन करें * चॉइस फिलिंग लिंक पर क्लिक करेंः लॉग इन करने के बाद, आपको चॉइस फिलिंग या विकल्प भरें का लिंक मिलेगा। इस पर क्लिक करें। अपनी पहचान सत्यापित करने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओ.टी.पी दर्ज करें।

* विकल्पों को जोड़ना और व्यवस्थित करनाः आपको उपलब्ध संस्थानों और पाठ्यक्रमों की पूरी सूची दिखाई देगी। आप अपनी पसंद के संस्थानों और पाठ्यक्रमों को ऐड बटन पर क्लिक करके अपनी सूची में जोड़ सकते हैं। दाईं ओर, आपके चुने हुए विकल्प प्राथमिकता के क्रम में प्रदर्शित होंगे। आप रेमोभ (विकल्प हटाने के लिए), उप्प (विकल्प को ऊपर ले जाने के लिए), और डाउन (विकल्प को नीचे ले जाने के लिए) बटनों का उपयोग करके अपनी पसंद के क्रम को जितनी बार चाहें बदल सकते हैं।

* विकल्पों को नियमित अंतराल पर सहेजेंः यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप अपने द्वारा भरे गए विकल्पों को नियमित रूप से सहेजते रहें। यदि आप उन्हें सहेजते नहीं हैं, तो आपके द्वारा किए गए परिवर्तन खो सकते हैं।

* **विकल्पों को लॉक करेंः** जब आप अपने द्वारा चुने गए विकल्पों और उनके क्रम से पूरी तरह संतुष्ट हों, तो जोसा द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपने विकल्पों को लॉक कर दें। एक बार लॉक करने के बाद, आप अपने विकल्पों में कोई बदलाव नहीं कर पाएंगे। इसलिए, लॉक करने से पहले सभी विकल्पों की सावधानीपूर्वक समीक्षा करें।

चॉइस फिलिंग के दौरान विशेष मार्गदर्शन की आवश्यकता क्यों ?

एडमिशन

चॉइस फिलिंग एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है और इसमें विशेषज्ञ मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इसके कई कारण हैं:

* जटिल प्रक्रियाः जोसा काउंसलिंग में बड़ी संख्या में संस्थान और पाठ्यक्रम होते हैं। अपनी रैंक, श्रेणी और रुचि के अनुसार सर्वश्रेष्ठ विकल्पों का चयन करना एक जटिल कार्य हो सकता है।

* सीट आवंटन एल्गोरिथम को समझनाः जोसा सीट आवंटन एक विशिष्ट एल्गोरिथम का पालन करता है। विशेषज्ञ इस एल्गोरिथम को बेहतर ढंग से समझते हैं और छात्रों को उनकी रैंक के आधार पर सर्वोत्तम संभावित सीटों को सुरक्षित करने में मदद कर सकते हैं।

* गलतियों से बचावः एक छोटी सी गलती भी एक अच्छे संस्थान या पसंदीदा ब्रांच में प्रवेश के अवसर को छीन सकती है। विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि छात्र कोई सामान्य गलती न करें, जैसे कि कम

विकल्प भरना, गलत प्राथमिकता क्रम या आवश्यक दस्तावेजों में त्रुटियां।

* उपलब्ध विकल्पों का ज्ञानः विभिन्न आईआईटी और अन्य संस्थानों में उपलब्ध सभी शाखाओं, उनकी प्रतिष्ठा, पिछले वर्षों के कटऑफ और प्लेसमेंट रिकॉर्ड की विस्तृत जानकारी रखना छात्रों के लिए मुश्किल हो सकता है। विशेषज्ञ इस जानकारी के साथ छात्रों को सही निर्णय लेने में मदद करते हैं।

* नवीनतम रुझानः काउंसलिंग प्रक्रिया में हर साल कुछ बदलाव या रुझान हो सकते हैं। विशेषज्ञ इन रुझानों से अवगत रहते हैं और छात्रों को तदनुसार अपनी चॉइस फिलिंग रणनीति को समायोजित करने में मदद कर सकते हैं।

* मानसिक तनाव कम करनाः परिणाम के बाद और काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान छात्रों पर काफी मानसिक दबाव होता है। विशेषज्ञ मार्गदर्शन इस तनाव को कम करने और छात्रों को स्पष्टता के साथ निर्णय लेने में मदद करता है।

जेईई एडवांस्ड में सफलता पाने वाले सभी छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं! अब यह समय है समझदारी से अपने अगले कदम को उठाने का, और इसमें विशेषज्ञ मार्गदर्शन आपके लिए बेहद सहायक साबित हो सकता है। (**काउंसलर सह मोटिवेटर**)

प्रकृति की गोद में बसा पूर्वोत्तर के राज्य मेघालय में स्थित यह होटल पर्यावरण सहेजने की दिशा में एक उदाहरण है। सौजन्य अजय सानी

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

डीएवी पब्लिक स्कूल में साइकिल रैली

रजरप्पा। रामगढ़ जिला साइक्लिंग एसोसिएशन के तहत विश्व साइक्लिंग दिवस के अवसर पर मंगलवार को रजरप्पा स्टेडियम के समीप डीएवी पब्लिक स्कूल में साइकिल रैली/रेस प्रतियोगिता हुआ, जिसमें सीनियर ग्रुप, जूनियर ग्रुप और जूनियर ग्रुप का रेस किया गया। इसमें प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान लाने वाले खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। रामगढ़ जिला साइक्लिंग एसोसिएशन के सचिव पीसी राम ने कहा कि साइकिल चलाना सेहत एवं पर्यावरण के लिए बहुत लाभदायक है। हम सभी लोगों को फिट रहने के लिए कम से कम रोज आधा घंटा साइकिल व्यायाम के रूप पर चलाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ रहने के लिए साइकिलिंग एक बेहतरीन एक्टिविटी साबित हो सकती है। साइकिलिंग करके खुद के शरीर को एक्टिव और फिट बनाना आसान हो सकता है। इस मौके पर विश्वजीत मुंडा, हेमल मुर्मू, श्रीतन कुमार वर्मा, महेश, पियूष कुमार, अमित, पवन कुमार एवं खेल से जुड़े सभी खिलाड़ी उपस्थित थे।

जेईई एडवांस में वैभव को सफलता

भुरकुंडा (रामगढ़)। ए ला एंगलाइज विद्यालय बिरसा चौक भुरकुंडा के विज्ञान संकाय के मेधावी छात्र वैभव राज ने आईआईटी जेईई एडवांस 2025 परीक्षा में ओबीसी श्रेणी में रैंक 4939 एवं ऑल इंडिया रैंक 18824 प्राप्त कर शानदार सफलता अर्जित की है। विद्यालय के प्राचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि हमारे छात्र वैभव राज ने कड़ी मेहनत, समर्पण एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया है। यह सफलता आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी ।सचिव डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर ने कहा कि वैभव की सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं छात्रगण वैभव की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पतरातू में कांग्रेस कमेटी की बैठक

भुरकुंडा। संगठन सृजन वर्ष कार्यक्रम को लेकर सौंदा डी पार्टी कार्यालय में मंगलवार को पतरातू प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार पटेल एवं संचालन अनिल सिंह ने किया। बैठक में प्रत्येक मंडल, पंचायत एवं बुथ स्तर पर संगठन सृजन एवं नव निर्माण करने को लेकर चर्चा हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि पतरातु प्रखंड सहित बड़कागांव विधानसभा में पुनः अपने अस्तित्व को हर हाल मे बहाल करेंगे। प्रखंड अध्यक्ष सुजीत पटेल ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर पहले ही प्रखंड कार्यकारिणी एवं मंडल कमेटियां भंग की जा चुकी है। जिसमें कार्यकारिणी का विस्तार कर प्रस्ताव जिला एवं प्रदेश को भेजा जा चुका है। अभी पांच मंडल कमिटियों का गठन अगले एक सप्ताह में करने का लक्ष्य रखा गया। बैठक में, चमन लाल, प्रेम विश्वकर्मा, अनिल सिंह, डॉ. केके शर्मा, अमर यादव, लखन राम, राजकिशोर सिंह, इकबाल हुसैन, प्रकाश दास, इम्तियाज अंसारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महायज्ञ को ले निकली कलश यात्रा

कुजू। कुजू कोलियरी प्राचीन शिव मंदिर में श्री श्री 1008 भगवान कार्तिकेय पुनः प्राण प्रतिष्ठा तीन दिवसीय महायज्ञ को लेकर मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंदिर परिसर से निकल कर गाजे बाजे के साथ बंदरा चुआ स्थित श्री श्री चैतन्य महाप्रभु के पास चरण पहाड़ी नदी पहुंचे। जहां पर काशी विश्वनाथ से आए हुए आचार्य दिनेश तिवारी उनके सत्संगी एवं सत्येंद्र ने यजमान को विधिवत पूजा अर्चना कराया। बाद में कलशों में पवित्र जल को भरा। इसके साथ पुनः गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा मंदिर परिसर पहुंची। जहां पर विधिवत रूप से कलशों को स्थापित किया गया। इधर कलश यात्रा में मुख्य रूप से मांडू विधायक तिवारी महतो व कुजू कोलियरी परियोजना पदाधिकारी अभिमन्यु सिंह शामिल हुए। मौके पर तिवारी महतो ने कहा कि इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान से क्षेत्र में सुख शांति बनी रहती है। इसके लिये उन्होंने आयोजन समिति का सरहाना किया। इधर देर संध्या बक्सर से आये कथावाचक रामनारायाणचार्य महाराज द्वारा भक्तों को अपना प्रवचन देंगे। वहीं 5 जून को हवन, पूणार्हुति व भव्य भंडारे के साथ महायज्ञ समापन होगा। कलश यात्रा में संरक्षक रामकुमार सिंह, तेजनाथ महतो, फुलेश्वर साव, श्याम कुमार सिंह, अशोक महतो, पप्पू सिंह, आदित्य शंकर सिंह, अमित पाठक, सरोजानंद झा, दीपक कुमार सिंह, दिनेश कुमार श्रीवास्तव,चितरंजन सिंह, पप्पू सहित काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

विधायक ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातू प्रखंड केराम मंदिर बाजार टांड में मंगलवार को 200 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया। चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय नागरिकों को स्थायी और निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल के लिए विधायक का आभार जताया और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में क्षेत्र की अन्य समस्याओं का भी समाधान होगा। मौके पर डॉ. चांदसी, प्रमोद पाठक, अजय रवि, मनोज साहू, मुरारी पांडेय, लव पांडेय, शंभू, धर्म, अंकित, पंकज, संजय और धीरेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

ड्रग्स के दलदल में डूबता हजारीबाग जिला

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। जब बच्चों के हाथ में किताबें होनी चाहिए, लेकिन हजारीबाग की गलियों में ब्राउन शुगर की पुड़िया थमाई जा रही है। नशे का जहर स्कूलों से लेकर मोहल्लों तक फैल चुका है, लेकिन जनप्रतिनिधि चुप हैं, समाजसेवी मूक हैं और प्रशासन बेपरवाह। सवाल है कि क्या हजारीबाग को बर्बादी के गर्त में जाने से कोई बचाएगा? हजारीबाग आज सिर्फ कोयला, बालू और शराब के अवैध कारोबार का अड्डा नहीं रहा। अब नशे का नेटवर्क भी यहां गहराई तक जड़ें जमा चुका है। ज़िले के कई प्रखंड नशे के कारोबार की चपेट में हैं, लेकिन सबसे चिंताजनक स्थिति इचाक प्रखंड की है। सूत्र बताते हैं कि यहां एक महिला ड्रग डीलर ने कारोबार से

नशे के कारोबार की चपेट में कई प्रखंड

करोड़ों कमाकर इचाक मोड़ में आलीशान बंगला खड़ा कर लिया है। यहां खुलेआम ब्राउन शुगर, गांजा और अन्य ड्रग्स की बिक्री हो रही है। बच्चे, कॉलेज के छात्र और बेरोजगार युवक नशे के दलदल में फँसते जा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि हर गली-मोहल्ले में कोई न कोई पेडलर बैठा है, और इचाक थाना पूरी तरह से मूक दर्शक बना हुआ है। कोई पत्रकार अगर किसी भी मामले पर सच खबर लिखता है या सच को उजागर करता है तो पूरा सिंडिकेट उसके खिलाफ साज़िश रचने लगता है। चुप कराने के लिए डर, लालच और धमकी तक दी जाती है। पर सवाल अब बड़ा है कि जब हर संस्था सोई है, तो बिगुल कौन फूँकेगा? हजारीबाग में ड्रग्स अब सिर पर चढ़कर बोल रहा है। न नेता बोल रहे हैं, न अधिकारी कुछ कर रहे हैं। कभी-कभार की छापेमारी और नेताओं के खोखले बयान, बस दिखावे की कार्रवाई बनकर रह गए हैं। अब भी जनता नहीं जागी, तो आने वाली पीढ़ी नशे की चपेट में पूरी तरह तबाह हो जाएगी। वक्त है कि खामोशी तोड़िए, सवाल कीजिए और ड्रग्स के खिलाफ युद्ध का शंखनाद करिए।

अवैध खदान से निकाले गये तीन मजदूरों के शव

- 13 दिन से केरेडारी में कोयले की खदान में दबे थे सभी मजदूर
- मृतकों के परिजनों ने प्रशासन से मुआवजा व मृतकों के आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की

खबर मन्त्रसंवाददाता

केरेडारी(हजारीबाग) । हजारीबाग जिले के केरेडारी में कोयले की अवैध खदान में फंसे तीन मजदूरों के शव 13 दिन के बाद बाहर निकाले गए। तीनों के शव 100 फीट से भी ज्यादा गहराई में दबे थे। इन्हें बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ की ओर से तीन दिन तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया था, लेकिन खदान में पानी भरा होने की वजह से सफलता नहीं मिली थी। इसके बाद एनटीपीसी और निजी कंपनी के सहयोग से खदान से पानी निकाला गया और जलस्तर कम होने के बाद सोमवार रात स्थानीय ग्रामीणों ने तीनों के शव बाहर निकाले। मृतकों में 45 वर्षीय प्रमोद शाह, 25 वर्षीय उमेश कुमार और 24 वर्षीय नौशाद अंसारी शामिल हैं। तीनों केरेडारी थाना क्षेत्र के कंडाबेर गांव के रहने वाले थे। केरेडारी की खावा नदी के पास कई अवैध खदानें और सुरंगें हैं, जहां हर रोज सैकड़ों लोग जान जोखिम में डालकर खनन करने उतरते हैं। ये खदानें कोयला माफिया द्वारा चलाई जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 13 दिन पहले बारिश की वजह से खावा नदी की तेज धार में तीन मजदूर बहकर खदान के अंदर चले गए थे। इसके बाद से ही उनकी तलाश के लिए अभियान चल रहा था। एनडीआरएफ के अभियान के बाद भी जब सफलता नहीं मिली थी, तो लापता मजदूरों के घरवालों ने उनके जीवित बचने की आस छोड़ दी थी। सोमवार रात जब उनके बाहर निकाले गए तो पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। मृतकों के परिजनों ने प्रशासन से मुआवजा और तीनों के एक-एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। मंगलवार को केरेडारी पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद दोपहर में तीनों शव गांव लाए गए, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

स्टेट थर्ड टॉपर को जिला शिक्षा अधीक्षक ने किया सम्मानित

हजारीबाग। इंटरमीडिएट विज्ञान संकाय परीक्षा में स्टेट थर्ड टॉपर से उत्तीर्ण बड़कागांव प्लस टू उच्च विद्यालय के छात्र पकरी बरवाडीह गांव निवासी किशोर कुमार को हजारीबाग जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीन रंजन द्वारा शॉलओढ़ा कर सम्मानित किया गया। श्री रंजन ने किशोर का उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला शिक्षा कार्यालय के प्रधान लिपिक प्रमानंदनम, प्लस टू उच्च विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष संदीप कुमार सिंह, छात्र किशोर के पिता साईनाथ कुमार साव, लिपिक विनोद कुमार वर्मा, सैयद परवेज आलम, केशव कुमार, अंकित कुमार, भोला प्रसाद, रंजन सिंह, नारायण प्रसाद, कृपेश कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

विधायक रोशन चौधरी ने जीइएम का किया दौरा

भुरकुंडा (रामगढ़)। विधायक रोशन लाल चौधरी ने मंगलवार को पेट्रोनेंटल विद्युत निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) द्वारा संचालित गर्ल एम्पावरमेंट मिशन (जीईएम) शिविर का दौरा किया। चौधरी ने शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाओं से संवाद किया और उनके अनुभवों को जाना। बताया गया कि इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य, और नेतृत्व कौशल में सक्षम बनाना है।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्ल एम्पावरमेंट मिशन जैसी योजनाएं समाज की जड़ों को मजबूत करती हैं। ये बालिकाएं आने वाले समय में अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करेंगी। विधायक ने उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

शिविर में विभिन्न गतिविधियां जैसे शैक्षणिक सत्र, खेल, कला एवं हस्तकला, स्वास्थ्य जागरूकता, और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर पीवीयूएनएल के सीईओ आरके सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक मौजूद थे।

बकरीद में पैनी नजर रखें सभी थाना प्रभारी : एसपी

रामगढ़। बकरीद को लेकर मंगलवार को एसपी अजय कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक। बैठक में एसपी एवं डीडीसी रोबिन टोप्पो ने सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों से विधि व्यवस्था ब्की गई तैयारियों की जानकारी ली । उन्होंने सभी को पर्व के दौरान सतर्क रहकर अपने अपने क्षेत्रों में हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने पीसीआर एवं पैंथर की टीम को संवेदनशील क्षेत्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं किसी भी प्रकार की अफवाह सामने आने पर त्वरित इसकी जानकारी कंट्रोल रूम को देने एवं अफवाहों को दूर करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को पूरे पर्व के दौरान अलर्ट मोड पर रहकर कार्य करने का निर्देश दिया। एसपी ने असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को सोशल मीडिया एवं विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप पर नजर रखने का निर्देश दिया । किसी भी व्यक्ति के द्वारा सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर संप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा आपत्तिजनक पोस्ट करने/ शेयर करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एसपी नेसभी थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में गस्ती कर अवैध शराब एवं नशीला पदार्थ बेचने वाले पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

शिव यादव बने सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष

भुरकुंडा (रामगढ़)। समाजवादी पार्टी झारखंड प्रदेश ने संगठन को सशक्त और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पटेलनगर भुरकुंडा निवासी शिव कुमार यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति पार्टी संगठन के प्रति उनकी दीर्घकालिक निष्ठा, सामाजिक सेवा और मजबूत राजनीतिक दृष्टिकोण को सम्मान देते हुए की गई है। कहा गया कि शिव कुमार यादव न केवल एक समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं, बल्कि समाज के प्रति एक जागरूक नागरिक और जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील नेतृत्वकर्ता के रूप में भी जाने जाते हैं। वर्षों से वे जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए समाजवादी सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने में जुटे रहे हैं। यह नियुक्ति पत्र स्वयं समाजवादी पार्टी झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष केश्वर यादव उर्फ रंजन यादव द्वारा जारी किया गया। उन्होंने कहा शिव कुमार यादव की संगठनात्मक दक्षता, जनता से जुड़ाव और विचारधारात्मक स्पष्टता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। शिव कुमार यादव ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि यह पद मेरे लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है और समाजवादी विचारधारा को सशक्त करने हेतु हरसंभव प्रयास करता रहूंगा।

पुल के लिए सड़क पर उतरा दामोदर बचाओ संघर्ष समिति

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। गिद्दी-भुरकुंडा दामोदर पुल बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले मंगलवार को बड़ी संख्या में लोग दामोदर पुल पर एकत्र हुए और झारखंड सरकार एवं सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान झारखंड की भ्रष्ट सरकार होश में आओ, पुराने पुल की मरम्मती के साथ-साथ नए पुल का निर्माण करो, हेमंत सोरेन शर्म करो जैसे नारे गूंजते रहे। समिति ने सरकार की उदासीनता के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से भिक्षाटन किया।

लोग गमछा बिछाकर सरकार के लिए चंदा मांगते नजर आए। विरोध स्वरूप 10 व 20 रुपये की राशि जुटाई गई। कुल 155 संग्रह हुआ जिसे प्रतीकात्मक रूप से सरकार को भेजा गया। मौके पर पुल बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम पांडेय ने कहा कि सरकार और सीसीएल से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन हर प्रयास नाकाम रहा। सीसीएल पुल निर्माण के लिए तैयार है, पर राज्य सरकार एनओसी और एस्टीमेट देने में विफल है। श्री पांडेय ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार का पूरा तंत्र कोयला और बालू चोरी में व्यस्त है, जनता के हितों की कोई परवाह नहीं। उन्होंने कहा कि मरम्मत का फाइल आईसीडी के चीफ इंजीनियर के पास अटका है, पर जनवरी से पद खाली होने के कारण काम ठप है। यदि इस पुल पर कोई हादसा होता है तो जिम्मेदारी पूरी तरह राज्य सरकार की होगी। पुल निर्माण की मांग को लेकर यह आंदोलन अब नियमित रूप से भुरकुंडा, गिद्दी, रैलीगढ़ा और अन्य क्षेत्रों में दोहराया जाएगा। आंदोलन के माध्यम से जो भी राशि एकत्र होगी, वह प्रतीकात्मक रूप से राज्य सरकार को भेजी जाएगी ताकि उसे शर्म आए और वह नींद से जागे। सभी ने एक सुर में राज्य सरकार से पुल की मरम्मत और नए पुल निर्माण की तत्काल मांग की। मौके पर गुड्डू यादव, करुण सिंह, ब्रजकिशोर पाठक, चंदन सिंह, शैलेंद्र कुमार उर्फ पिंकू झा, श्याम सुंदर पांडेय, ठाकुर दास महतो, संजय ओझा, अवतार सिंह, रविंद्र सिंह, सुनील कुमार दुबे, संतोष कुमार झा, दीपक झा, पवन कुमार, राजेश सिंह, दीपक सिंह, राजबल्लभ सिंह, पवन कुमार, संजय पासवान, कैफी आजमी, अनिल कुमार सिंह, सुरेंद्र महतो, खेमलाल यादव, संतोष करमाली, भरत पांडेय, जुगल करमाली, संतोष सिंह, दीपक करमाली, संदीप सरकार, कल्लू खान, गुड्डू ठाकुर, मो. आसिफ, राम सेवक महली सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

सरकार व सीसीएल के खिलाफ भिक्षाटन कर किया विरोध

एक नजर में

रोमी में दुर्गा मंडप की प्राण प्रतिष्ठा समारोह

हजारीबाग। रोमी गांव में आयोजित दुर्गा मंडप की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नव झारखंड फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा शामिल हुए। इस अनुष्ठान में उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर पूजा-अर्चना की और सामाजिक एकता व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत कलश यात्रा से हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। समारोह में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ नव झारखंड फाउंडेशन के सदस्य भी उपस्थित थे ।राणा ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से न केवल आस्था को बल मिलता है, बल्कि सामाजिक समरसता भी बढ़ती है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि नव झारखंड फाउंडेशन हमेशा उनके साथ है और सामाजिक विकास के कार्यों में सहयोग करता रहेगा। समारोह के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर गांव में उत्सव का माहौल था और सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

चौपारण में अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त

चौपारण। गौतम बुद्ध वन्य प्राणी आश्रियणी के वनकर्मियों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मुड़िया जंगल क्षेत्र से बालू लदे तीन ट्रैक्टरों को जप्त किया। जप्त किए गए सभी ट्रैक्टरों को वन विभाग कार्यालय परिसर में रखा गया है। इस कार्रवाई से बालू तस्करों में हड़कंप मच गया है। अवैध बालू खनन पर लगातार शिकंजा कसने से अब तस्करों की गतिविधियाँ प्रभावित हो रही हैं। हालांकि, इसका असर आम लोगों पर भी देखने को मिल रहा है। बालू की तस्करी और कालाबाजारी के कारण निर्माण कार्यों के लिए बालू की उपलब्धता कम हो गई है, जिससे कीमतों में तेजी आई है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपने घर निर्माण कार्यों में कठिनाई झेल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन वैध तरीके से बालू की आपूर्ति सुनिश्चित करे, ताकि जरूरतमंदों को उचित दर पर बालू उपलब्ध हो सके।

बरही में टीकाकरण को लेकर हुयी बैठक

बरही। बरही अनुमंडलीय अस्पताल में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित बैठक में नियमित टीकाकरण अभियान की प्रगति और चुनौतियों पर गंभीर चर्चा हुई। इसकी अध्यक्षता डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने की। डॉ. ज्ञानी ने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिया कि हर स्वास्थ्यकर्मी समय पर टीकाकरण स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि टीकाकरण से वंचित बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सूची समय रहते तैयार की जाए ताकि उन्हें प्राथमिकता पर टीका लगाया जा सके। समीक्षा के दौरान माइक्रोप्लानिंग पर विशेष जोर दिया गया। निर्देश दिए गए कि सभी स्वास्थ्यकर्मी योजनाबद्ध तरीके से अपने क्षेत्र में कार्य करें और छूटे हुए लोगों को चिन्हित कर उनका टीकाकरण पूर्ण करें। साथ ही सभी चिकित्सा पदाधिकारियों व पर्यवेक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्थलीय जांच करने को भी कहा गया ताकि जमीनी हकीकत सामने आ सके। बैठक में डॉ. मयंक प्रताप सिंह, डॉ. प्रवीण कुमार, बीपीएम नारायण राम, बीएएम प्रमोद श्रीवास्तव, बीडीएम मोनाजिर एहसान, एचएम सुधांशु शेखर, पंकज कुमार (लिपिक), संतोष कुमार, उपेंद्र कुमार दास समेत कई स्वास्थ्यकर्मी और अधिकारी मौजूद थे।

स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण को लेकर बैठक

बरही। सोमवार को बरही प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित नगर भवन में ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति (वीएचएसएनडी) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) जयपाल महतो ने की, जबकि संचालन अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने किया। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों, एएनएम की भूमिका, जननी सुरक्षा योजना, मलेरिया, टीकाकरण अभियान, पेयजल व स्वच्छता की स्थिति, तथा समुदाय आधारित निगरानी तंत्र पर विस्तार से चर्चा की गई। बीडीओ जयपाल महतो ने उपस्थित सहिया, सेविकाओं एवं एएनएम को निर्देश दिया कि वे आंगनबाड़ी स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस को पूरी सक्रियता से आयोजित करें। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य गर्भवती और धात्री महिलाओं की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करना है, जिसके लिए सभी एएनएम को आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, बीडीओ ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को जनजागरूकता फैलाने पर विशेष जोर देने का निर्देश दिया। बैठक में 'घर ले जाओ राशन' योजना की पारदर्शिता और समयबद्ध वितरण पर भी बल दिया गया। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि योजना का उद्देश्य जरूरतमंदों तक पोषण पहुंचाना है, और इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में दर्जनों सेविकाएं, सहिया व स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए।

बरकट्ठा : हाथियों ने पांच घरों को किया क्षतिग्रस्त

बरकट्ठा । गोरहर थाना क्षेत्र के गोरहर पंचायत के बाराटांड के कोलवरिया में मंगलवार सुबह लगभग चार बजे हाथियों के झुंड ने पांच घरों को क्षतिग्रस्त करते हुए अनाज को चट कर गया। हाथियों के झुंड ने मुनिया देवी पति मुन्ना कोल, सावित्री देवी पति वासुदेव कोल, संझवा देवी पति दासो कोल, कदमी देवी पति पुनीत कोल, गुजरी देवी पति चंद्रिका कोल के घर का दीवार को तोड़ दिया और घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं हाथियों ने घरों में रखे अनाज को चट किया। इस दौरान मुनिया देवी के घर में एक बोरा चावल, 50 किलो गेहूं तथा आलू को चट कर गया।मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल, डॉ कुंजलाल महतो, पंचायत समिति प्रतिनिधि राजकुमार गिरी घटना स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। छोटन कॉल ने कहा कि हाथियों के द्वारा पांच आदिवासियों के घर को नुकसान पहुंचाया गया है। यह लोग काफी गरीब परिवार से है। वन विभाग से मुआवजा की मांग किया जाएगा। वहीं समाजसेवी डॉक्टर कंजलाल महतो ने कहा हाथियों का झुंड एक सप्ताह से बरकट्ठा के विभिन्न स्थानों में भ्रमण कर रहा है। इससे ग्रामीण भय के माहौल में जीने को विवश हैं।

देवरिया में बालवाड़ी केंद्रों की शुरूआत

दारू। झारखंड महिला जागृति केंद्र अमृतनगर द्वारा जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से दारू प्रखंड के दो पंचायतों—दारू के पिपचो मलाहर टोला और काबिलासी के देवरिया में बालवाड़ी केंद्रों की शुरूआत की गई। इन केंद्रों का उद्देश्य पांच वर्ष से कम उम्र के सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के बच्चों को पोषण और प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना है। केंद्र का शुभारंभ मुखिया पति राजेश प्रसाद, सामाजिक कार्यकर्ता परमेश्वर महतो और शिक्षिका देवन्ती देवी ने किया। सचिव इंद्रमनी कुमारी ने बताया कि बच्चों को प्रतिदिन पोषक आहार जैसे दूध, बिस्किट, दाल, आटा दिया जाएगा।किताबें, कॉपियाँ, बैग, जूते और ड्रेस संस्था की ओर दी जायेगी।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक

बरकट्ठा । बकरीद पर्व को लेकर बरकट्ठा थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की बैठक हुई। इसकी की अध्यक्षता सीओ श्रवण कुमार झा और संचालन समाजसेवी दर्शन सोनी ने की। बैठक में मुख्य रूप से बीडीओ रोशमा डुंगडुंग, पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी, थानाप्रभारी गौतम कुमार उरांव मौजूद थे। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार के गाइड लाइन को मानते हुए त्योहार मनाना चाहिए।

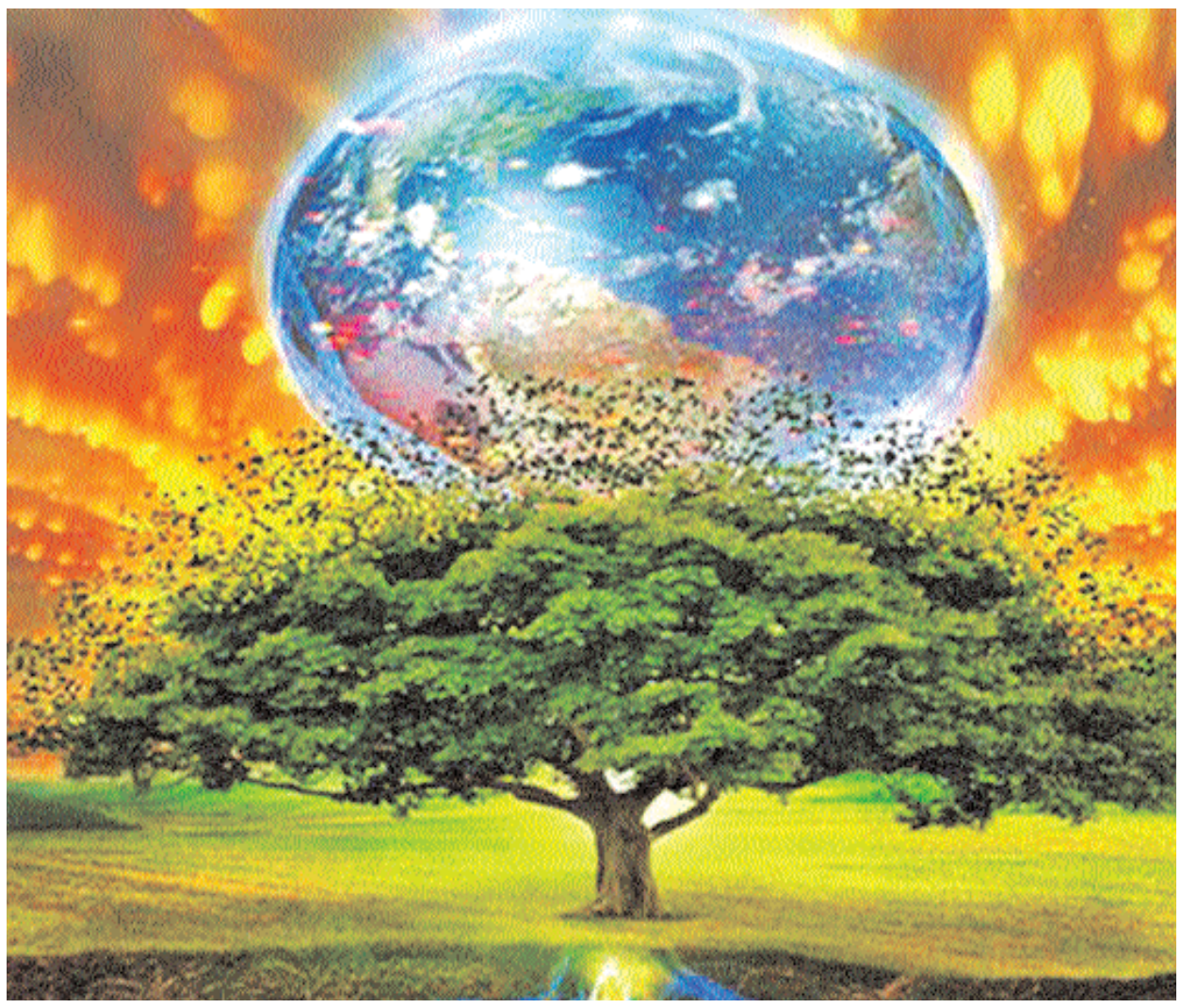

आखिर क्यों धधक रही है पृथ्वी

अनू अंबालिका

हम न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं।

प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत दे रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि बड़ी बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है,

5 जून पर्यावरण दिवसर पर विशेष

जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पेट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है।

एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है,।

वास्तु शास्त्र से प्रभावित मिट्टी जल और भवन

बासुकीनाथ पाण्डेय

वायु, सूर्य का प्रकाश, धरती, बीज वही रहते हैं पर फसल नहीं उगती। वातावरण और भूमि की स्थिति, उसकी किस्म का प्रभाव फसल पर पड़ता है। भारतीय वास्तु शास्त्र के अनुसार भूमिखंड व उसकी दिशाओं आदि का प्रभाव भी कृषि पर पड़ता है। किसी भूखंड के आग्नेय कोण पर लगाया गया नारियल का वृक्ष सूख जायेगा। नारियल के वृक्ष को आग्नेय कोण में लगा देने से वह सूख जायेगा, फल नहीं देगा, फलों की उत्पत्ति होगी भी तो उनके गुणों पर प्रभाव पड़ेगा, ठंडापन कम हो जायेगा, फल का आकार छोटा हो जायेगा। नारियल एक जलीय वनस्पति है यह ईशान कोण में ही उचित रूप से फलेगा और फूलेगा और उसकी गुणवत्ता भी उत्तम प्रकृति की होगी।

मिट्टी भूमि और फसल

आधुनिक विज्ञान की खोज भूमि, मिट्टी एवं फसलों के बारे में आधुनिक विज्ञान के अंतर्गत कई तरह के खोज किए गए हैं। लेकिन उनका प्रयोग लाभदायक है या हानिकारक, ये ज्ञान हमारे किसान भाईयों के मस्तिक में है। भले ही वे वास्तु सूत्रों या सिध्दांतों के बारे में कुछ भी ज्ञान न रखते हों, यह उनका अपना व्यावहारिक अनुभव है जो मिट्टी एवं उसकी प्रकृति व गुणों से संबंधित है। अतः इस अनुभव को वास्तुसम्मत ही समझें। वैसे वास्तु का प्राचीन वर्गीकरण निम्लिखित हैः

ब्राह्मणी मिट्टी : सभी प्रकार के सात्विक गुणों वाली वनस्पति अन्न कंद या मूल के लिये ब्राह्मणी मिट्टी उपयुक्त है। सात्विक अन्न, वनस्पति, कंदमूल इत्यादि वे हैं, जिन्हें खाने से मन मस्तिष्क एवं ह्रदय को शांति व शक्ति मिलती है।

क्षेत्रीय मिट्टी : ऐसे अन्न या वनस्पति इत्यादि जो स्फूर्ति, ऊर्जा, क्रियाशीलता उत्पन्न करते हैं। क्षेत्रीय मिट्टी उत्तम परिणाम एवं गुणों को उत्पन्न करते हैं।

वैश्या मिट्टी : ऐसे अन्न, कंद, मूल एवं वनस्पति जो चर्बी बढ़ाते हैं और शरीर में स्थूलता, मन में आलस्य करते हैं, वैश्या मिट्टी में अधिक जीवन शक्ति और गुणवत्ता से उन्नति करते हैं।

शुद्र मिट्टी : जिन वनस्पतियों से कड़वाहट, अत्यधिक गर्मी, प्रमाद, मादकता, जड़ता उन्नति होती है।

फसलों का दिशाओं हेतु चुनाव

■ **नैऋत्य कोण में** : भारी बड़े फल या दाने वाले, गूढ़ बलदायक गुण वाले।

■ **वायव्य कोण में** : लंबे कद, लंबाकार दानों, या फलों, पतले तने वाले वायवीय गुणों वाले अनाज और फल।

■ **आग्नेय कोण में** : गर्म, तीखे कम जल वाले तीक्ष्ण, कटु जठराग्नि को प्रदीप्त करने वाले मिर्च, अदरक आदि।

■ **ईशान कोण में** : जलीय गुणों वाले रसदार फल आदि।

अनुकूल मौसम

अक्सर देखा गया है कि फसल में गुण मौसम के प्रतिकूल होते हैं। इसका मतलब यह है कि गर्म मौसम में ठंडे और ठंडे मौसम में गर्म गुण वाली फसल होती है। वैसे भी जाड़े में इसकी नामिक की क्रिया तेज होती है और इसमें से ऊर्जा का विकिरण अधिक होता है। गर्मी में इसका ठीक उल्टा होता है। समुद्र के किनारें बड़ी नदियों के तट पर बरसात के मौसम में जलीय गुणों से युक्त पौधे, फल या वनस्पति उत्पन्न होते हैं। पठार, शुष्क प्रदेश, कम ऊर्जावाले क्षेत्रों में जलीय तत्व नहीं होते हैं। जहां वर्षा अधिक होती है, जलस्रोत का प्रभाव होता है, समुद्री किनारा होता है या भूमि की ही स्थिति उस क्षेत्र में जलीय होती है।

विशेष : बांस, बेंत, घास इत्यादि ऐसी वनस्पतियां जिनमें आग लग सकती है आगेय कोण में लगायें। इसे वायव्य कोण में कभी न लगायें। हवा का झोंका रगड़ उत्पन्न कर अग्नि पैदा कर सकता है।

■ कैले जलीय तने वाले वृक्ष एवं धान जैसे पौधे ऐसी भूमि पर लगायें जो फलीय हों।

■ जिस भूमि में तीन फुट नीचे बालू की अधिक मात्रा हो वहां वृक्ष न लगायें ऐसी कोई फसल न उगायें जिसकी जड़ें गहरी हों नहीं तो फसल सूखेगी।

■ जिस भूमि के नीचे 3 इंच के बाद पानी हो या बालू हो, वहां भी बड़े वृक्ष न लगायें। यहां केला तो लगाया जा सकता है पर कटहल, आम, लीची एक निश्चित अवधि के बाद सूख जायेंगे।

■ एक विचित्र अनता सरकारी वृक्षारोपण में देखी गई है। बीच में सागवान या कीमती वृक्ष का पौधा लगाकर उसके चारों ओर बबूल के पेड़ लगा देते हैं सुरक्षा के लिये यह उपाय नायाब है। किसी की समझ में नहीं आता कि बबूल की जड़ की गर्मी नन्हा पौधा कैसे सह पायेगा? मृत

अब हर दिन पर्यावरण बचाने की बात हो

जीवीएस शास्त्री

माम तरह की सुख-सुविधाएं और संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों के कारण आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की भयावह समस्या से त्रस्त है। इसीलिए पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने तथा पृथ्वी को बचाने के संकल्प के साथ प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को विश्वभर में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।

प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर हम वाकई चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा।

ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा। लोगों को पर्यावरण एवं पृथ्वी संरक्षण के लिए जागरूक करने के लिए साल में केवल एक दिन अर्थात 22 अप्रैल को ह्यपृथ्वी दिवसह्न मनाने की औपचारिकता निभाने से कुछ हासिल नहीं होगा। अगर हम वास्तव में पृथ्वी को खुशहाल देखना चाहते हैं तो यही ह्यपृथ्वी दिवसह्न प्रतिदिन मनाए जाने की आवश्यकता है।

हालांकि पृथ्वी दिवस को मनाए जाने का वास्तविक लाभ तभी है, जब हम आयोजन को केवल रस्म अदायगी तक ही सीमित न रखें बल्कि धरती की सुरक्षा के लिए इस अवसर पर लिए जाने वाले संकल्पों को पूरा करने हेतु हरसंभव प्रयास भी करें। हमें बखूबी समझ लेना होगा कि अगर पृथ्वी का तापमान साल दर साल इसी प्रकार बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा।

प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के अनुसार पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है और वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड मौजूद है, जिसकी जलवायु परिवर्तन में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है।

सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर करीब 7.8 अरब हो चुकी है। धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसीलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। इससे पर्यावरण की सेहत पर जो प्रहार हो रहा है, उसी का परिणाम है कि धरती अब धधक रही है।भारत के कई हिस्सों में इस साल जिस प्रकार मार्च महीने में ही बढ़ते पारे का प्रकोप देखा गया, वह जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, वहीं अब मार्च महीने में ही पारा 40 डिग्री तक पहुंचने लगा है। 2016 में राजस्थान के फलौदी का तापमान तो 51 डिग्री दर्ज किया गया था और इस तापमान में और वृद्धि की आशंका है।

पृथ्वी पर बढ़ते दबाव का एक महत्वपूर्ण कारण बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि भी है। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर करीब 7.8 अरब हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसीलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। इससे पर्यावरण की सेहत पर जो प्रहार हो रहा है, उसी का परिणाम है कि धरती अब धधक रही है।

भारत के कई हिस्सों में इस साल जिस प्रकार मार्च महीने में ही बढ़ते पारे का प्रकोप देखा गया, वह जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, वहीं अब मार्च महीने में ही पारा 40 डिग्री तक पहुंचने लगा है। 2016 में राजस्थान के फलौदी का तापमान तो 51 डिग्री दर्ज किया गया था और इस तापमान में और वृद्धि की आशंका है।

प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनियां देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हम नहीं समझना चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

यदि हम चाहते हैं कि हम धरती मां के कर्ज को थोड़ा भी उतार सकें तो यह केवल तभी संभव है, जब वह पेड़-पौधों से आच्छादित, जैव विविधता से भरपूर तथा प्रदूषण से सर्वथा मुक्त हो और हम चाहें तो सामूहिक रूप से यह सब करना इतना मुश्किल भी नहीं है।

बहरहाल, यह अब हमें ही तय करना है कि हम किस युग में जीना चाहते हैं? एक ऐसे युग में, जहां सांस लेने के लिए प्रदूषित वायु होगी और पीने के लिए प्रदूषित और रसायनयुक्त पानी तथा ढ़ेर सारी खतरनाक बीमारियों की सौगात या फिर ऐसे युग में, जहां हम स्वच्छंद रूप से शुद्ध हवा और शुद्ध पानी का आनंद लेकर एक स्वस्थ एवं सुखी जीवन का आनंद ले सकें।

टाटा घराने की विरासत से प्रेरणा लें युवा, नौकरी देने वाले बनें : राज्यपाल

अरका जैन यूनिवर्सिटी का तृतीय दीक्षांत समारोह : राज्यपाल गंगवार ने छात्रों को उद्यमिता और समाज सेवा का दिया मंत्र

1. दीक्षांत समारोह के शोभा यात्रा को नेतृत्व देते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार। 2. एक छात्रा को पी.एचडी की उपाधि प्रदान करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार। 3. दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल। 4. दीक्षांत समारोह में अतिथियों संग ग्रुप फोटो खिंचवाते पी.एचडी और गोल्ड मेडलिस्ट छात्र-छात्राएं। 5. दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को गम्हरिया स्थित अरका जैन यूनिवर्सिटी के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने जमशेदपुर शहर की समृद्ध औद्योगिक और सामाजिक विरासत की सराहना करते हुए छात्रों को टाटा घराने से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर, जिसे टाटा समूह ने बसाया है, उद्योग और समाज सेवा के अद्भुत संगम का प्रतीक है। आज के युवाओं को इस शहर के मूल्यों से सीख लेकर नौकरी मांगने की बजाय नौकरी देने वाले बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए उद्यमिता और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना बेहद जरूरी है।

राज्यपाल ने मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने देश के युवाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। उन्होंने छात्रों से विश्वास व्यक्त किया कि वे विकसित भारत 2047 के मिशन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस संदर्भ में, उन्होंने देश के विकास की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत ने जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है और अब हम तीसरे स्थान की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

श्री गंगवार ने दीक्षांत समारोह को छात्रों की शैक्षिक यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक नई सामाजिक यात्रा की शुरुआत बतायी। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों से अपील की कि वे अपनी शिक्षा और ज्ञान का उपयोग न केवल अपने व्यक्तिगत विकास के लिए करें, बल्कि समाज और देश की प्रगति में भी योगदान दें। तभी उनकी शिक्षा सार्थक होगी। अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए देश के वीर सैनिकों को सलाम किया और कहा कि भारत एक शांतिप्रिय राष्ट्र है, लेकिन यदि मानवता पर कोई खतरा आता है, तो हम उसका मुकाबला करने में भी सक्षम हैं।

राज्यपाल ने झारखंड में विवि शिक्षा के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झारखंड न केवल खनिज संपदा से समृद्ध है, बल्कि यह संघर्ष और संस्कृति की भी भूमि है। उन्होंने निजी विवि से यूजीसी के मानकों का पालन करते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने का आग्रह किया ताकि झारखंड देश भर में अपनी पहचान बना सके। श्री गंगवार ने अरका जैन यूनिवर्सिटी में छात्राओं की उल्लेखनीय संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक पुरुष शिक्षित होता है तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, लेकिन जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है।

48 मेधावी छात्रों को मिला गोल्ड मेडल : समारोह में विश्वविद्यालय के 48 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इनमें वर्ष 2023 के 26 और वर्ष 2024 के 22 छात्र-छात्राएं शामिल थे, जिन्हें राज्यपाल गंगवार ने मंच पर सम्मानित किया।

वर्ष 2023 के गोल्ड मेडलिस्ट : प्रियंका कुमारी, सूर्या गोवरा, तुहिना रॉय, सुमैरा निदा, संगीता कुमारी, राकेश कुमार दास, सुदीप्त महतो, नितेश तिवारी, रोहित राज, बाबुल हलदर, इंद्रजीत कुमार सिंह, पंकज कुमार महतो, जया दुबे, सलोनी कुमारी, साहिल कुमार, सतप्रीत कौर, जयश्री समद, प्रियंका दासगुप्ता, कशफिन कामर, अंजलि गुप्ता, शुभजीत दास, वंशिका मल्होत्रा, साहिद अफरीदी, बिर्भद्र मंडल, हरबंश लाल साहू, अमरेन्द्र कुमार मिश्रा।

वर्ष 2024 के गोल्ड मेडलिस्ट : एकता केशरी, असेवता स्तुति एक्का, तान्या गुप्ता, जैस्मिन धनजल, हरमीत सिंह, मनोज गोराई, मोहम्मद युसुफ अली, स्निग्धा सिंह, नाहिदा तबस्सुम, संजना कुमारी, श्रेया बनर्जी, धैर्य आचार्य, मेघा इंदल, सतपाल सिंह, आयुष शर्मा, उषा कुमारी, गुरप्रीत कौर, मेघा सेनगुप्ता, एएस सिथालक्ष्मी, प्रिया गोप, सोमनाथ लाहा, अभिनंदन दास मोदक।

23 शोधार्थियों को मिली पीएचडी की उपाधि : दीक्षांत समारोह में इस वर्ष 23 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इनमें हर्षिता गुप्ता, अमित कुमार श्रीवास्तव, बिक्रांत तिवारी, मंदीप कौर, विशाखा जोसेफ, जसबीर सिंह धनजल, श्वेता कुमारी, नौशिन रजी, तैयबा खातून, रानी झा, चंचल मंडल, अभिषेक उपाध्याय, शालिनी प्रसाद, अमित कुमार सिंह, शबनम खातून, रोहन विजय शांडिल्य, रीता कुमारी, उषा कुमारी, इम्तियाज अहमद, सुमित कुमार मिश्रा, अमित चतुर्वेदी, बीना और निधि कुमारी शामिल हैं।

2322 छात्रों को मिली डिग्री : तृतीय दीक्षांत समारोह में वर्ष 2023 और 2024 में उत्तीर्ण हुए कुल 2322 छात्र-छात्राओं को स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की डिग्रियां प्रदान की गयीं। मौके पर छात्रों और अभिभावकों में भारी उत्साह देखा गया।

शिक्षा से दूर होगी गरीबी : चंपई

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि शिक्षित होकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं। शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने कहा कि गम्हरिया क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक डिग्री कॉलेज स्थापना का भी प्रस्ताव उन्होंने लाया था ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी उच्च तकनीकी शिक्षा मिल सके। चंपाई सोरेन ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा धन है जो बांटने से खत्म नहीं होता बल्कि उल्टे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और देश के विकास का आधार है। उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अरका जैन यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों की सराहना की और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रबंधन को भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

फिल्मी डायलॉग के जरिए वीसी प्रो ईश्वरन ने बताये सफलता का मंत्र

अरका जैन विवि के वाइस चांसलर प्रो डा ईश्वरन अय्यर ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए छात्रों को थ्री इडियट, संजू, शोले और हाथी मेरे साथी जैसे फिल्मों के संवाद के जरिए निजी जीवन एवं कैरियर में सफलता के मन्त्र बताये। उन्होंने कहा कि धैर्य, विनम्रता, डिग्निटी का पालन करने और बाज की तरह सोचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब भी जीवन में द्वंद्व की स्थिति आये तो आपको अपनी अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए। आपको अवश्य सही दिशा मिलेगी।

कोल्हान में गुणवत्ता युक्त शिक्षा की अलख जगा रहा अरका जैन विवि : राजेश शुक्ल

झारखंड बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि वह विवि के स्थापना काल से जुड़े हुए हैं,और इसकी उत्तरोत्तर प्रगति के गवाह हैं। अरका जैन विवि ने कोल्हान प्रमंडल में गुणवत्ता युक्त शिक्षा की अलख जगाने का काम किया है। नैक से ए ग्रेड मिलना इसकी प्रतिष्ठा को चार चांद लगाने वाला है।

खास बातें : इससे पहले, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का एकेडमिक प्रोसेशन के साथ दीक्षांत मंडप में स्वागत किया गया। यहां उन्होंने और विशिष्ट अतिथि चंपई सोरेन, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह की पारंपरिक शुरूआत की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह निदेशक डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि के समक्ष प्रस्तुत किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. प्रवीर कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ईश्वरन अय्यर ने स्वागत भाषण दिया और प्रतिकुलपति डॉ. अंगद तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. एसएस रजी भी मंच पर उपस्थित थे। समारोह में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के डीन, हेड, शिक्षक, छात्र, कर्मचारी, अभिभावक और जिला प्रशासन के अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

वित्त मंत्री से मिला सिंहभूम चैंबर का प्रतिनिधिमंडल

जमशेदपुर। सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल ने रांची में झारखंड राज्य के माननीय वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से मुलाकात कर प्रोफेशनल टैक्स के सरलीकरण, जमशेदपुर डिविजन के अंतर्गत आने वाले चार सर्किलों में उच्च अधिकारियों की जल्द नियुक्ति एवं वर्ष 2017 में जीएसटी के लागू होने के बाद कार्य संवेदकों को इसके अनुसार झारखंड में भुगतान नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुये उनका ध्यानाकृष्ट कराया।

जुस्को श्रमिक यूनियन तूफान का नामांकन रद

जमशेदपुर। टाटा स्टील यूआइएसएल की मान्यता प्राप्त यूनियन का चुनाव प्रक्रिया प्रगति पर है। चुनाव के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच की गयी, जिसमें कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार तूफान कुमार मिश्रा का नामांकन अवैध पाया गया। अन्य सभी नामांकन वैध पाये गए। चुनाव पदाधिकारी सीएस झा के हवाले से चुनाव समिति के सदस्य अश्विनी मथान और सरोज पांडेय ने बताया कि तूफान मिश्रा का नामांकन इसलिए रद कर दिया गया क्योंकि यूनियन संविधान के तहत उनकी सदस्यता के अभी 3 वर्ष पूरे नहीं हुए थे।

कांड्रा-सीनी रेलमार्ग पर महिला का शव बरामद

गम्हरिया। कांड्रा-सीनी रेलमार्ग पर पोल संख्या 396/एस-10 के समीप रेलवे लाइन से पुलिस ने एक महिला की सिर और दोनों पैर कटा हुआ शव बरामद किया है। रेल लाइन पर शव होने की सूचना कांड्रा थाना को आरपीएफ प्रभारी द्वारा दी गयी। सूचना मिलते ही सरायकेला के एसडीपीओ समीर सवैया, कांड्रा थाना प्रभारी विनोद मुर्मू, सीनी ओपी प्रभारी राजेंद्र प्रसाद, कांड्रा थाना के एएसआई दीप नारायण सिंह आदि मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मृत महिला की पहचान नहीं हो पायी है।

सेफ्टी फर्स्ट व डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग कल से

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा प्रत्येक माह की भांति सेफ्टी फर्स्ट एड डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग का आयोजन 5 से 10 जून तक किया जा रहा है, जिसमें कोई भी स्थानीय व अन्य जिलों व राज्य के प्रतिभागी अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर भाग ले सकते हैं। वर्ष 2025-26 में 500 रेड क्रॉस के युवा सदस्यों, एनसीसी एवं एनएसएस वोलेंटियर को इस ट्रेनिंग के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाना है।

राजनगर की पांच सड़कें होंगी सुदृढ़ चंपाई और जोबा ने किया शिलान्यास

पूर्व सीएम सह वर्तमान विधायक चंपाई सोरेन और सांसद जोबा सड़क सुदृढ़ीकरण का शिलान्यास करते हुए।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर/राजनगर। राजनगर प्रखंड में पांच ग्रामीण सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य होगा। मंगलवार को सांसद जोबा माझी और पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन ने सड़कों का शिलान्यास किया। जिन सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जाएगा उसमें भजरुडीह(सूयापोसी) से रघुनाथपुर तक 03.20 किमी पथ सुदृढ़ीकरण, बड़ा सिजुलता से इटापोखर भाया गोवर्धन तक 6.20किमी पथ सुदृढ़ीकरण, एसएच-06 से खैरवानी तक 2.60 किमी पथ सुदृढ़ीकरण, छोटा पहाड़पुर से लखीपुर भाया असुवा, वनकटी तक 4.50 किमी पथ सुदृढ़ीकरण एवं नामीबेड़ा से चापड़ा भाया छोटा पहाड़पुर, डूमुरडीहा, मगरकेला, मटुवासाई तक 8.40 किमी पथ सुदृढ़ीकरण कार्य शामिल है। सभी सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य करोड़ों की लागत से आरईओ विभाग करेगा।

परसूडीह के चार खंभा रोड में जेसीबी की चपेट में आकर सिदगोड़ा के रमेश की मौत

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। परसुडीह थाना क्षेत्र के चार खम्बा चौक में मंगलवार दोपहर जेसीबी की चपेट आने रमेश टुडू बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से रमेश को उठाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान डॉक्टर ने रमेश टुडू की मृत घोषित कर दिया।

रमेश सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के क्रॉस रोड नंबर 13/क्वार्टर नंबर 34 के रहने वाले है। वे उड़ीसा अपने गांव तिरिंग जा रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद बड़े भाई सुभाष टुडू सदर अस्पताल पहुंचे। बड़े भाई ने बताया कि छोटा भाई तीरिंग अपने गांव जा रहा था। तीरिंग में ही वहां एक दुकान में काम करता है।

पुलिस ने जेसीबी जब्त कर लिया है जबकि घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री दुर्घटना के बाद लोगों से बात करते और मृतक (नीचे)।

स्थानीय निवासी संजीव ने बताया कि जेसीबी चालक बाजार समिति के ओर से आ रहा था। टर्निंग के दौरान तेज रफ्तार आ रहे बाइक सवार जेसीबी से टकरा गया। दुर्घटना में बाइक सवार को चेहरे पर और पैर पर गंभीर छोटी लगी थी। चार खम्बा सदर अस्पताल और खासमहल रोड में रोजाना एक्सीडेंट की घटनाएं घट रही है। सदर अस्पताल के पास स्पीड ब्रेकर बनाया गया था परंतु घटिया निर्माण के कारण वह पूरी तरह समतल हो गया। दूसरी ओर चौक चौराहा पर स्पीड ब्रेकर बनाया जाना चाहिए।

एक नजर में

उच्च शिक्षा हासिल कर आइएएस बनना चाहती है जैक 12वीं की साइंस टॉपर अनिमा गोराई

गम्हरिया। वाणी विद्या मंदिर गम्हरिया की जैक बोर्ड की 12वीं साइंस टॉपर अनिमा गोराई आईएएस बन देश सेवा करना चाहती है। उसने इस वर्ष घोषित 12वीं में 83.8 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। गम्हरिया के स्टेशन रोड निवासी उसके पिता करमू गोराई व्यवसायी हैं जबकि माता रेवती गोराई गृह पत्नी हैं। उन्होंने अपने पुत्री की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि शुरू से ही अनिमा को पढ़ाई से लगाव रहा है और अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होती आई है। अनिमा ने बताया कि आगे वह स्नातक करके यूपीएससी की परीक्षा देना चाहती है। इसके लिए उसने अभी से ही तैयारी प्रारम्भ कर दिया है। अपनी इस सफलता का श्रेय उसने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है।

सर्वोदय समिति एवं केंद्रीय शांति समिति का प्रतिनिधिमंडल वरीय पुलिस अधीक्षक से मिला

जमशेदपुर। सर्वोदय समिति जमशेदपुर एवं केंद्रीय शांति समिति का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल नंदलाल सिंह एवं रियाजुद्दीन खान के नेतृत्व में आज पूर्वी सिंहभूम जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडे जी से भेंट कर उनका अभिनंदन किया और केंद्रीय शांति समिति तथा थाना शांति समितियों को और अधिक कैसे सक्रिय और प्रभावी बनाया जा सके इस पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय को सुझाव दिया कि वे समय-समय पर शांति समिति के सदस्यों के कार्यों एवं उनके सामाजिक पृष्ठभूमि की मॉनिटरिंग करें और उनकी योग्यता एवं क्षमता के हिसाब से उनकी भूमिका और जिम्मेदारी तय करें ताकि उसका सही परिणाम दिखे। केंद्रीय शांति समिति एवं थाना शांति समिति के सदस्य प्रशासन के अभिन्न अंग हैं इसलिए उन्हें शांति समिति की भूमिका के क्रम में जाति, संप्रदाय और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सिर्फ और सिर्फ सामाजिक सद्भाव, प्रेम एवं भाईचारा तथा शहर में अमन शांति कैसे बनी रहे इस पर ही काम करना है और इसे ही प्राथमिकता में रखना है। शांति समिति के बाहर अपने-अपने पार्टी की राजनीति करें परंतु शांति समिति के दायित्व निर्वहन के समय यथासंभव कुंठित मानसिकता और गुटबाजी की राजनीति से परहेज करें ताकि प्रशासन और जनता का विश्वास शांति समिति पर बना रहे।

रेडक्रॉस व यूसील का हेल्थ कैंप नानदुप में संपन्न

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा भारत सरकार के उपक्रम के यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम के तहत जून माह के प्रथम स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन पोटका प्रखण्ड के नान्दुप स्थित आदिवासी मिलन संघ सामुदायिक भवन में सम्पन्न हुआ। वरीय चिकित्सक डॉ जया मोईत्रा, वरीय नेत्र चिकित्सक डॉ बीपी सिंह अपने सहयोगी पारा मेडकिल कर्मियों के साथ 48 ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जांच किया, जरूरत के अनुसार ग्रामीणों को निशुल्क दवा के साथ चश्मा प्रदान किया गया। शिविर में रेड क्रॉस कार्यकर्ता राधेश्याम कुमार, राजेश मोहन प्रसाद, आशीष कुमार, श्याम कुमार प्रसाद शामिल हुए। संचालन रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय सिंह की देखरेख में हुआ। शिविर में यूसील के क्षेत्रीय अधिकारी अरुण नायक एवं रामदास सोरेन ने लोगों को शिविर हेतु प्रेरित किया।

मारवाड़ी युवा मंच सुरभि शाखा ने चार स्थानों पर लगायी पांच स्थायी अमृत धारा

जमशेदपुर। मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा मंगलवार को एक दिन में चार स्थानों पर पांच स्थाई अमृत धारा लगाया गया। राजकीय विधालय सीतारामडेरा में दो, हेमकुंड पब्लिक स्कुल खालसा क्लब के पास गोलमुरी, श्री दुर्गा मंदिर भुइयाडीह और आकर्षिनी मंदिर खरसावां में अमृत धारा का शुभारंभ हुआ। इसका उदघाटन बतौर मुख्य अतिथि पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल (गोल्डी) ने किया। मौके पर मोहित मुनका, अश्विनी अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, सन्नी संघी, हर्ष मुनका, राहुल चौधरी आदि मौजूद थे।

रेडक्रॉस में प्रीतिश, शाहनवाज आलम और अमनदीप ने दान किया एसडीपी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा लगातार चलाये जा रहे रक्तदान अभियान के बीच रक्त के प्रमुख घटक एसडीपी की आवश्यकता इन दिनों लगातार अनियमित मौसम के कारण पड़ रही है, दो मौसमों के बीच में एक ओर जहां रोग प्रतिरोधी शक्तियां कमजोर हो जाती है, वहीं रोग से लड़ रहे लोगों को इसमें और परेशानी आती है, जिस कारण प्लेटलेट्स जैसी रक्त की एक प्रमुख घटक भी काफी प्रभावित होती है।

आज रेड क्रॉस के माध्यम से तीन सिंगल डोनर प्लेटलेट्स का दान जरूरतमंदों के लिए रक्तदाताओं ने किया। इससे पूर्व सप्ताहांत में एक बहुत आवश्यक मामले में रेड क्रॉस से जुड़े समाजसेवी कार्यकर्ता प्रीतिश जैन ने अपना 17वां बार एसडीपी दान किया था, उन्होने 20 नियमित रक्तदान के साथ 37 रक्तदान पूरा किया, वहीं आज हुए 3 एसडीपी दान में टाटा स्टील कर्मी शाहनवाज आलम में 16वीं बार एसडीपी व 1 नियमित रक्तदान के साथ अपना 18 रक्तदान पूरा किया, टाटा स्टील कर्मी व यूनियम कमेटी मेम्बर अमनदीप ने मंगलवार को 18वीं बार एसडीपी के साथ अपने 16 नियमित रक्तदान से 34वां रक्तदान पूरा किया।

एसयूसीआई ने की पेंशन राशि 5000 करने की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन गम्हरिया के अंचल अधिकारी को सौंपा। उक्त ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत देय पेंशन राशि को प्रतिमाह एक हजार से बढ़ाकर पांच हजार रुपए करने की मांग की गयी है।

ज्ञापन में बताया गया है कि वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सर्वजन पेंशन, स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत एक हजार रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जा रहे हैं, जो कि आज के समय में निरंतर बढ़ती महंगाई के कारण अपर्याप्त है। सीओ द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया कि बजट सत्र का रुपया रुका हुआ है, ऊपर से फंड आने से मिल जायेगा। साथ ही, मुख्यमंत्री तक पेंशन राशि बढ़ाने की उनकी मांग पहुंचा दी जायेगी।

आला दर्जे के चिकित्सक और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे डॉ के कार्तिक

डॉ त्रिपुरा झा

जमशेदपुर। चिकित्सा जगत की प्रगति एवं समृद्धि के संवाहक डॉ. के.कार्तिक अय्यर जिनका जन्म तमिलनाडु के अरियूर गांव में 24.07.1956 में हुआ और 20.05.2025 को झारखंड के शहर जमशेदपुर में उनका स्वर्गवास हो गया। उनकी सहधर्मिणी पत्नी डॉ रामा सुब्रह्मण्यम विदुषी सुसंस्कृत सशक्त नारी ही नहीं, अपितु गृहविज्ञान की प्रोफेसर एवं जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक की भूमिका के माध्यम से अपने अनुशासन कर्मनिष्ठा एवं प्रतिबद्धता से विश्वविद्यालय परिवेश को एक नया आयाम दिया। डॉ अय्यर के पुत्र डॉ.अभिषेक अय्यर, पुत्रवधू डॉ. हर्षिणी, पुत्री डॉ उपासना सभी चिकित्सा में स्नातकोत्तर है एवं वर्तमान में टीएमएच में कार्यरत हैं।

डॉ अय्यर नारी सशक्तिकरण के पक्षधर थे। अपने ही आंगन से अपनी सहधर्मिणी,पुत्री एवं पुत्रवधू को समाज सेवा का आश्रय प्रदान कर राष्ट्र को चिकित्सक, प्रोफेसर एवं समाज सेवक प्रदान किया। उनके व्यक्तित्व के वैशिष्ट्य में मैं एक दृष्टांश व्यक्त करती हूं।

स्वर्ग के बारे में लिखती हुई एमिली डिकिंसन ने कहा है कि स्वर्ग एक ऐसी जगह है जहां मैं कभी नहीं पहुंच सकती जैसे ऊंचे वृक्ष पर कोई सेब आभाविहीन टंगा हुआ है -ऐसा ही स्वर्ग है मेरे लिए। एमिली चाहती तो अपने लिए स्वर्ग की कल्पना कर सकती थी,परंतु उन्होंने वैसा नहीं किया। मगर आज भी कुछ है जो अपनी सर्मपण से स्वर्ग रच लेते हैं। ऐसे ही डॉ के कार्तिक अय्यर बहुकोणिया, बहुउद्देशीय, चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज के ताना-बाना को बुनते हुए अगली पीढ़ी को भी उसे कतार में खड़ा किया जहां से नवोदित चिकित्सक को उत्प्रेरित, उद्बोधित, उर्जस्विता कर नवोन्मेष का मार्ग प्रशस्त करता है।

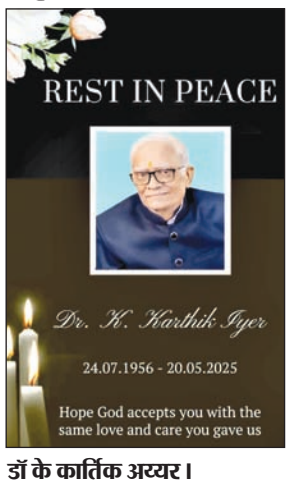

डॉ के कार्तिक अय्यर।

एक विरल विलक्षण व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति डॉ केके अय्यर थे। चिकित्सा जगत की प्रगति और समृद्धि के सेवाहक -डॉ के अय्यर एवं मानवता की रक्षा के उद्घोषक थे। वाद -विवाद- प्रतिवाद से सर्वदा अलग, सार्थक संवादकर्ता, समय-सजग, समान -सापेक्ष्य, कवि हृदय, सर्जक, संवेदनात्मक ज्ञान से पुष्टि प्राप्ति मूल्य मनुष्यता मयार्दा के प्रतिमान थे।

साहित्य जगत व लेखन कार्य से संबद्धजनों को दायित्व बोध कराते हुए आपके शब्द आज भी सहज मुखारित होने से प्रतीत होते हैं। आपने संवाद-क्रम में लेखनीय अवधारणा एवं राष्ट्रभाव को स्पष्ट करते हुए आपने उपेक्षा प्रकट की कि राष्ट्रीय अखंडता की भावना प्रत्येक नागरिक और रचनाकार हेतु आवश्यक है, चाहें वह किसी भी धर्म या समुदाय का हो। मात्र औषधि देना और शुल्क ले लेना व्यावसायिक कृत नहीं। बल्कि डॉ अय्यर इस बात को रेखांकित किया करते थे कि हम सब और सहनशील समाज के सदस्य हैं।

(नोट : लेखिका डॉ त्रिपुरा झा शिक्षाविद् एवं साहित्यकार हैं)

कोहली की आरसीबी पहली बार बनी चैंपियन, ट्रॉफी जीतने वाली आठवीं टीम बनी, फाइनल में पंजाब को हराया

18वीं सीजन जर्सी नंबर 18 के नाम

एजेंसी

अहमदाबाद। आइपीएल का 18वां सत्र अपने अंजाम पर पहुंच गया है। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच इस टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला खेला गया। इस मैच में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। आरसीबी ने विराट कोहली की 43 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बनाए। जवाब में पंजाब निर्धारित ओवरों में सात विकेट खोकर सिर्फ 184 रन ही बना पाई। इसी के साथ आरसीबी ने यह मुकाबला अपने नाम कर लिया और अपना पहला खिताब जीत लिया।

किस खिलाड़ी को कौन सा अवॉर्ड मिला, पैसों की बारिश हुई

अवॉर्ड	इनामी राशि	विजेता
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द मैच	1 लाख रुपये	जितेश शर्मा
फेंटसी किंग ऑफ द मैच	1 लाख रुपये	शशांक सिंह
सुपर सिक्सेस ऑफ द मैच	1 लाख रुपये	शशांक सिंह
ऑन द गो 4 ऑफ द मैच	1 लाख रुपये	प्रियांश आर्या
ग्रीन डॉट बॉल्स ऑफ द मैच	1 लाख रुपये	कुणाल पांड्या
प्लेयर ऑफ द मैच	5 लाख रुपये	कुणाल पांड्या
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	साई सुदर्शन
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन	टाटा कर्व	वैभव सूर्यवंशी
फेंटसी किंग ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	साई सुदर्शन
सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	निकोलस पूरन
ऑन द गो 4 ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	साई सुदर्शन
ग्रीन डॉट बॉल्स ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	मो. सिराज
कैच ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	कामिंदु मेंडिस
फेयर प्ले अवॉर्ड	ट्रॉफी	चेन्नई
पर्पल कैप	10 लाख रुपये	प्रसिद्ध कृष्णा
ऑरेंज कैप	10 लाख रुपये	साई सुदर्शन
मोस्ट वैलुएबल प्लेयर ऑफ द सीजन	15 लाख रुपये	सूर्यकुमार यादव
पिच एंड ग्राउंड अवॉर्ड	50 लाख रुपये	दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन

बेंगलुरु 190/9 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
साल्ट कै. अय्यर बो. जेमीसन	16	09	02	01
कोहली कै. एंड बोल्ड ओमरजाई	43	35	03	00
अग्रवाल कै. सिंह बो. चहल	24	18	02	01
पाटीदार एलबीडब्ल्यू जेमीसन	26	16	01	02
लिविंगस्टन एलबीडब्ल्यू जेमीसन	25	15	00	02
जितेश बो. विशाक विजय	24	10	02	02
शेफर्ड एलबीडब्ल्यू अर्शदीप	17	09	01	01
कुणाल कै. अय्यर बो. अर्शदीप	04	05	00	00
भुवनेश्वर कै. आर्या बो. अर्शदीप	01	02	00	00
यश दयाल नाबाद	01	01	00	00
अतिरिक्त : 09				
विकेट पतन : 1-18, 2-56, 3-96, 4-131, 5-167, 6-171, 7-188, 8-189, 9-190.				
गेंदबाज : अर्शदीप सिंह : 4-0-40-3, काइल जेमीसन : 4-0-48-3, अजमतुल्लाह ओमरजाई : 4-0-35-1, विशक विजय कुमार : 4-0-30-1, युजवेंद्र चहल : 4-0-37-1.				

पंजाब 184/7 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
आर्या कै. साल्ट बो. हेजलवुड	24	19	04	00
प्रभसिमरन कै. कुमार बो कुणाल	26	22	00	02
इंगलिस कै. लियाम बो. कुणाल	39	23	01	04
श्रेयस कै. जितेश बो. शेफर्ड	01	02	00	00
नेहाल कै. कुणाल बो कुमार	15	18	00	01
शशांक सिंह नाबाद	61	30	03	06
स्टोइनिस कै. दयाल बो. कुमार	06	02	00	01
ओमरजाई कै. भांडगे बो. दयाल	01	02	00	00
काइल जेमीसन नाबाद	00	02	00	00
अतिरिक्त : 06				
विकेट पतन : 1-43, 2-72, 3-79, 4-98, 5-136, 6-142, 7-145.				
गेंदबाज : अर्शदीप सिंह : 4-0-40-3, काइल जेमीसन : 4-0-48-3, अजमतुल्लाह ओमरजाई : 4-0-35-1, विशक विजय कुमार : 4-0-30-1, युजवेंद्र चहल : 4-0-37-1.				

विराट ने अनुष्का को लगाया गले

अनुष्का शर्मा को गले लगाने के बाद विराट कोहली पूरी तरह से भवुक नजर आ रहे थे। उनकी आंखों में आंसू था और वो किसी छोटे बच्चे की तरह अनुष्का से लिपटे हुए थे। अनुष्का भी उन्हें बधाइयां दे रही थी। विराट कोहली ने इस पल के लिए बहुत मेहनत की है। वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी, अंडर 19 वर्ल्ड कप जैसे खिताब जीतने के बाद भी उनकी लाइफ में किसी चीज की कमी थी, तो वह आईपीएल का खिताब था, आज कोहली ने इसे भी हासिल कर लिया है।

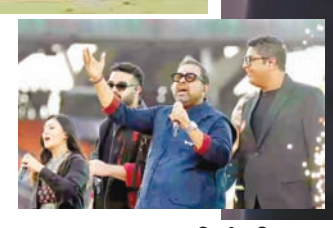

मिली राशि

चैंपियन	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	20 करोड़ रुपये
रनर-अप	पंजाब किंग्स	12.5 करोड़ रुपये

पत्नी के साथ पहुंचे सुनक

ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक इन दिनों भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को वह अपनी पत्नी के साथ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे। यहां वह अपनी पसंदीदा टीम आरसीबी का समर्थन कर रहे हैं। भारतीय मूल के 45 वर्षीय राजनेता ने अपने एक्स हैंडल से तस्वीर साझा की।

आइपीएल के समापन समारोह में शंकर महादेवन ने बांधा समां

अहमदाबाद। आइपीएल 2025 का समापन समारोह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया गया और दर्शकों ने तिरंगा लहराकर सेना के शौर्य को सलाम किया। कार्यक्रम में मशहूर गायक शंकर महादेवन ने प्रस्तुति दी और देशभक्ति के गानों से समां बांध दिया। समापन समारोह के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। आइपीएल का समापन समारोह सशस्त्र बलों को समर्पित था। बीसीसीआइ ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने का फैसला किया था और समापन समारोह के लिए सीडीएस सहित तीनों सेनाओं के प्रमुखों को न्योता दिया था। हालांकि, स्टेडियम में सीडीएस या तीनों सेनाओं के प्रमुख नहीं आए। समापन समारोह के दौरान सिर्फ देशभक्ति के गानें बजाए गए और शंकर महादेवन ने भी इन्हीं गानों पर प्रस्तुति दी। आइपीएल समापन समारोह की शुरूआत 'केसरी रंग' गाने के साथ हुई। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 'जय हो' गाने की धुन पर दर्शक झूम उठे। समापन समारोह के दौरान मशहूर गायक शंकर महादेवन प्रस्तुति दी। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरूआत ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए की।

गुकेश ने जबरदस्त वापसी कर एरिगैसी को भी हराया

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में जबरदस्त वापसी की है। उन्होंने दिग्गज मैग्नस कार्लसन को हराने के बाद के सातवें दौर के मुकाबले में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हरा दिया। इन दोनों के खिलाफ गुकेश को शुरूआत में हार मिली थी। अब उन्होंने जबरदस्त पलटवार किया है। यह गुकेश की एरिगैसी पर क्लासिकल चेस में पहली जीत है। लगातार जीत से 19 साल के इस भारतीय खिलाड़ी ने अंक तालिका में कार्लसन को पछाड़ दिया है और वह फैबियानो कारूआना के बाद दूसरे स्थान पर आ गए हैं। कारुआना ने एक अन्य मैच में वेई यी को मात दी थी। गुकेश एक वक्त इस टूर्नामेंट में अंक तालिका में पांचवें स्थान पर चल रहे थे। अब लगातार दो जीत ने उनका दावा मजबूत कर दिया है। गुकेश की

वापसी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। एरिगैसी से उनकी टक्कर रोमांचक रही। अर्जुन ने शुरूआत में मुहरों की ऐसी चाल चली की गुकेश मैच में कहीं नहीं दिखे। एरिगैसी गुकेश पर एक और कमांडिंग जीत के लिए तैयार दिखे। गुकेश की एक गलती से वहां मौजूद कई विश्लेषकों को लगा कि विश्व चैंपियन खिलाड़ी ने लगभग मैच को गंवा ही दिया है। हालांकि, गुकेश ने कार्लसन के खिलाफ मैच की तरह ट्रेडमार्क वापसी की और सामरिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बढ़ते दबाव में उन्होंने धीरे-धीरे सटीक गणना और मजबूत डिफेंस के साथ खेल में वापसी की। एक रोमांचक मोड़ पर गुकेश ने एरिगैसी को मिली बढ़त को बेअसर कर दिया। साथ ही गुकेश ने मैच में पेस बनाना शुरू किया। ऐसा ही उन्होंने कार्लसन के खिलाफ किया था। इससे एरिगैसी पर समय का दबाव बनता गया। जैसे-जैसे समय की परेशानी बढ़ती गई, एरिगैसी की चालों ने गुकेश को वापसी का पर्याप्त मौका दिया। इस मौके को गुकेश ने शानदार तरीके से भुनाया।

ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में झारखंड के महिला खिलाड़ियों ने जीते मेडल

रांची। कटक उड़ीसा के जवाहर लाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में 30 से 01 जून 2025 को आयोजित 9वां नेशनल ओपन क्यूरूगी एवं पूमसे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। यह चैंपियनशिप ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत कराया गया था। जिसकी मेजबानी उड़ीसा ताइक्वांडो एसोसिएशन ने किया। इस चैंपियनशिप में झारखंड से 4 खिलाड़ियों ने भाग लिया। सारे खिलाड़ी रांची से है। खिलाड़ियों ने अपना पूरा दम दिखाते हुए झारखंड के लिए कहकशा परवीन (स्वर्ण पदक), काजल कुमारी (रजत पदक) और शिवानी कुमारी और कुसुम प्रिया (कांस्य पदक) हासिल कर झारखंड राज्य का नाम रौशन किए। टीम के कोच सकील अंसारी थे। विजेता खिलाड़ी कोच सकील अंसारी के देख-रेख में ओरमांझी, रांची में ताइक्वांडो का ट्रेनिंग लेते है। इस उपलब्धि से संस्था के लोगों एमडी जमील अंसारी, शाहनवाज अंसारी, अबु अब्बास अली, जयपाल महतो, इबरार कुरैशी, मनीषा मुंडा, विकास तिर्की, खुशी तिर्की, खुशबू कुमारी, मोहित मुंडा आदि ने बधाईयां दी।

12वीं राष्ट्रीय बीच कबड्डी प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम आंध्र प्रदेश के लिए किया प्रस्थान

रांची। कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड की ओर से टीम को दी गई शुभकामनाएं। कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, चेयरमेन बिपिन कुमार सिंह, महासचिव मुकेश कुमार सिंह, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक तेज नारायण प्रसाद माधव, पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, नवनीत कुमार सोनू, जगदीश कुमार, आलोक कुमार, मदन मोहन पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, राजीव कुमार, अनीता कुमारी, आशा कुमारी, हैदर हुसैन, मुकेश कुमार, राखी कुमारी, उपेंद्र, सुनीता कुमारी, प्रद्युम्न पांडेय, मदन राय आदि शामिल है।

आर सी ए प्रीमियर लीग सीनियर 2025

रांची। रांची के सेंट जेवियर स्कूल ग्राउंड में मंगलवार आर सी ए प्रीमियर लीग सीनियर 2025 का फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें। आर सी ए नाइट राइडर्स ने आर सी ए चार्जर्स को को 3 विकेट से हराया फाइनल मैच के मुख्य अतिथि के रूप अधिवक्ता सूरज मोहन उपस्थित थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए आर सी ए चार्जर्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 121 रन बनाए अवल्ष ने 52 तेजश 34 रन का योगदान दिया। प्रदीप और प्रणव को 2-2 विकेट लिये। जवाब में आर सी ए नाइट राइडर्स की टीम ने 15 .3 ओवरों में 7 विकेट खोकर 125 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रणव ने 34 अभिराज ने 15 प्रदीप ने 17 रन का योगदान दिया अंकित ने 18 रन देकर 5 विकेट लिये। फाइनल मैच का प्लेयर ऑफ द मैच अंकित को चुना गया। वहीं बेस्ट बैट्समैन प्रणव चौधरी तथा बेस्ट बॉलर आदित्य बंधु को दिया गया विजेता और उपविजेता टीम को कप और मेडल देकर मुख्य अतिथि सूरज मोहन ने सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मोहम्मद वसीम, मोहम्मद उज्जैर, समीर चौधरी, रणविजय सिंह, कुंतक आनंद, राजीव महतो, मकसूद और कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

सिंधू और सात्विक-चिराग की जोड़ी दूसरे दौर में, सेन और प्रणय बाहर

एजेंसी

जकार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्रीक्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। सिंधू ने महिला एकल में अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 21-23, 21-15 से हराया। अब राउंड 16 में उनका सामना थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्णपावी चोचुवोंग से होगा। सिंधू ने मैच के बाद कहा पहले दौर में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे निश्चित तौर पर मेरा हौसला बढ़ेगा। मैं पहले दौर में

हारती रही हूं, इसलिए इस तरह के मैच जीतना मेरे लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है। सेन ने एक घंटे और पांच मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी चीन के शि यू क्यू से 11-21 22-20 15-21 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। भारत के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पीठ की चोट से उबरकर वापसी की। चोट के कारण वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में मैच के बीच से हट गए थे लेकिन यहां उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया। पहला गेम आसानी से गंवाने और दूसरे गेम में 11-17 से पीछे होने के बाद सेन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम तक खींच दिया। लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। पुरुष एकल में एचएस प्रणय भी इस 1,450,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 17-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

फिर सात्विक और चिराग की पुरुष युगल जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो और बागास मौलाना को 67 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 18-21 21-18 21-14 से हराकर राउंड 16 में जगह बनाई। सिंधू और ओकुहारा के बीच गलतियों से भरा मैच रोमांचक रहा, जिसमें काफी गेम प्वाइंट और मैच प्वाइंट मिले। सिंधू ने पहला गेम 22-20 से जीता। भारतीय खिलाड़ी ने इस दौरान एक गेम प्वाइंट बचाया और महत्वपूर्ण क्षणों में आक्रामक शॉट लगाए। दूसरे गेम में सिंधू ने शुरूआत में दो अंकों की मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे थीं। उन्होंने वापसी की और जोरदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट हासिल किए, लेकिन सिंधू ने लगातार गलतियां की जिसका फायदा उठाकर ओकुहारा 20-20 से बराबरी पर आ गयीं। जापानी खिलाड़ी ने आखिरकार दूसरा गेम 23-21 से जीत लिया। निर्णायक गेम में ब्रेक तक सिंधू 11-9 से आगे थीं और फिर उन्होंने लगातार विनर्स लगाते हुए आठ मैच प्वाइंट हासिल किए और पांचवें मैच प्वाइंट को भुनाकर अगले दौर में प्रवेश किया।

सिंधू महिला एकल के अगले दौर में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। अब उनका मुकाबला थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचिवोंग से होगा। मालविका बंसोड़ इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वदार्नी के खिलाफ महिला एकल मैच के बीच में ही रिटायर हो गयीं।

बीएसएल को क्षतिग्रस्त आवासों को रिपेयरिंग करना होगा : ढुल्लू महतो

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो में बीएसएल के द्वारा 161 ब्लॉक को जिसमें सेक्टर 6 और सेक्टर 12 के क्वार्टर शामिल है उसको क्षतिग्रस्त घोषित किया गया है और सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवास को खाली करने का नोटिस दिया गया है। बीएसएल के इस फरमान के बाद आवास में रहने वाले लोगों में रोष और गुस्सा व्याप्त है उनका कहना है कि बीएसएल ने आज तक क्वार्टर का मरम्मत नहीं करवाया है। बहुत सारे ऐसे क्वार्टर है जो जर्जर नहीं है लेकिन बीएसएल उसको भी क्षतिग्रस्त घोषित कर दिया है। आवास बचाओ संघर्ष समिति ने बीएसएल के इस निर्णय के विरोध में सेक्टर 12 के दुर्गा पूजा मैदान में आक्रोश सभा का आयोजन किया। मुख्य अतिथि भाजपा के धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोग नहीं चाहते थे कि इस क्षेत्र से ढुल्लू महतो सांसद बने-इसी का डर था कि किसी गरीब का आवास खाली नहीं कराया जा सकता है। हम भगवान राम के भक्त हैं और जो राम का भक्त होता है वह जाति- पाति व क्षेत्रवाद का राजनीतिक नहीं करता है समाज और गरीबों के लिए राजनीति करता है। सांसद ने कहा कि इस मामले पर मंत्री स्तर से और सेल चेयरमैन से बात करवाएंगे ताकि किसी भी कीमत पर आवास खाली नहीं होना चाहिए। बीएसएल को हर हाल में रिपेयरिंग करना होगा। ढुल्लू महतो के रहते किसी भी कीमत पर क्वार्टर खाली नहीं हो सकता है। बीएसएल ने नोटिस के माध्यम से कहा है कि बोकारो स्टील सिटी के इन आवासीय ब्लॉकों को नगर प्रशासन विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त घोषित किया गया है। इन ब्लॉकों में रहना सुरक्षित नहीं है। लाइसेंस पर दिए गए आवासों में रहने वाले आवंटियों और गैर-बीएसएल आवंटियों को स्थानांतरित किया जाएगा जिसकी विस्तृत जानकारी आगे दी जाएगी।

डीआई के मार्गदर्शन में बीएसएल के एसएमएस न्यू ने रचा नया कीर्तिमान

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के स्टील मेल्टिंग शॉप-न्यू विभाग ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए लगातार 252 हीट्स की निर्बाध कास्टिंग सीक्वेंस का सफल संचालन कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह उपलब्धि पूर्व में बनाए गए 211 हीट्स के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए बीएसएल की तकनीकी दक्षता परिचालन उत्कृष्टता और टीम वर्क का प्रमाण है। इस सीक्वेंस की शुरूआत 26 मई 2025 को हुई थी और इसका समापन 2 जून 2025 को हुआ। इस दौरान फ्लाइंग टंडिश का नौ बार उपयोग करते हुए लगातार आठ दिनों तक कास्टर का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया गया। कुल 1321 स्लैब्स की कास्टिंग की गई । इस प्रक्रिया में लगभग 30000 टन स्टील का उत्पादन हुआ। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी एवं ईडी- संकार्य सीआर महापात्रा के मार्गदर्शन में साकार किया गया। इस निर्बाध कास्टिंग सीक्वेंस का नेतृत्व सीजीएम प्रभारी अरविंद कुमार एवं सीजीएम पीवी राव द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसएमएस-न्यू विभाग ने सिंगल टंडिश से रिकॉर्ड 34 हीट्स की कास्टिंग कर एक और कीर्तिमान स्थापित किया था।

इस अवसर पर बीएसएल प्रबंधन ने एसएमएस-न्यू विभाग की समर्पित टीम एवं सहयोगी विभागों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। यह सेल के विकसित भारत के निर्माण हेतु सतत योगदान का सशक्त उदाहरण है।

एक नजर में

एक बच्चे की मां ने कीटनाशक खाकर दी जान

दुमका। जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जियाथर गांव में मंगलवार को 23 साल की एक बच्चे की मां चंपा देवी ने कीटनाशक खाकर जान दे दी। नगर थाना की पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार मां पारोती देवी ने बताया कि दस साल पहले बेटी की शादी मसलिया के सागबेहरी निवासी अनिल राणा से हुई थी। अनिल बाहर मजदूरी करता था। दो साल से बेटी मायके में रह रही थी। सुबह पता नहीं किस कारण से कीटनाशक खा लिया। आंगन में गिरने के बाद उल्टी करने लगी। हालत अधिक खराब होने पर बेटी को मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद नगर थाना के एएसआई दीपक सोरेंग अस्पताल पहुंचे और मां का बयान लेकर शव का पोस्टमार्टम कराया। दीपक ने बताया कि मां न तो किसी पर संदेह जताया है और नहीं दामाद पर कोई आरोप लगाया है। डर के कारण पति अस्पताल भी नहीं आया। यूजी केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बोकारो : अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पति की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

बोकारो/कसमार। कसमार थाना क्षेत्र के बगियारी कब्रिस्तान के समीप मंगलवार को अज्ञात बोलेरो वाहन की चपेट में आने से पति की मौके पर मौत पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। जामकुदर निवासी बिनोद अपनी पत्नी के साथ दोपहर लगभग ढाई बजे खैराचातर बैंक जा रहे थे। इसी दौरान बरियारी कब्रिस्तान के समीप विपरीत दिशा से आ रही बोलेरो की चपेट में आने से लगभग 50 वर्षीय बिनोद महतो की मौके पर ही मौत हो गयी और 45 वर्षीय पत्नी कुसमी देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसका इलाज बीजीएच बोकारो में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि काफी तेज गति से चल रहा बोलेरो वाहन मृतक समेत उनकी बाइक को लगभग तीस मीटर तक घसीटते हुए ले गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों की मांग थी कि हादसे में शामिल वाहन को जल्द से जल्द पकड़ा जाये और आरोपी पर कार्रवाई हो। इसके साथ ही ग्रामीण मृतक के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग भी कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को शांत कराया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने पीड़ित परिवार को सरकार के प्रावधान के अनुसार मिलने वाले लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने मृतक का शव उठाने दिया।

सीडब्ल्यूसी ने पाकुड़ के किशोर को परिजनों को सौंपा

दुमका। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) दुमका ने पाकुड़ जिले के 14 वर्षीय किशोर के परिवार को खोज निकाला है और चार दिनों के अंदर किशोर को उसके माता-पिता के साथ घर भेज दिया है। समिति के सदस्य डॉ0 राज कुमार उपाध्याय ने बताया कि आरपीएफ द्वारा रेस्क्यू किये गये एक किशोर को रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क के केस वर्कर पवन कुमार मंडल ने 30 मई को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया था। समिति ने पाकुड़ जिले के पत्रकार मुकेश कुमार जायसवाल से संपर्क किया तो उन्होंने पत्रकार अंकित कुमार का नंबर उपलब्ध करवाया। समिति कें आग्रह पर पत्रकार अंकित कुमार ने बालक के माता-पिता को ढूंढ निकाला और उनसे बेटे की बात भी करवा दी। समिति के निर्देश पर पाकुड़ डीसीपीओ ने किशोर का सामाजिक जांच प्रतिवेदन समर्पित कर दिया। बालक के माता-पिता, उसकी नानी और मौसी समिति के समक्ष हाजिर हुए। मां ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में उसने बेटे को उसकी नानी के घर शिकारीपाड़ा में पहुंचा दिया था। बात नहीं मानने पर मां ने बेटे की पिटाई कर दी थी जिस कारण किशोर शिकारीपाड़ा से ट्रेन से दुमका रेलवे स्टेशन आ गया। बाद में सूचना मिली कि किशोर दुमका में है तो वह उसे लेने आयी है। समिति ने किशोर को उसकी मां को सौंपते हुए सात दिनों के अंदर पाकुड़ सीडब्ल्यूसी के समक्ष उसे प्रस्तुत करने का आदेश जारी किया है।

आरसीएमयू संग कथारा कांग्रेस परिवार ने दिगंबर महतो को बधाई दी

बेरमो। लंबे समय तक कांग्रेस तथा इंटक से जुड़कर बेरमो में राजनीति करके एक अपना अलग और पहचान बनाकर मुकाम बनाया। 14 वर्षों तक वनवास में रहकर जब वनवास खत्म हुआ तो पुनः राजेंद्र बाबू के प्रति आस्था रखते हुए अनुप बाबू के नेतृत्व में कार्य करने के लिए संगठन में शामिल होने वाले दिगंबर महतो का स्वागत कथारा कांग्रेस व इंटक परिवार द्वारा किया गया। विधायक प्रतिनिधि व क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने कहा जुझारू एवं अनुभवी साथी मृदभासी दिगंबर महतो का संगठन से दूर होना यूनियन तथा पार्टी के सभी लोगों को काफी खलता था। यूनियन तथा पार्टी के लोग दिगंबर महतो को अपने परिवार का ही सदस्य मानकर चलते थे लेकिन एक ही घर में अलग-अलग कमरे में रहना लोगों को नागवार लगता था। राजनीतिक घटनाक्रम में कुमार जय मंगल उर्फ अनूप सिंह का संगठन के पुराने साथियों के प्रति लगाव और प्रेम जो साथ में है उनके प्रति भी जो साथ में नहीं है उनके प्रति भी हमेशा एक जैसा है। अनुप बाबू अपने विरोधियों को भी अपना ही मानते हैं वह उनके विषय वस्तु होता है कि उन्हें करना क्या है लेकिन पूरे विधानसभा वासी को अनुप बाबू अपना परिवार और सदस्य मानते हैं इसी कड़ी में आज उनके नेतृत्व और प्रेम के तहत दिगंबर महतो पुनः कांग्रेस में शामिल हुए। जल्द ही समारोह आयोजित कर कथारा में भी सम्मान समारोह किया जाएगा। दिगंबर महतो ने कहा की आजीवन कांग्रेसी बनाकर और कांग्रेसी रहकर अपनी सेवा प्रदान करूंगा। हर संभव अनुप बाबू की ताकत बढ़े वैसा दिनचर्या और कार्य रहेगा। लोगों के स्नेह और प्यार पाकर अभी भूत हूं। हमेशा लोगों के सुख दुख का साथी बना रहूंगा। बधाई देने वालों में क्षेत्रीय अध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह रीजनल कमेटी के संगठन सचिव वेदव्यास चौबे क्षेत्र के सहायक सचिव आशीष चक्रवर्ती शाखा सह सचिव कमलकांत सिंह प्रमोद यादव सहित अन्य शामिल थे।

मजदूरों के निबंधन को लेकर इंडोर स्टेडियम में लगेगा दो दिवसीय शिविर 16 जून से

दुमका। डीसी अभिजीत सिन्हा के निर्देशानुसार इंडोर स्टेडियम में दो दिवसीय शिविर लगा मजदूरों का निबंधन किया जायेगा। शिविर 16 एवं 17 जून को लगेगी। जिसमें जिले के शहरी क्षेत्र के स्वनियोजित कर्मकार जो ढ़ाई एकड़ या उससे कम कृषि योग्य भूमि धारित करते हो या भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधित नहीं होने वाले नियोजन में मजदूरी करता हो के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें झारखंड असंगठित कर्मकार समाजिक सुरक्षा योजना के तहत श्रमिकों का निबंधन होगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए शहरी क्षेत्र के विभिन्न प्रकार के श्रमिक निबंधन कराने के लिए कैंप में भाग ले सकते है। धोबी, दर्जी, माली, नाइ, बुनकर, रिक्शा चालक, घेरलु कामगार, कचरा बीनने वाले, खुदरा सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता, फूल विक्रेता, चाय दुकान या ठेला लगाने वाले, चाट ठेला लगाने वाले, फुटपाथ व्यापारी, कुली, रेजा, जनरेटर व लाईट उठाने वाले, केटरिंग में काम करने वाले कुली, फेरी लगाने वाले रेजा, मोटर साइकिल व साइकिल मरम्मत करने वाले, गैरेज मजदूर, परिवहन में लगे मजदूर, ऑटो चालक, टैक्सी चालक, सफाई कामगार, ढोल-बाजा बजाने वाले, टेंट हाउस में काम करने वाले, वनोपज में लगे मजदूर, मछुवारा, तांगा व बैल गाड़ी चलाने वाले,तेल पेरने वाले, अगरबत्ती बनाने वाले, गारीवान, घेरलु उद्योग में लगे मजदूर, भारभूजे(मुरा,चना फोरने वाले), पशुपालन, मत्स्य पालन,मुगी,बतख पालन में लगे मजदूर, दुकानों में काम करने वाले मजदूर, मजदूर, लादने एवं उतारने वाले इत्यादि श्रमिक इस योजना का लाभ ले सकते है।

स्पीड न्यूज

खमहरा नदी में डूबा पिट्स मॉडर्न स्कूल का छात्र, शव बरामद

बेरमो। मंगलवार को खमरा नदी के देसी पार्क में एक दर्दनाक हादसे में पिट्स मॉडर्न स्कूल, गोमिया के कक्षा 10वीं के छात्र की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान नरकी खरकिटो गांव निवासी 15 वर्षीय रॉबिंसन यादव के रूप में हुई है, जो दो भाइयों में सबसे बड़ा था। वह अपनी मां के साथ गोमिया में रहकर पढ़ाई करता था, जबकि उसके पिता मुंबई में टैक्सी चलाते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रॉबिंसन दोस्तों के साथ नदी नहाने के दौरान बॉल खेल रहा था। गेंद पानी में चली गई और उसे निकालने के दौरान संभवतः उसका पैर फिसल गया। वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रफुल कुमार महतो,एएसआई अभिषेक किशोर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। और खोज बिन के बाद बच्चे का शव बरामद किया गया। रॉबिंसन को तुरंत तेनुघाट अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही, गोमिया बीडीओ महादेव कुमार महतो, अंचल अधिकारी आफताब आलम समेत कई लोग मौके पर पहुंचे। इस दर्दनाक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को गोमिया अस्पताल ले आई जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच जारी है।

चिन्मय विद्यालय के 16 विद्यार्थी जेईई एडवांस्ड 2025 में सफल

बोकारो। आईआईटी जेईई एडवांस्ड 2025 में चिन्मय विद्यालय बोकारो के 16 छात्र-छात्राओं ने सफल होकर देश के प्रतिष्ठित आईआईटी जेईई संस्थानों में उच्चतर अध्ययन के लिए अपनी जगह पक्की की है। विद्यालय के छात्र निलेश को सामान्य कैटेगरी में 4651 रैंक मिली तो मयंक को एससी रैंक में 210वीं रैंक मिली। इनके अलावा मयंक कुमार अतिन गौरव अश्विन कुमार रोहित राय प्राकृत प्रसून नारायण राय प्रियांशु राज आलोक राज सत्यम सोनी अभय मल्लिक रिशु राज पुष्कर सिन्हा निलेश कुमार मयूरेश आदि ने सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के अध्यक्ष बी मुखोपाध्याय सचिव महेश त्रिपाठी कोषाध्यक्ष आरएन मल्लिक प्राचार्य सूरज शर्मा उपप्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं हेडमास्टर गोपाल चन्द मुंशी सहित वरीय शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों ने प्रतिभा एवं क्षमता को साबित किया है।

जेईई एडवांस्ड में डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

बोकारो। डीपीएस बोकारो के 30 से अधिक विद्यार्थियों विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड- 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी कामयाबी का परचम लहराया। विद्यालय के छात्र आरुष बनर्जी ने कॉमन रैंक लिस्ट में अखिल भारतीय स्तर पर 2020वीं रैंक लाकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे स्थान पर कैटेगरी रैंक 2393 लाने वाले मृत्युंजय कुमार और तीसरे पायदान पर सामान्य श्रेणी में एआईआर 2768 हासिल करने वाले प्रिंस कुमार पांडेय रहे। कैटेगरी रैंक 3679 के साथ रितेश महतो चौथे स्थान पर रहे।

गोड्डा : पोरैयाहाट प्रखंड के पूर्व मुखिया की गोली मारकर हत्या

महेंद्र टुडू अपने कार्य को लेकर टीला टाड़ गए थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने पूर्व मुखिया पर गोली चला दी

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। पोढ़ैयाहाट जानकारी के मुताबिक अज्ञात अपराधियों ने देर शाम महेन्द्र टुडू को गोली मारी। इसके बाद उसे गंभीर हालात स्थानीय अस्पताल मे इलाज के बाद देवघर और फिर उसे दुगार्पुर रेफर कर दिया जहां उसकी मौत हो गयी। मामला पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के तीला टाड़ गांव के पास का है जहां महेंद्र टुडू अपने घर के पास था। मृतक पूर्व मे दिए बयान के अनुसार चार की संख्या मे अपराधी आये थे संभवतः लूट पाट की मनसा थी। घटना उस वक्त घटी जब पोड़ैयाहाट प्रखण्ड छेत्र के ठाकुर नाहन पंचायत के पूर्व मुखिया महेंद्र टुडू अपने कार्य को लेकर टीला टाड़ गए थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने पूर्व मुखिया पर गोली चला दी, वही गोली लगने से पुर्व मुखिया गंभीर रूप से घायल हो गए, वही गोली मारकर हवा में फायर करते हुए अपराधी फरार हो गए। वही घटना के बाद पुलिस प्रशासन को सुचना मिलने गोड्डा रऊढड अशोक प्रियदर्शी व पोड़ैयाहाट थाना प्रभारी दल-बल के साथ पहुंच कर मामले की तफ्तीश कर रहीं है। इधर एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी ने घटना की पुष्टि करते हुए मामले की छान बिन शुरू कर दी है। पुलिस सभी बिन्दुओ पर काम कर रहीं है। जहां एक ओर इसे लूट पाट के उद्देश्य से घटना की आशंका कही जा रहीं।

वही मृतक व उसकी पत्नी दोनों पूर्व मुखिया रह चूकि है ऐसे मे राजनितिक रंजिश जैसे बिंदुओ पर भी पुलिस तहकीकात कर रहीं है। इधर इस पूरे मसले पर विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि ये दुःखद है और पुलिस अपराधियों के विरुद्ध त्वरित करवाई कर उसे सजा दे।

गोड्डा के शहरी क्षेत्रों में जल जमाव की समस्या, चलाया गया सफाई अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। जिले के शहरी क्षेत्रों में आगामी मानसून में जल जमाव की समस्या से निपटने के लिए नगर परिषद के द्वारा विभिन्न वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इसके तहत शहर के मुख्य मार्ग, मुख्य नालियों तथा विभिन्न वार्डों के नालियों की सफाई की गई। इस समस्या से निपटने के लिए नगर प्रशासक, गोड्डा आशीष कुमार के द्वारा बैठक कर नगर परिषद कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिसमें शहर के विभिन्न जगहों को चिन्हित किया गया जहां पर जल जमाव जैसी समस्याएं उत्पन्न होती है। बैठक में नालियों तथा सड़क की सफाई के लिए सफाई मित्र का टीम बनाया गया, और कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने एवं अवलोकन करने के लिए नगर परिषद के सहायक अभियंता, सीटी मैनेजर, जेई, और वार्ड जमादार को जिम्मेदारी दी गई। सफाई अभियान रौतारा चौक से बढौना काली मंदिर वार्ड नंबर -1 के मार्ग के किनारे की बड़ी नाली, हटिया चौक से रौतारा चौक मुख्य मार्ग किनारे की बड़ी नाली तथा वार्ड नंबर-10 में बड़ी नाली की साफ-सफाई की गई, नाली में जमे मिट्टी और कचरे को बाहर निकाला गया जिससे कि पानी के बहाव में रुकावट ना पैदा हो साथ ही शहर में मुख्यमार्ग में कूड़े कचरे की सफाई की जा रही है ताकि कचरे से नाली जाम ना हो। मौके पर नगर प्रशासक, गोड्डा सीटी मैनेजर, सहायक अभियंता, जेई और वार्ड जमादार कार्य स्थल पर मौजूद रहे।

बालगृह से भागी किशोरी वापस लौटी

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। रामगढ़ पुलिस को 27 मई को गोड्डा जिले के सुन्दरपहाड़ी थाना क्षेत्र में रहनेवाली 16 वर्ष 5 माह की एक किशोरी मिली थी जिसे 28 मई को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। किशोरी ने समिति को बताया था कि वह एक लड़के के साथ तीन सालों से लिव इन रिलेशन में रह रही है। उसने मैट्रिक की परीक्षा दी है और प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हो गयी है। वह लड़के के साथ शादी करना चाहती है पर वह अब इससे इनकार कर रहा है। इस मामले की शिकायत करने सुन्दरपहाड़ी थाना गयी तो लड़के के रामगढ़ थाना क्षेत्र का निवासी होने के आधार पर उसे रामगढ़ थाना भेज दिया गया। न तो सुन्दरपहाड़ी थाना में उसका केस दर्ज हुआ और न रामगढ़ थाना में। समिति ने मिसिंग के अलावा सेक्सुअल एसल्ट की श्रेणी में सीएनसीपी घोषित करते हुए किशोरी को धधकिया स्थित बालगृह में आवासित कर दिया। रामगढ़ थाना प्रभारी ने समिति को बताया कि पीड़िता का बयान दर्ज कर पोक्सो एक्ट के तहत जीरो एफआईआर दर्ज करते हुए अग्रतर कार्रवाई की जायेगी। पर इसी बीच 31 मई को सुबह 11 बजे किशोरी बालगृह से भाग गयी जिसकी सूचना बालगृह की अधीक्षक के द्वारा मुफस्सिल थाना प्रभारी को दी गयी। सोमवार को किशोरी मिल गयी जिसे मुफस्सिल थाना पुलिस ने समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। सदस्य डॉ राज कुमार उपाध्याय ने बताया कि कोई भी चाइल्ड या जुवेनाइल बालगृह या संप्रेक्षण गृह से भाग जाता है तो इसे अपराध नहीं माना गया है समिति ने किशोरी का काउनसेलिंग करवाने का निदेश दिया है।

दुमका : आजादी के 80 दशक बाद भी आदिवासी गांव पक्की सड़क से है मरहूम, ग्रामीणों में नाराजगी

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। आजादी के 78 वर्ष और राज्य गठन के 25 वर्ष होने के बाद भी जामा प्रखंड के आदिवासी गांव पलासबनी का भालुकसुगिया टोला पक्की सड़क मार्ग से नही जुड़ सकी है। इस टोला में करीब 15 घर है। पलासबनी गांव के ही बांध टोला में पक्की सड़क पहुंची है। जो भालुकसुगिया टोला से करीब एक किलोमीटर दुरी पर स्थित है। पक्की सड़क नही होने के कारण ग्रामीणों को बहुत कठिनाईयो का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी हो या बरसात, एम्बुलेंस टोला तक नहीं पहुच पाती है। जिस कारण रोगी, गर्भवती को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। करीब एक किलोमीटर पैदल चलने के बाद ही एम्बुलेंस का सेवा उपलब्ध होती है। शादी-विवाह या किसी अन्य बड़ा कार्यक्रम का आयोजन होने पर छोटा चार चक्का और बड़ी गाड़ी को एक किलोमीटर दूर में रख कर पैदल जाना पड़ता है। बारिश के मौसम में साइकिल, मोटरसाईकिल का चलना भी मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। बारिश में चप्पल पहनकर पैदल चला ही नही जा सकता है। भालुकसुगिया टोला सड़क मार्ग से नही जुड़ा होने के कारण बच्चों के शिक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। बच्चों को आंगनबाड़ी और स्कूल जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 20 वर्ष पूर्व मिट्टी मोहरम किया गया था और पुल पुलिया बनाया गया था। उसके बाद सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों ने कोई सुध नही ली। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जब भी चुनाव आता है तो सभी उम्मीदवार यह आश्वासन देते है कि चुनाव बाद पक्की सड़क बना दिया जायेगा। लेकिन इतने वर्षो से उम्मीदवारो के जितने के बाद भी पक्की सड़क नही बनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधि और प्रशासन से सिर्फ आश्वासन के अलावा कुछ नही मिल रहा है। इस मौके में सचिन किस्कू, मोलिन मुर्मू, मिसिल टुडू, राम दास टुडू, रसिक सोरेन, प्रबोध सोरेन, कोलोम मुर्मू, सुनील टुडू, बहामुनी हेम्ब्रम, सावंती टुडू, सुनीता सोरेन, सुमित्रा हांसदा, क्यारी मुर्मू, आरोती, सरिता सोरेन, मर्शिला टुडू आदि उपस्थित थे।

बेरमो : दामोदर नदी के सरहचिया बालू घाट पर बालू माफियाओं का कब्जा

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। उपर की तस्वीर यह बताने के लिए काफी है कि यहां बालू की चोरी नही बल्कि लूट मची हुई है। दुसरे शब्दों में कहें तो दामोदर नदी का पुरा अस्तित्व ही मिटाने पर तुली है क्षेत्र की बालू माफिया मगर विडम्बना देखिए कि इसे देखने वाला कोई नहीं है।

उपरोक्त नजारा दामोदर नदी के सरहचिया बालू घाट की बताई जाती है जहां सर हर सुबह नियमित सैकड़ों ट्रेक्टर अवैध रूप से बालू का उठाव कर बीना रोकटोक आसानी से विभिन्न क्षेत्रों के लिए निकल जाते हैं। बालू उठाव के कारण दामोदर नदी मे अनेको जानलेवा गड्ढे बन गए हैं जिस कारण पूर्व में अनेको हादसे हुए और कईयों की जान तक चली गई इतना ही नहीं इसी तरह अवैध बालू उठाव को बढ़ावा मिलने के कारण आज खेतको का एकलौता पुल की पिलरों मे दरारें पड़ चुकी है।

अब सवाल उठता है कि ये बालू माफिया कौन है और कहां से आते हैं तो बताया जाता है कि ये सभी बालू माफिया स्थानीय लोग है जो ट्रेक्टर खरीद कर इस अवैध कार्य से जुड़े हैं। मिली जानकारी के अनुसार लोग ट्रेकटरो के माध्यम से दिन भर में सैकड़ों रुपया कमा रहे हैं। इसमे सबसे अच्छी बात यह है कि इनके विरुद्ध अमूमन कोई कार्रवाई होती ही नही हैं और यदा-कदा कभी कारवाई होती भी है तो ये लोग आसानी से छुट जाते हैं और फिर से उसी कार्य में लग जाते हैं। अब यह तो कहना मुश्किल है कि सरकार को इसमे कितने की राजस्व का नुकसान होता है मगर बालू माफिया जरुर मालामाल हो रहे हैं।

गोमिया मे अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन का चला बुलडोजर

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया एवं बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र से सटे स्वांग उत्तरी पंचायत के करमटीया में चल रहे अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ सीसीएल पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी गोमिया के द्वारा संयुक्त रूप से छापेमारी किया गया जहां बंद कोलियरी से ग्रामीणों द्वारा रेटहोल बनाकर अवैध रूप से कोयला उत्खनन किया जाता था प्रशासन ने उस रेटहोल को जेसीबी मशीन की मदद से बंद कर दिया है वही बोरा भरकर रखा गया करीब दो टन कोयला भी जब्त किया गया। इस संबंध में गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार ने बताया कि अवैध कोयला संचालन से सरकारी राजस्व का नुकसान होता है इस कार्रवाई से अवैध कोयला उत्खनन पर रोक लगाने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

स्पीड न्यूज

तुर्किये और ग्रीस में भूकंप से दहशत

अंकारा। तुर्किये और ग्रीस में मंगलवार रात आए शक्तिशाली भूकंप से घबराए लोग जान बचाने के लिए घरों की बालकनी और खिड़कियों से कूद गए और 70 से अधिक लोग घायल हो गये। तुर्किये के आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने कहा कि सोमवार आधीरात बाद 2:17 बजे भूकंप के शक्तिशाली झटके तुर्किये के तटीय शहर के लोगों ने महसूस किए। वहीं ग्रीस में भूकंप सबसे ज्यादा असर ग्रीक द्वीप रोड्स पर दिखा। सैकड़ों लोगों ने अपने घरों को खाली कर दिया। रोड्स में भूकंप का झटका लगते ही सो रहे लोग बिस्तरों से उछल पड़े।

आतंकी संबंधों के आरोप में तीन कर्मी बर्खास्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मंगलवार को आतंकी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन से कथित संबंधों के चलते तीन सरकारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया। इनमें एक पुलिस कांस्टेबल, एक स्कूल शिक्षक और एक मेडिकल कॉलेज का जूनियर सहायक शामिल हैं। बर्खास्तगी की कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गई, जो ह्लराष्ट्रीय सुरक्षा के हित मेंह्व बिना किसी विभागीय जांच के सेवा से हटाने की अनुमति देता है। तीनों आरोपी इस समय जेल में बंद हैं।

संभल : बकरीद के दौरान खुले में कुर्बानी पर रोक

संभल (उप्र)। संभल के डीएम राजेंद्र पेंसिया ने मंगलवार को कहा कि बकरीद के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर पशुओं की कुर्बानी देने की अनुमति नहीं दी जाएगी और लोक व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पेंसिया ने कहा कि त्योहार से पहले शांति समिति की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें उन क्षेत्रों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए जहां ईद की नमाज होगी। उन्होंने कहा कि कुर्बानी केवल 19 पूर्व-चिह्नित स्थलों पर ही दी जाएगी। जानवरों की कुर्बानी के लिए किसी भी सार्वजनिक या खुले स्थान का उपयोग नहीं होगा।

रूस ने यूक्रेन को सौंपा युद्धविराम का ज्ञापन

कीव/मॉस्को। इस्तांबुल में हुई दूसरे दौर की शांति वार्ता के बाद रूस ने यूक्रेन को एक विस्तृत युद्धविराम का ज्ञापन सौंपा है, जिसमें शांति के बदले कई गंभीर और एकतरफा शर्तें रखी गई हैं। इस ज्ञापन के सामने आने से दोनों देशों के बीच संभावित कूटनीतिक वार्ता की दिशा और भी जटिल होती दिख रही है। ज्ञापन दो भागों में विभाजित है। पहला भाग, जिसे अंतिम समाधान के मुख्य मानक कहा गया है, में रूस ने यूक्रेन से मांग की है कि वह लुहान्स्क, दोनेत्स्क, जापोरीझिया और खेरसोन जैसे उन चार क्षेत्रों को रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता दे।

पीएनबी ने एजुकेशन ऋण पर ब्याज घटाया

नयी दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा ऋण पर ब्याज दरों में 20 आधार अंकों की कटौती की है। बैंक ने मंगलवार को बताया कि विद्यालक्ष्मी योजना छात्रों को गुणवत्ता-संचालित उच्च शिक्षा के लिए व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए बनाई गई है।

भारत बनाएगा पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत

ओस्लो। केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नद सोनोवाल की मौजूदगी में मंगलवार को कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड और नॉर्वे की कंपनी कॉन्सबर्ग के बीच समझौता किया जिससे भारत को पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत स्वदेश में बनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सोनोवाल ने कहा कि यह समझौता प्रगति की एक किरण है, जो भारत की वैज्ञानिक उन्नति और सतत विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एक पोत नहीं बना रहे, एक विरासत बना रहे हैं।

कराची में मलीर जेल से 213 कैदी फरार

भूकंप से कमजोर दीवार तोड़कर हथियार लेकर भागे, अब तक 78 गिरफ्तार

एजेंसी

- सुरक्षा कर्मचारियों की गोलीबारी में एक की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आधीरात के आसपास आए भूकंप के दौरान मची अफरातफरी के बीच सिंध प्रांत की राजधानी कराची के मलीर जिला जेल से 213 कैदी भाग गए। हालांकि, बाद में 78 कैदियों को पकड़ लेने का दावा किया गया है, लेकिन सिंध सरकार ने जेल ब्रेक की जांच के लिए समिति गठित करने का फैसला लिया है। सिंध के जेलमंत्री अली हसन ने आईजी जेल और डीआईजी जेल से रिपोर्ट मांगी है। कराची में पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है और पूरे शहर में गश्त बढ़ा दी गई है। सिंध के पुलिस महानिदेशक गुलाम नबी मेमन ने बताया कि सोमवार देर रात मलीर जेल से 213 कैदी भाग गए। उनमें से 78 को पकड़ लिया गया है। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण जेल प्रशासन ने 2,000 कैदियों को गिनती के लिए बैरकों से बाहर निकाला। इस दौरान सुरक्षा कर्मचारियों के हथियार छीनकर कैदी भागने लगे। जेल में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों की गोलीबारी में एक कैदी की मौत हो गई। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने कहा कि कैदियों को खुले मैदान में इकट्ठा होने देने का फैसला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जवाबदेही तय करने के लिए जांच समिति गठित करने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री शाह ने माना कि कैदियों ने पुलिसकर्मियों से हथियार छीन लिए और गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान एक कैदी की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। गोलीबारी में तीन सुरक्षा कर्मी भी घायल हो गए। विभिन्न क्षेत्रों से करीब 78 कैदियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने नौ संदिग्धों को भी हिरासत में लिया। सिंध के जेलमंत्री अली हसन ने कहा कि आईजी जेल और डीआईजी जेल से रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि इलाके की घेराबंदी की जाए। भागे हुए सभी कैदियों को हर हाल में पकड़ा जाए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की पहचान की जाए। उधर, सिंध के गृहमंत्री जियाउल हसन लंजर ने जिला मलीर का दौरा किया है। कराची जेल के डीआईजी मोहम्मद हसन ने कहा कि भूकंप के दौरान बड़ी संख्या में कैदी बैरक से बाहर आ गए। कैदियों ने जेल का गेट तोड़ दिया और भाग गए। डीआईजी जेल ने कहा कि जेल में बंद कैदियों की गिनती की जाएगी। उसके बाद पता चलेगा कि कितने कैदी भागे हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कराची में पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है और पूरे शहर में गश्त बढ़ा दी गई है। सिंध रेंजर्स के डीजी मेजर जनरल मोहम्मद शमरेज मलीर जेल पहुंचे। इससे पहले बताया गया था कि जेल के पास भीषण गोलीबारी हुई। मलीर एसएसपी के अनुसार जेल की एक दीवार ढह गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर यातायात बंद कर दिया गया है। भूकंप के बाद जेल की दीवार में दरारें आ गईं। कुछ देर बाद दीवारें गिर गईं।

पाक के बलूचिस्तान में दो थानों पर हमला, सात बलूच लड़ाके मारे गये

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दो प्रांतों में पिछले 24 घंटे के दौरान दो पुलिस थानों पर हमला हुआ। इस हमले से इतर मुठभेड़ में सात बलूच लड़ाके मारे गए। बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान से अजादी की मांग कर रहे हैं। वहां लंबे समय से आजादी के लिए लोग संघर्ष कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिला और बन्नू जिले में दो पुलिस स्टेशनों पर आतंकवादियों के हमले को विफल कर दिया गया। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि लोई मामुंड (बाजौर जिला) और मिरयान (बन्नू) में पुलिस स्टेशनों पर देररात आतंकवादियों ने हमला किया। पुलिस ने हमलावरों का सामना किया और उन्हें खदेड़ दिया।

पूर्वोत्तर में बाढ़ से हाहाकार

अब तक 36 की मौत, 5.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित

एजेंसी

- असम में खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं 15 नदियां
- भारी बारिश से सड़क, रेल और नौका सेवाएं बाधित
- मणिपुर में नदी तटबंधों के टूटने से 19,800 से अधिक लोग हुये प्रभावित, 103 बस्तियां हुयीं जलमग्न
- अरुणाचल के 23 जिलों और 156 गांवों में भूस्खलन से तबाही, अब तक 10 की मौत

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों के उफान से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 36 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 5.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बारिश के चलते सड़क, रेल और नौका सेवाएं बाधित हो गई हैं। क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है और हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। राहत और बचाव कार्य एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना की मदद से तेजी से जारी है। असम के 22 जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, राज्य की 15 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से लखीमपुर और कछार का दौरा किया और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मणिपुर में भारी बारिश के कारण नदी तटबंधों के टूटने से 19,800 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। 3,365 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है और 103 बस्तियां जलमग्न हैं। राज्य प्रशासन ने 31 राहत शिविर बनाए हैं, जिनमें से अधिकतर इम्फाल ईस्ट में हैं। अरुणाचल प्रदेश के 23 जिलों और 156 गांवों में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही मची है। अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। कई स्थानों पर सड़कें धंसने से संपर्क टूट गया है। नगालैंड में भी लगातार बारिश के चलते कई स्थानों पर भूस्खलन की सूचनाएं मिली हैं। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना सामने नहीं है। कई क्षेत्रों में घरों और सड़कों को नुकसान होने की सूचना है।

अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश पुलिस में 20 % आरक्षण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को राज्य पुलिस बल में कांस्टेबल, घुड़सवार पुलिस और फायरमैन सहित कई पदों पर सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का निर्णय लिया। राज्य के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। वित्त मंत्री खन्ना ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य अग्निपथ योजना के तहत अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले पूर्व अग्निवीरों को सार्थक सेवा के बाद अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है। आरक्षण सभी श्रेणियों झ सामान्य, एससी, एसटी और ओबीसी पर लागू होगा। अगर कोई अग्निवीर एससी श्रेणी से संबंधित है, तो आरक्षण एससी के भीतर लागू होगा; अगर ओबीसी है, तो ओबीसी के भीतर।

नेपाल के पूर्व युवराज्ञी शाह सड़कों पर उतरीं

राजशाही समर्थकों को बढ़ाया हौसला

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजशाही की वापसी को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे अपने समर्थकों का हौसला बढ़ाने के लिए पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह भी सड़क पर आईं। अपने बेटे के साथ सड़क पर समर्थकों के बीच पहुंची हिमानी को देखकर लोगों में काफी उत्साह देख गया। राजदरबार हत्याकांड की 24वीं बरसी पर दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम आयोजन किया गया था। पहले यह आयोजन राजदरबार के भीतर ही करना था लेकिन सरकार ने राजपरिवार के सदस्यों को उसी राजदरबार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं दी जिस राजदरबार में रह कर शाह परिवार ने 240 वर्षों तक शासन चलाया था। सड़क पर अपने समर्थकों के बीच गणेश मंदिर से एक बार फिर से राजशाही की वापसी के लिए संघर्ष का श्रीगणेश माना जा सकता है। वे हजारों समर्थकों के बीच शालीनतापूर्वक मुस्कुराते हुए सबका अभिवादन स्वीकार करती नजर आईं।

बिहार में 4863 पदों पर जल्द शुरू होगी बहाली

खबर मन्त्र संवाददाता

कैबिनेट का फैसला

- सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के 935, शिक्षा विकास पदाधिकारी 568 व 1503 नये पद हुये सृजित
- घरेलू हिंसा से सुरक्षा के लिए पदाधिकारी नियुक्त, पुलों के रखरखाव के लिए नयी नीति
- औरंगाबाद में 196 किमी सीवरेज नेटवर्क बनेगा।

पटना। शिक्षा विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग के साथ दूसरे सात विभागों के लिए सरकार ने करीब पांच हजार नए पद सृजन का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। महत्वपूर्ण यह है कि घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने राज्य के सभी 38 जिले में संरक्षण पदाधिकारी नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 के बेहतर कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए समाज कल्याण विभाग के अधीन महिला एवं बाल विकास निगम के अधीन निगम मुख्यालय, जिला अनुमंडल स्तर पर 362 यानी कुल 390 संरक्षण पदाधिकारी नियुक्त होंगे। जिनका काम महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षित रखना होगा। मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव स्वीकृति दी गई। आज की बैठक में कुल 47 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। बैठक में बिहार राज्य पुल प्रबंधन एवं मेंटेनेंस नीति 2025 को भी स्वीकृति दी गई। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि बैठक में जिन 4863 पद सृजन का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है उनमें अकेले बिहार शिक्षा प्रशासन संवर्ग नियमावली-2025 के तहत सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के 935 पद एवं शिक्षा विकास पदाधिकारी 568 पद कुल 1503 नए पद सृजित किए गए हैं।

शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम में विभिन्न कोटि के 818 पदों तथा बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् में 63 पद सृजित किए गए हैं। नीतीश सरकार के कार्यकाल में पथ निर्माण विभाग ने 3968 बड़े और छोटे पुलों का निर्माण किया है। इन पुलों के प्रबंधन और इनके नियमित रखरखाव के लिए सरकार ने बिहार राज्य पुल प्रबंधन एवं मेंटेनेंस नीति 2025 तैयार की है। इस नीति को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई।

मंत्रिमंडल ने अमृत योजना- 2 के तहत छह शहरों में जलापूर्ति और सीवरेज के कार्य कराने का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। योजना के अंतर्गत सासाराम में जलापूर्ति योजना के लिए 76.44 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। आरा शहर में जलापूर्ति के लिए 138.26 करोड़, सिवान में जलापूर्ति के लिए 113.28 करोड़ स्वीकृत किए हैं। औरंगाबाद में 196 किमी सीवरेज नेटवर्क बनेगा। जिसके लिए 497 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। राशि से आठ पंपिंग स्टेशन बनेंगे और 30 वार्डो के 24 हजार घरों को इस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आज

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रियों की परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे जो कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की दंडात्मक सैन्य कार्रवाई के बाद पहली बैठक है। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। सूत्रों के अनुसार, मंत्री परिषद की बैठक के दौरान इस ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी जा सकती है। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के अलावा प्रधानमंत्री परिषद की बैठक में अपने शासन की प्रमुख विशेषताओं पर भी प्रकाश डाल सकते हैं क्योंकि मंत्री वर्षगांठ के कार्यक्रमों के दौरान देशभर में लोगों के साथ संवाद करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओजेके में नौ आतंकी स्थलों पर किए गए सटीक हमले और इसके बाद पड़ोसी देश के सैन्य ठिकानों विशेष रूप से एअरबेस पर की गई जवाबी कार्रवाई मोदी के हालिया भाषणों का एक प्रमुख विषय रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सच्चाई से दुनिया को अवगत कराने गए सांसदों और राजनयिकों के प्रतिनिधमंडल की वापसी बुधवार सुबह से शुरू हो जाएगी।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द

एजेंसी

वॉशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच पिछले काफी समय से ट्रेड डील पर बातचीत चल रही है। अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटकिन ने भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही व्यापार समझौता होने के आसार जताया। लटकिन ने सोमवार को वॉशिंगटन डीसी में आयोजित अमेरिका भारत रणनीतिक साझेदारी मंच पर शिरकत की थी। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और भारत के बीच में ट्रेड डील जल्द ही साइन हो सकती है। लटकिन ने कहा कि जल्द कदम उठाने वाले देशों को बेहतर मौका मिलता है। इसके लिए मैं भारत की सराहना करता हूं। पहले ट्रेड डील साइन करने में 2-3 साल लग जाते थे, लेकिन अब हम इसे 1 महीने में पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें ऐसा रास्ता मिला है, जो दोनों देशों के लिए फायदे का सौदा साबित होगा। दोनों देशों के बीच जल्दव्यापार समझौता हो सकता है।

मेरे बच्चों ने मोदी को दादा जी समझ लिया था : वेंस

वॉशिंगटन । अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी ऊषा वेंस ने भारत दौरे का अनुभव साझा किया है। वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ वेंस फैमिली की मुलाकात को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि जब हम मोदी से मिलने उनके घर पहुंचे तो हमारे बच्चों ने पीएम मोदी को अपना दादा जी समझ लिया था। उनसे मुलाकात के दौरान बच्चों ने पीएम मोदी को गले लगाते हुए ढेर सारा प्यार दिया। वॉशिंगटन डीसी में सोमवार को अमेरिका-भारत सामरिक साझेदारी मंच से ऊषा वेंस ने भारत दौरे पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि यह ट्रिप हमेशा के लिए यादगार बन गई। बच्चों को भी भारत काफी पसंद आया।

ईरान ने अमेरिकी परमाणु समझौते को खारिज किया

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान ने अमेरिका के परमाणु समझौते को बेकार बताते हुए इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि समझौता देश के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप नहीं है, क्योंकि यह उसे यूरेनियम संवर्धन से रोकता है। ईरान ने बार-बार स्पष्ट किया है कि यह एक अस्वीकार्य प्रस्ताव है। मेजा नेट की रिपोर्ट के अनुसार प्रस्तावित समझौते के बारे में बात करते हुए एक ईरानी राजनयिक ने कहा कि इस प्रस्ताव में ईरानी धरती पर संवर्धन पर अमेरिका का रुख अपरिवर्तित है और प्रतिबंधों को हटाने के बारे में कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं है। ईरान एक नकारात्मक प्रतिक्रिया तैयार कर रहा है, जिसे अमेरिकी प्रस्ताव की अस्वीकृति के रूप में समझा जा सकता है। इससे पहले एक्सियोस समाचार पोर्टल ने सोमवार को सूत्रों का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ट्रम्प प्रशासन ने कथित तौर पर अधिकारियों द्वारा अभी तक अनिर्धारित अवधि के लिए यूरेनियम के सीमित निम्न-स्तरीय संवर्धन पर सहमति व्यक्त की थी।

लगतार तीसरे दिन गिरा शेयर बाजार

एजेंसी

सेंसेक्स 636 और निफ्टी 174 अंक लुढ़का

मुंबई। आरबीआइ के नीतिगत निर्णय का इंतजार कर रहे निवेशकों की वैश्विक व्यापार तनाव और अमेरिका के बढ़ते राजकोषीय जोखिमों को लेकर चिंता के चलते निवेश धारणा कमजोर पड़ने से स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा मुनाफावसूली से मंगलवार को शेयर बाजार में भूचाल आ गया।

सेंसेक्स 636.24 अंक अर्थात 0.78 प्रतिशत का गोता लगाकर सात कारोबार सत्र के बाद 81 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 80,737.51 अंक और निफ्टी 174.10 अंक यानी 0.70 प्रतिशत लुढ़ककर 24542.50 अंक रह गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.52 प्रतिशत टूटकर 45,159.96 अंक और स्मॉलकैप 0.07 प्रतिशत फिसलकर 52,563.44 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में कुल 4144 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2266 में गिरावट जबकि 1731 में तेजी रही वहीं 147 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2999 कंपनियों के शेयरों में से 1696 में बिकवाली जबकि 1224 में लिवाली हुई वहीं 79 में टिकाव रहा। बीएसई में कमोडिटीज और रियल्टी में 1.24 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर अन्य 19 समूहों में बिकवाली का दबाव रहा। इससे सीडी 0.36, ऊर्जा 0.88, एफएमसीजी 0.40, वित्तीय सेवाएं 0.80, हेल्थकेयर 0.21, इंडस्ट्रियल्स 0.59, आईटी 0.67, दूरसंचार 0.36, यूटिलिटीज 1.42, ऑटो 0.27, बैंकिंग 0.89, कैपिटल गुड्स 0.87, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.56, धातु 0.26, तेल एवं गैस 0.95, पावर 1.50, टेक 0.68, सर्विसेज 0.35 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.67 प्रतिशत लुढ़क गए। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.13 और जापान का निक्केई 0.06 प्रतिशत गिर गया। जर्मनी का डैक्स 0.12, हांगकांग का हैंगसेंग 1.53 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43 प्रतिशत उछल गया।

निवेशकों को 2.40 लाख करोड़ की चपत

शेयर बाजार में गिरावट से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घट कर 443.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 445.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को करीब 2.40 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

सोना फिर एक लाख रुपये के करीब पहुंचा

नयी दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में मंगलवार को सोने के भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। सोना आज 1,200 रुपये से लेकर 1,270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,910 रुपये से लेकर 99,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये से लेकर 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज मामूली तेजी आई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।